13 जून 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

सीमा सुरक्षा के साथ-साथ देश की सभ्यता व संस्कृति की रक्षा भी जरूरी है : राज्यपाल 5

अहमदाबाद के रिहायशी इलाका में क्रैश होने के साथ ही विमान में आग लग गई। लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

हादसे के बाद पूरा इलाका धुंए से भर गया। राहत व बचाव कार्य तुरंत शुरू हुआ।

हादसे के कुछ देर बाद ही अहमदाबाद पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची थी।

अहमदाबाद एयरपोर्ट से टेकऑफ करते ही हादसे का शिकार हो गया एयर इंडिया का विमान

अहमदाबाद में प्लेन क्रैश, 241 लोगों की मौत

लंदन जा रहा था विमान, हादसे में गुजरात के 16वें मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी मौत

- विमान में सवार 242 यात्रियों में से 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश , एक कनाडाई और 7 पुर्तगाली नागरिक थे
- सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे के रनवे 23 से दोपहर 1:39 बजे विमान ने भरी उड़ान
- उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही मेघानी नगर के रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया विमान

एजेंसी/अहमदाबाद

भारत के लिए गुरुवार का दिन मनहूस साबित हुआ। अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का विमान अहमदाबाद के मेघाणी नगर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 242 लोग सवार थे। इनमे एक को छोड़ सभी की मौत हो गई। विमान अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था। विमान ने सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे 23 से दोपहर 1:39 बजे आईएसटी पर उड़ान भरी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद, चालक दल ने एक मेयडे संकट संकेत जारी किया, लेकिन फॉलो अप कम्युनिकेशन नहीं मिला। विमान मेघानी नगर क्षेत्र में हवाई अड्डे की परिधि से थोड़ा आगे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कथित तौर पर 625 फीट की ऊंचाई पर इसका सिग्नल खो गया और यह तेजी से नीचे उतर गया। विमान के प्रस्थान के लिए मंजूरी मिलने के लगभग नौ मिनट बाद यह सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ठीक बाहर मेघानी नगर के एक रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान में आग लग गई। जिससे शहर के ऊपर घने काले धुएं का गुबार छा गया। जिससे राहत-बचाव कार्य में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एयर इंडिया का विमान एआई171 हादसे का शिकार हुआ है, जो अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था। यह विमान बोइंग बी 787 एयरक्राफ्ट वीटी-एएनबी था। एअर इंडिया ने एक बयान में बताया कि विमान में सवार 242 यात्रियों में से 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई नागरिक और 7 पुर्तगाली नागरिक शामिल थे। इस हादसे में गुजरात के 16वें मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी मौत हो गई। प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले विजय रुपाणी गुजरात के दूसरे सीएम हैं। इससे पहले बलवंतराय मेहता की छह दशक पहले प्लेन क्रैश में मौत हुई थी। गुजरात बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने विजय रुपाणी की मौत की पुष्टि की है। वहीं प्लेन क्रैश में बचे एक यात्री रमेश विश्वास कुमार का अस्पताल में इलाज जारी है।

विमान में सवार गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी की भी मौत हो गई।

पीएम मोदी ने विमान दुर्घटना की जानकारी ली: प्रधानमंत्री मोदी ने घटना पर ट्वीट करते हुए लिखा कि 'अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं। सभी लोग प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री से बात की और विमान हादसे की जानकारी ली। मंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि वे बचाव और राहत कार्यों की निगरानी के लिए अहमदाबाद जा रहे हैं। पीएम मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री से कहा है कि वे सभी आवश्यक सहायता तत्काल उपलब्ध कराएं और स्थिति के बारे में नियमित रूप से अपडेट रहें। सभी संबंधित एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और समन्वित प्रयास जारी हैं। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (एसवीपीआईए) के प्रवक्ता ने बताया कि एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के चलते सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अहमदाबाद फिलहाल चालू नहीं है। अगली सूचना तक सभी उड़ान संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए गए हैं।

कनाडा के पीएम और रूस के राष्ट्रपति ने भी जताया दुखः अहमदाबाद विमान हादसे पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि अहमदाबाद में लंदन जाने वाले एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से स्तब्ध हूं। पीड़ित परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। विमान हादसे पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी शोक जताया है। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी को शोक संवेदना संदेश भेजा है, जिसमें लिखा कि इस दुखद दुर्घटना में जान गंवाने वाले पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। उन्होंने लिखा कि दुख की इस घड़ी में भारत के साथ खड़ा हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना करता हूं। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा कि अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है।

घटना के बाद एअर इंडिया ने जारी किया हॉटलाइन नंबर

एअर इंडिया ने जानकारी देने के लिए हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 जारी किया है। एअर इंडिया ने अथॉरिटीज को पूरा समर्थन देने की बात कही है। एआई171 दुर्घटना के मद्देनजर सभी विवरणों के समन्वय के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है। जिसका नंबर: 011-24610843, 9650391859 है। अहमदाबाद के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरूआती जांच में पता चला है कि लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट डॉक्टर्स हॉस्टल पर क्रैश हुई। सूचना मिलने के 2-3 मिनट के भीतर ही पुलिस अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। करीब 70-80 प्रतिशत इलाका क्लीयर करा लिया गया है। सभी एजेंसियां काम में जुटी हैं।

डीजीसीए ने बताया- पायलट ने मेडे की कॉल की थी: डीजीसीए ने बताया कि विमान में दो पायलट और केबिन क्रू के 10 सदस्यों समेत 242 यात्री सवार थे। विमान को कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। डीजीसीए ने बताया कि विमान ने अहमदाबाद एयरपोर्ट के रनवे 23 से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट ने एटीसी को मेडे की कॉल की थी, लेकिन जब एटीसी ने एयरक्राफ्ट से संपर्क साधने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। विमान उड़ान भरते ही एयरपोर्ट परिसर के बाहर गिर गया, जिसके बाद धुएं का बड़ा गुबार दिखाई दिया। विमान हादसे के बाद बचाव और राहत कार्य के लिए एनडीआरएफ की कई टीमें मौके पर पहुंची थीं।

बी 787 एयरक्राफ्ट में भरा गया था 58000 लीटर ईंधन

अहमदाबाद में जो विमान हादसे का शिकार हुए वो बोंइग कंपनी का बी 787 ड्रीमलाइनर था। असल में बी 787 एयरक्राफ्ट में 787-8, 787-9 और 787-10 तीन मॉडल्स में आता है। इन सभी मॉडल्स में ईंधन की टंकी की क्षमता करीब 1.26 लाख लीटर की होती है। अगर वजन की बात करें, तो इसमें 1 लाख किलो से ज्यादा ईंधन भरा जा सकता है। ये विमान 13,000 से 14,000 किलोमीटर तक उड़ान भरने में सक्षम होता है — जैसे कि दिल्ली से न्यूयॉर्क या लंदन तक बिना रुके उड़ सकता है। अब ये जानकारी सामने आई है कि, अहमदाबाद में जो विमान हादसे का शिकार हुआ, उसमें करीब 58,000 लीटर ईंधन भरा गया था।

37 साल पहले भी यात्री विमान क्रैश से दहला था अहमदाबाद: 19 अक्तूबर 1988 को भी अहमदाबाद एयरपोर्ट के करीब बड़ा विमान हादसा हुआ था। इसमें 113 लोगों की मौत हुई थी। उस दिन बोइंग 737-200 विमान ने सुबह 6.05 बजे मुंबई से उड़ान भरी। 6.20 बजे पायलट ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से कम दृश्यता के चलते मौसम की जानकारी मांगी। हालांकि, अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचने के बाद पायलट ने लैंडिंग की अनुमति नहीं मांगी और सुबह 6.53 बजे चिलोदा कोतरपुर के करीब एक पेड़ और बिजली के ट्रांसमिशन टावर से टकरा गया। बताया जाता है कि कॉकपिट में मौजूद वॉयस रिकॉर्डर से सामने आया था कि विमान में दोनों पायलट कम दृश्यता के चलते रनवे खोजने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान वे विमान को नीचे भी उतारते जा रहे थे। जब यह विमान 1000 फीट की ऊंचाई पर रह गया, तभी यह बिजली के ट्रांसमिशन टावर से टकरा गया।

हादसे के बाद विमान से शवों को बाहर निकालने में जुटा बचाव दल।

डॉक्टर के हॉस्टल की छत पर गिरे विमान के कारण बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो गई।

जिस समय विमान हादसा हुआ उस समय हॉस्टल में डॉक्टर खाना खा रहे थे।

हादसे के बाद विमान में लगी आग को बुझाती फायर ब्रिगेड की टीम।

विमान हादसा... एयर इंडिया फ्लाइट के कैप्टन व को पायलट काफी अनुभवी थे

एजेंसी/अहमदाबाद

फ्लाइट के कैप्टन और को पायलट दोनों ही काफी अनुभवी हैं। विमान की कमान कैप्टन सुमीत के पास थी और उनके पास 8200 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है। कैप्टन सुमीत एक लॉन्ग टर्म कैप्टन हैं। वहीं उनका साथ दे रहे थे को पायलट क्लाइव कुंदर। कुंदर को 1100 घंटे का उड़ान अनुभव है। यानी दोनों ही पायलट काफी अनुभवी और एक्सपर्ट थे। हादसे से पहले ही पायलट ने सिग्नल दिया था। विमान के क्रैश होने से पहले ही करीबी ATC को सिग्नल भेजा गया था। अहमदाबाद एअरपोर्ट के रनवे नंबर 23 से इस विमान ने दोपहर 1:39 बजे उड़ान भरी थी। उड़ान भरते ही इसने करीबी एटीसी को मेयडे कॉल दी थी। हालांकि इसके बाद फ्लाइट की ओर से एटीसी को कोई सिग्नल नहीं गया और कुछ सेकेंड बाद ही विमान एअरपोर्ट परिसर के बाहर गिर गया।

हादसे में बचा शख्स बोला... मुझे भरोसा नहीं हो रहा कि मैं जीवित हूं, ये किसी करिश्मे से कम नहीं है

एजेंसी/अहमदाबाद

अहमदाबाद विमान हादसे में एक चमत्कारी घटना सामने आई है, जहां सीट नंबर 11ए पर यात्रा कर रहा एक यात्री जिंदा बचा है। इस यात्री को गंभीर चोटें आई हैं और उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है। यात्री का नाम रमेश विश्वास कुमार है। रमेश विश्वास ने बताया कि हादसे के बाद जोरदार धमाका हुआ, चारों तरफ आग की लपटें थीं। मुझे एंबुलेंस के जरिए अस्पताल लाया गया। मुझे भरोसा नहीं होता कि मैं जीवित हूं, ये किसी करिश्मे से कम नहीं है। एक चश्मदीद, जयेश पटेल ने बताया कि जब उन्होंने तेज आवाज सुनी और धुआं उठता देखा, तब वह लगभग 500-600 मीटर की दूरी पर थे। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं देखा था। हजारों लोग सड़क पर आ गए। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि हम निष्पक्ष और गहन जांच करने जा रहे हैं, और पता लगाएंगे कि यह घटना क्यों हुई। हमें अभी भी संख्या का पता लगाना है। यह जानकर बहुत दुख हुआ कि (भाजपा नेता) विजय रूपाणी भी वहां मौजूद थे, साथ ही अन्य नागरिक भी थे। मैं इस दुखद और भयावह घटना से पूरी तरह हिल गया हूं। मैं अभी भी सदमे की स्थिति में हूं। प्रधानमंत्री ने मुझे फोन किया और मुझे घटनास्थल पर आने के लिए कहा।

बाबा बागेश्वर के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया के शहर सिडनी में कथा के दौरान कही बात

इंदौर और मेरठ की घटना के बाद से डरने लगे हैं अविवाहित पुरुष

एजेंसी/नई दिल्ली

सोनम रघुवंशी को लेकर देश में खुब चर्चा हो रही है। हर किसी के जुबान पर सोनम रघुवंशी की कहानी सुनने को मिल रही है। इसी दौरान बाबा बागेश्वर ने भी सोनम को लेकर चौकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने लव और अरेंज मैरिज को लेकर भी अपनी बात रखी है। बाबा ने कहा है कि ऐसे मामले देखने के बाद उनके जैसे अविवाहित पुरुष डरने लगे हैं। वहीं मैरिज को लेकर उन्होंने कहा है कि ये दोनों ही सिस्टम खराब है।

दरअसल बाबा बागेश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इस समय ऑस्ट्रेलिया के शहर सिडनी में कथा कर रहे हैं। जहां उन्होंने कथा के दौरान ही ये चौकाने और हैरान करने वाला बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस समय मानों एक चलन सा चल गया है। शास्त्री ने तो पहले तो यूपी के मेरठ में हुई घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक से बढ़कर एक खतरनाक ट्रेंड चल रहा है। नीले ड्रम से देवियां निकल रही हैं। बाबा ने कहा, आजकल पत्नियों का बड़ा खतरनाक ट्रेंड चल रहा है। एक से एक खतरनाक नीले ड्रम वाली निकल रही हैं। तुम लोगों ने सुना नहीं, अभी कल नई खबर आईः सोनम। देखो तो कहानियां हमारे जैसे अविवाहित पुरुष डरने लगे हैं। पहले तो लगता था कि अरेंज मैरिज सही है फिर लगता लगता था लव मैरिज सही है। और अब दोनों ही बेकार लगते हैं। जब से राजा वाला कांड सुना है, बड़ा बेकार है। इसके बाद बाबा थोड़ा मजाकिए अंदाज में बोले कि हमने सुना है लुगाइयों के सामने बुद्धि और सख्ती दोनों नहीं चलती। हमको ये बात सिडनी के एक विवाहित पुरुष ने बताई है। और फिर जोर का ठहाका लगाया। इंदौर के राजा रघुवंशी की 11 मई को शादी हुई थी। जिसके बाद 20 मई को हनीमून के लिए मिजोरम के शिलॉग गए। बाद में सोनम ने अपने प्रेमी से मिलकर पति की हत्या कर दी।

सरकारी विद्यालयों की सफाई के लिए हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन में बरती गई अनियमितता

♦ तीन सदस्यीय जांच कमेटि ने की पुष्टि, आगे की कार्रवाई में जुटा शिक्षा विभाग

केटी न्यूज/बक्सर

सरकारी विद्यालयों में साफ-सफाई के लिए हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन में भारी पैमाने में अनियमितता बरती गई है। डीईओ अमरेन्द्र पांडेय द्वारा हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन में धांधली की शिकायत पर जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय टीम ने अपने जांच रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की है।

जांच में यह सामने आया है कि राज्य स्तर पर हाउसकिपिंग के लिए एजेंसियों का चयन किया गया था। जिसमें बक्सर जिला के लिए तीन एजेंसियों आशा इंटरप्राइजेज, जेकेएसबी और शिव अभिनंदन का चयन किया गया था।

इन्हीं एजेंसियों को जिले के सभी विद्यालयों के शौचालय व परिसर की साफ-सफाई करनी थी, लेकिन इनमें से दो एजेंसियों ने इस काम में अपनी अभिरूची नहीं दिखाई। विद्यालयों की लचर सफाई व्यवस्था की शिकायत पर शिक्षा विभाग ने दोनों एजेंसियों से कई बार संपर्क स्थापित किया, लेकिन विभाग के बार-बार के बुलावे पर भी दोनों एजेंसी विभागीय अअधिकारियों के सामने नहीं आए।

दोनों एजेंसियां कार्य नहीं कर रही है: जिसके बाद विभागीय नियमानुसार रूद्र सागर सेवा संस्थान और आरएस इंटरप्राइजेज को कार्य आवंटित किया गया। इसी बीच तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल द्विवेदी ने जेकेएसबी और आरएस इंटर प्राइजेज से स्पष्टीकरण की मांग की। जिसमें यह उल्लेखित था कि दोनों एजेंसियां कार्य नहीं कर रही है। यहा दिलचस्प है कि समय से दोनों एजेंसियों द्वारा संतोषजनक जबाव देने के बावजूद जेकेएसबी हाउसकिपिंग एजेंसी से तीन प्रखंड का कार्य फर्स्ट आईडिया नामक एजेंसी को दे दिया गया। इस आवंटन में नियमों को ताक पर रखा गया तथा दोनों एजेंसियों का एकरारनामा तक रद्द नहीं किया गया। जांच में यह सामने आया है कि जेकेएसबी को कार्य रद्द की कोई सूचना नहीं दी गई है और न ही इसके लिए विभाग द्वारा कोई पत्र निर्गत किया गया है।

दूसरी एजेंसी को कार्य दिए जाने से कई सवाल : बिना किसी ठोस वजह के तथा एकरारनामा तोड़ने की पूरी प्रक्रिया को अपनाए बिना दूसरी एजेंसी को कार्य दिए जाने से कई सवाल खड़े हो रहे है। जांच अधिकारियों ने भी इसमें भ्रष्टाचार व मिलीभगत से इंकार नहीं किया है तथा इसे एकरारनामे के शर्तों का उल्लंघन माना है।

जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि फर्स्ट आईडिया को नियम विरूद्ध कार्य का आवंटन किया गया है।

गौरतलब हो कि दिशा की बैठक में भी लगातार हाउसकिपिंग एजेंसियों के कार्य आवंटन व कार्य प्रणाली को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे। बक्सर सांसद सुधाकर सिंह व डुमरांव विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह के साथ ही कई अन्य सदस्य हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन में धांधली का आरोप लगा चुके है तथा यह भी कह चुके है कि पूर्व जिन एजेंसियों का चयन किया गया था उन्हें बिना किसी ठोस वजह के हटाकर अपने चहेते एजेंसी को कार्य आवंटित किया गया है। जांच टीम में डीपीओ (समग्र शिक्षा) शारिक अशरफ, डीपीओ (लेखा-योजना) चंदन द्विवेदी और डीपीओ (माध्यमिक नाजीश अली) शामिल थे। सभी बिन्दुओं पर जांच करने के बाद टीम ने अपनी रिपोर्ट डीईओ को सौंप दी है।

अब देखना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद विभाग द्वारा दोषी कर्मियों व अधिकारियों पर क्या कार्रवाई की जा रही है।

खबरें फटाफट

गांजा तस्करी में महिला गिरफ्तार

चौसा। शराब की तलाशी में निकली मुफस्सिल थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के कृष्णापुरी मोहल्ले से 1.400 ग्राम गांजा के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई गुरुवार को उस वक्त की गई जब पुलिस क्षेत्र में नियमित गश्त कर रही थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार महिला की पहचान पतिया देवी के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय शुभनारायण राम की पत्नी है और कृष्णापुरी की रहने वाली है। प्रारंभिक पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह लंबे समय से फुटकर रूप में गांजा बेचने का कार्य कर रही थी। स्थानीय स्तर पर वह नशे का कारोबार संचालित कर रही थी, जिसकी सूचना पुलिस को पूर्व से थी। पुलिस ने बताया कि गांजा की बरामदगी के बाद महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे शुक्रवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

डीएम ने की राजपुर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों के कार्यों की समीक्षा

भूमि विहीन 77 लाभार्थियों को तत्काल बासगीत पर्चा दिलाएं सीओ: जिलाधिकारी

♦ प्रखंड के सभी वार्डों में डोर-टू-डोर कचरा उठाव सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह ने गुरूवार को राजपुर प्रखण्ड स्तरीय विभिन्न कार्यालयों के कार्यो की समीक्षा की।

इस समीक्षा बैठक में उपस्थित प्रखण्ड, अंचल, मनरेगा, शिक्षा, कृषि, जीविका, बाल विकास परियोजना, श्रम संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, विद्युत विभाग आदि कार्यालयों के पदाधिकारियों का परिचय प्राप्त किया एवं संबंधित विभाग के अंतर्गत योजनाओं की जानकारी प्राप्त की गई। इसके साथ-साथ राजपुर प्रखण्ड अंतर्गत सभी पंचायत स्तर की जानकारी प्राप्त की गई।

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत डोर-टू-डोर कचड़ा उठाव एवं यूजर चार्ज वसूली की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने पाया कि सभी घरों से माह मई में 78.4 प्रतिशत ही यूजर चार्ज प्राप्त किया गया है। जिलाधिकारी ने प्रखंड समन्वयक को निर्देश दिया कि सभी वार्डो से डोर-टू-डोर कचरा का उठाव करना सुनिश्चित करेंगे एवं उसके आलोक में यूजर चार्ज प्राप्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी को इसका अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि 77 वैसे लाभुक है जो भूमिहीन है जिसके कारण उन्हें आवास का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वैसे लाभुकों को शीघ्र भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश सीओ को दिया गया। श्रम संसाधन कार्यालय की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं में प्राप्त आवेदनों की संख्या बहुत कम है। श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान एवं अन्य योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार कराते हुए योग्य लाभुकों को आच्छादित करेंगे। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी राजपुर इसका अनुश्रवण करेंगे।

पंचायत सचिव से समन्वय स्थापित कर प्राप्त करें आवेदन : वहीं, प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में अधिक से अधिक लाभुकों को लाभ देने सभी मुखिया विवाह निबंधन पदाधिकारी एवं पंचायत सचिव से समन्वय स्थापित करते हुए आवेदन प्राप्त करेंगे। उक्त योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आय प्रमाण पत्र निर्गत करने के संबंध में अंचल अधिकारी, राजपुर को निदेशित किया गया।

कम वॉटर लेवर वाले पंचायतों का मॉनिटरिंग करें एई व जेई: प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि ग्राम पंचायतों में नल जल योजना अंतर्गत लंबित विद्युत विपत्रों के भुगतान के लिए लोक स्वास्थ्य अवर प्रमंडल के कनीय अभियंता को अपने स्तर से इसका अवलोकन कर बकाए विपत्र का शीघ्र भुगतान करा आपूर्ति दुरूस्त रखने का निर्देश दिया।

वहीं, कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रखण्ड अंतर्गत वैसे पंचायत जहॉ वाटर लेबल कम है जैसे मंगरॉव, नागपुर एवं खीरी, की लगातार मॉनिटरिंग करने और नल जल का लाभ सभी लोगों को मिल सके। इसके साथ-साथ टोल फ्री नंबर एवं शिकायत नंबर का व्यापक प्रचार प्रसार कराने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को इसका सतत अनुश्रवण करने को कहा गया।

पराली जलाने वाले 124 किसानों की ब्लॉक की गई है आईडी: समीक्षा के दौरान प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी ने बताया कि पराली जलाने वाले कुल 124 किसानों का रजिस्ट्रेशन आईडी ब्लॉक कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पराली प्रबंधन के बारे में किसान सलाहकार एवं कृषि समन्वयकों के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कराना सुनिश्चित करेंगे। दूसरी ओर, बाल विकास परियोजना कार्यालय की समीक्षा के क्रम में सीडीपीओ को निर्देशित किया गया कि सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बिजली, पेयजल एवं शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे तथा समेकित प्रतिवेदन से अवगत कराएंगे।

वहीं, शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान बीईओ को निदेशित किया गया कि प्रत्येक विद्यालय में शिक्षक एवं बच्चें का अनुपात तथा विद्यालय में क्या-क्या सुविधा है की सूची तैयार कर उपलब्ध करायेंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर को सभी प्रखंडों से प्रतिवेदन प्राप्त कर समेकित रूप से प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

जबकि, बीडीओ को निर्देशित किया गया कि प्रखंड अंतर्गत सभी चिन्हित संस्थाओं में आधार कार्ड केन्द्र को संचालित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

बिचड़ा खराब होने के विवाद में जमकर चले लाठी-डंडे, दोनों पक्षों के चार जख्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ थाने में दिया आवेदन, जांच में जुटी पुलिस

कोरानसराय थाना क्षेत्र के कंनझरूआ गांव में गुरूवार की सुबह एक मामूली बात पर दो पक्ष के लोगों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल चार लोग लहूलुहान हुए है। इस मामले में दोनों तरफ से स्थानीय थाने में आवेदन दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार एक पक्ष के गोपाल जी मिश्र ने पुलिस को दिए आवेदन में जिक्र किया है कि वे अपने खेत में धान का बिचड़ा लगाए है। सुबह करीब सात बजे मैं खेत घुमने गया था तो देखा कि मेरे बिचड़ा वाले खेत से गर्जन राम पाइप बिछाए है, जिससे बिचड़ा खराब हो रहा था। मैने उनसे पाइप हटाने को कहा तो वे नाराज हो गए तथा तू-तू, मैं-मैं हो गई। इसके बाद वे अपने बस्ती में गए तथा उधर से करीब आठ-दस लोग हाथ में लाठी डंडा व रामा आदि लेकर आए तथा मेरी पिटाई करने लगे। बीच बचाव करने आए मेरे भाई चंदन मिश्र को भी बेरहमी से पीटा गया है। मारपीट की इस घटना में दोनों का सर फट गया है।

गोपाल ने इस मामले में गर्जन राम के साथ ही सुरेंद्र राम, रामाकांत राम, कृष्णा राम, मुरली राम, पंकज राम समेत 10 को नामजद किया है। पीड़ित ने आवेदन में बताया कि मुरली राम ने देसी कट्टा कनपट्टी पर सटाकर जान से मारने की धमकी दिया है, वहीं पंकज राम ने उनकी गर्दन से करीब 80 हजार रूपए मूल्य की सोने की सिकड़ी और कृषि राम ने उनके भाई की जेब से खाद खरीदने के लिए रखे गए 10 हजार रुपये निकाल लिए। वहीं, दूसरे पक्ष द्वारा भी पहले पक्ष पर मारपीट करने सहित कई अन्य आरोप लगाए गए है।

मामले में थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि दोनों तरफ से आवेदन प्राप्त हुआ है मामले की जांच की जा रही है।

राजद नेता ददन आजाद को अपराधियों ने गोली मारकर किया घायल, हालत नाजुक

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड के सलसला गांव निवासी अधिवक्ता सह राजद नेता ददन आजाद (50 वर्ष) को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए जगदीशपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने पटना रेफर कर दिया। घायल राजद नेता हालत नाजुक बनी हुई है।

घटना बगेन गोला थाना क्षेत्र के भदवर-मणियां नहर मार्ग पर बुधवार देर रात की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ददन आजाद भदवर गांव से अपनी रिश्तेदार के घर गए हुए थे। देर रात को वह अपनी बाइक से घर से लौट रहे थे। जैसे ही वे बराढ़ी गांव से कुछ ही दूरी पर पहुंचे, तो देखा की सुनसान नहर मार्ग पर मिट्टी डालकर एक ब्रेकर बनाया गया था। यह देखकर वह भांप गए कि किसी अपराध का अंजाम देने के लिए अपराधियों ने थोड़ी देर पहले यह ब्रेकर बना है। जैसे ही राजद नेता ने ब्रेकर पार किया और आगे बढ़े, घात लगाए अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल नेता को अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। इधर पुलिस का मानना है कि अपराधियों का इरादा लूटपाट का था। मामले की जांच की जा रही है। अपराधियों की तलाश जारी है।

वहीं, समाचार लिखे जाने तक पुलिस अपराधियों को चिन्हित नहीं कर पाई है।

नावानगर सीएचसी के समीप अज्ञात वृद्ध का शव बरामद, नहीं हुई पहचान

केटी न्यूज/नावानगर

♦ भीषण गर्मी से मौत की आशंका, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास गुरुवार को एक अज्ञात वृद्ध का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया है।

घटना बासुदेवा थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 65 वर्ष के आसपास है और वह पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में इधर-उधर घूमते देखा गया था। ग्रामीणों ने बताया कि वृद्ध मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत होता था। उसे आसपास के गांवों से जो कुछ भी खाने को मिल जाता, उसी से अपना पेट भरता था।

बासुदेवा थानाध्यक्ष के अनुसार प्रथम दृष्टया में वृद्ध की मौत लू या गर्मी से होने की मान रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के सही कारण की पुष्टि हो सकेगी। स्थानीय प्रशासन विभिन्न माध्यमों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रहा है।

जनता बेहाल: चौसा में पेयजल संकट, जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा नगर पंचायत क्षेत्र में इन दिनों पेयजल संकट विकराल रूप ले चुका है। भीषण गर्मी में लोगों को पीने के पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। स्थिति चिंताजनक है कि चार जलमीनारों के बावजूद कई मोहल्लों में एक बूंद पानी नहीं पहुंच पा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस संकट के पीछे पीएचइडी विभाग और प्रशासन की घोर लापरवाही जिम्मेदार है।

नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. मनोज यादव ने बताया कि न्यायीपुर अनुसूचित बस्ती, वार्ड संख्या सात, बहादुरपुर और चौसा बाजार के कई हिस्सों में पाइपलाइनें टूटी हुई हैं। कुछ इलाकों में पाइपलाइनें नालियों से होकर गुजर रही हैं, जिससे दूषित पानी घरों में पहुंच रहा है और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

डॉ. यादव ने बताया कि नगर पंचायत ने दस स्थानों पर वाटर कूलर लगाए हैं, लेकिन यह व्यवस्था हजारों की आबादी के लिए नाकाफी है। कई मोहल्लों में आज तक जल कनेक्शन तक नहीं दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कई बार पीएचइडी विभाग और जिला प्रशासन को लिखित शिकायत दी गई है, यहां तक कि बीस सूत्री कार्यक्रम की बैठकों में भी मुद्दा उठाया गया, पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोग जल आपूर्ति की गुणवत्ता और अनियमितता को लेकर बेहद परेशान हैं, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को अधिक दिक्कत हो रही है। डॉ. यादव ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे जनता के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

बिहार में बढ़ते अपराध व महिला हिंसा पर कांग्रेस ने जताई चिंता

नौकरी दो या गद्दी छोड़ो के नारों के साथ कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन, दी गिरफ्तारी

♦ राज्यव्यापी अभियान के तहत आयोजित किया गया था कार्यक्रम

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार में बेरोजगारी व पलायन के साथ ही बढ़ते अपराध, लूट, हत्या, बलात्कार जैसी घटनाओं के खिलाफ कांग्रेस ने गुरूवार को अपने राज्य व्यापी अभियान के तहत बक्सर में जोरदार प्रदर्शन, घेराव व अंत में गिरफ्तारी दी।

यह आयोजन बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के आह्वान पर राज्यभर में किया गया है। इसी क्रम में बक्सर जिला में भी युवा कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए डीएम कार्यालय का घेराव किया।

इस आक्रोश मार्च का नेतृत्व कांग्रेस के प्रदेश महासचिव पंकज उपाध्याय ने किया। किला मैदान से जुलूस की शक्ल में निकले कांग्रेसी कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अंबेडकर चौक पर जिला प्रशासन एवं पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और सरकार पर कानून व्यवस्था विफल होने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल कांग्रेसियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। स्थिति अनियंत्रित होते देख मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात अंचल अधिकारी प्रशांत शांडिल्य के निर्देश पर नगर थाना अध्यक्ष मनोज कुमार द्वारा कुछ कांग्रेस नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। हालांकि, थोड़ी देर बाद सभी को छोड़ दिया गया। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. सत्येन्द्र ओझा ने कहा कि यह प्रदर्शन राज्यव्यापी अभियान के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि हमारी स्पष्ट मांगे है कि या तो राज्य सरकार युवाओं को नौकरी दे या फिर गद्दी छोड़े। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस बिहार में व्यवस्था परिवर्तन होने तक सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। आक्रोश मार्च में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मनोज पांडेय, जिला युवा कांग्रेस प्रभारी राम सिंह चौधरी, आशुतोष त्रिपाठी, युवा कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण उपाध्याय, आलोक पासवान समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे। युवा कांग्रेस ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि अपराध नियंत्रण में विफलता जारी रही, तो आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

12 साल पुराने जर्जर तारों के सहारे हो रही है आपूर्ति, शहर में बढ़ाए गए है ट्रांसफार्मर

नकारा सिस्टम: डुमरांव में ध्वस्त हुई विद्युत आपूर्ति, भीषण गर्मी में त्राहिमाम कर रहे उपभोक्ता

- लोड का बंटवारा ठीक नहीं होने से नासूर बन गए है लोकल फाल्ट
- तीन दिन से नहीं लग रहा है पॉवर सब स्टेशन का फोन, तकनीकी खराबी का हवाला दे पल्ला झाड़ रहे अधिकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से बेपटरी हो गई है। जबकि पिछले एक महीने से जारी भीषण गर्मी व हीट वेब की स्थिति में उपभोक्ताओं को बिजली की सबसे अधिक जरूरत पड़ रही है, लेकिन दिन हो या रात उपभोक्ताओं को किश्तों में बिजली मिल रही है। जबकि, कंपनी के अधिकारी कभी लोकल फाल्ट तो कभी लोड शेडिंग का हवाला दे, जिम्मेवारी से मुंह मोड़ ले रहे है। ऐसे में उपभोक्ताओं के एसी, कूलर जैसे उपकरण शोभा की वस्तु मात्र बनकर रह गए है। दिन हो या रात लोकल फाल्ट के दंश में लोगों को भीषण गर्मी में बेहाल होना पड़ रहा है। यह हाल शहरी क्षेत्र का है। इससे ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

वह भी तब जब बिजली को विभाग और बोर्ड के बाद कंपनी में तब्दील कर दिया गया है। ताकी, लोगों को निर्बाध गति से बिजली मिल सकें। बिजली को निजी हाथों में सौंपने के पीछे राज्य सरकार का तर्क था कि इससे आपूर्ति दुरूस्त होगी तथा उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली आपूर्ति मिलेगी, लेकिन सरकार का यह प्रयास भी उपभोक्ताओं को राहत देने के बजाए उनकी परेशानी को बढ़ा दिया है। शहर हो या गांव इस भीषण गर्मी में हर थोड़ी देर पर बिजली कटौती से लोगों के दिन का चैन व रात की नींद गायब हो गई है। जिससे कंपनी के प्रति लोगों का आक्रोश बढ़ते जा रहा है।

उपभोक्ताओं पर जबरन थोपा गया स्मार्ट मीटर, सुविधाएं नहीं हुई स्मार्ट: डुमरांव में पिछले एक महीने से विद्युत आपूर्ति इस कदर चरमरा गई है कि बिजली आ कम और जा अधिक रही है। जिससे उपभोक्ता ठगा महसूस कर रहे है। उपभोक्ताओं का कहना है कि एक तरफ उन्हें निर्बाध गति से बिजली देने के नाम पर ही कंपनी द्वारा उनपर जबरन स्मार्ट मीटर थोपा गया, जिसका समय से रिचार्ज नहीं कराने पर बिजली कट जा रही है, लेकिन कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को सुविधाएं स्मार्ट नहीं दी जा रही है। हल्की बारिश या हवा चलने पर आपूर्ति ठप होने की दशकों पुरानी समस्या आज भी कायम है। इधर स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद तापमान बढ़ने पर भी बिजली कट जा रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि वे महंगे दर पर बिजली खरीद है, बावजूद उन्हें निर्बाध गति से बिजली नहीं मिल पा रही है।

12 वर्ष पुराने जर्जर तारों पर टिकी है शहर की विद्युत आपूर्ति: बता दें कि शहर में जिस कवर वाले 'एबीसी' (एरियल बंच केबल) तारों के सहारे आपूर्ति दी जा रही है वह 12 वर्ष पूर्व लगाए गए थे। केबल के अलावे ट्रांसफार्मरों पर लगे स्वीच भी खराब पड़े है। आलम यह है कि केबल का कवर पूरी तरह से जर्जर हो टूट चुका है, जिस कारण शर्ट सर्किट या केबल जलने की घटनाएं बढ़ गई है। जिससे बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसके अलावे पीएसएस का एबी स्वीच भी खराब है, जिसे बदलने में उदासीनता बरती जा रही है। इन कारणों से शहर में विद्युत आपूर्ति चरमरा गई है।

विभागीय जानकारों का कहना है कि पॉवर सब स्टेशन में 10-10 एमवीए का मात्र दो पॉवर ट्रांसफार्मर है, एक और पॉवर ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है। वहीं, कई अन्य उपकरण भी जर्जर हो चुके है, जिसके मरम्मत या उसे बदलने के प्रति अधिकारी उदासीन बने हुए है।

तीन दिन से बंद आ रहा है पीएसएस का मोबाईल नंबर: एक तरफ शहर में बिजली के लिए त्राहिमाम मची है तो दूसरी तरफ पूरे शहर में बिजली आपूर्ति की कंट्रोलिंग जिस पीएसएस से हो रही है, उसका एकमात्र सरकारी नंबर पिछले तीन दिनों स्वीच ऑफ बता रहा है। पूछने पर सहायक अभियंता राकेश कुमार दूबे ने बताया कि उसमें तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसे दूर कर लिया गया है। बावजूद गुरूवार को भी कई बार संपर्क करने पर पीएसएस के सरकारी नंबर 7763814652 पर संपर्क नहीं किया जा सका। जबकि, अधिकारियों का फोन भी जल्दी रिसीव नहीं होता है।

ऐसे में यदि शहर में कही बिजली से दुर्घटना होती है तो आपूर्ति बंद कराने के लिए लोगों को पीएसएस कार्यालय जाने के शिवा कोई दूसरा विकल्प भी नहीं बचा है। यह भी दिलचस्प है कि निजी कंपनी होने तथा शहर में स्मार्ट मीटर थोपे जाने के बावजूद साउथ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड कंपनी, डुमरांव का पीएसएस खुद स्मार्ट नहीं हो सका है, बल्कि वर्षों पुराने एक कीपैड वाले मोबाईल से ही पूरे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व संचालन पर नजर रखी जा रही है। जिससे कंपनी के कार्यशैली का सहज अनुमान लगाया जा सकता है।

दोपहर से ही गायब थी आपूर्ति, पूरे दिन लोग परेशान

डुमरांव। गुरूवार को दोपहर से ही शहर की विद्युत आपूर्ति गायब थी। इस दौरान बीच-बीच में महज पांच से 10 मिनट के लिए बिजली आ भी रही थी तो फिर कट जा रही थी।

दूसरी तरफ गुरूवार को मौसम काफी तल्ख था। हीट वेब के कारण तापमान काफी उपर पहुंच गया था। आलम यह था कि सुबह के आठ बजे के बाद घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था। इधर दोपहर से शहर में लोकल फाल्ट का जो दौर शुरू हुआ व देर शाम तक जारी रहा। रात आठ बजे तक बिजली के दर्शन नहीं हुए थे। जिस कारण लोगों में गहरा आक्रोश था।

शहर के चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता व रेडक्रास के सचिव शत्रुघ्न प्रसाद उर्फ मोहनजी, युवा नेता दीपक यादव, जदयू नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, भाजपा के जिला प्रवक्ता शक्ति राय, जदयू नेता शोहराब कुरैशी आदि ने शहर की लचर विद्युत आपूर्ति पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है और कहा कि जल्दी ही इसके लिए आंदोलन किया जाएगा। लोगों ने कहा कि बिजली कंपनी के अधिकारी लापरवाह हो गए है, जिस कारण अक्सर बिजली आपूर्ति का दंश झेलना पड़ रहा है।

समस्या के समाधान का किया जा रहा है प्रयास

"जर्जर तारों को बदलने के लिए कंपनी को पूर्व में ही डिमांड की गई है। वर्तमान में जर्जर तारों के कारण ही लोकल फॉल्ट बढ़े है, जिससे आपूर्ति बाधित हो रही है। समस्या के समाधान का प्रयास किया जा रहा है। जल्दी ही आपूर्ति दुरूस्त कर ली जाएगी। फिलहाल पीएसएस में पर्याप्त पॉवर ट्रांसफार्मर है। एग्रीकल्चर फीडर चालू होने के बाद पांच एमवीए के एक पॉवर ट्रांसफार्मर की आवश्यकता पड़ेगी, जिसकी डिमांड की गई है।

- राकेश कुमार दूबे, सहायक विद्युत अभियंता, डुमरांव

एक नजर

बाल श्रमिक पाए जाने पर दोषी नियोजकों पर की जाएगी कठोर कार्रवाई : जिलाधिकारी

बक्सर। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर गुरुवार को संयुक्त श्रम भवन में श्रम संसाधन कार्यालय द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने किया। इस दौरान श्रम अधीक्षक बक्सर ने कार्यशाला में बाल श्रमिक पर प्रतिबंध से सभी उपस्थितियों को अवगत कराया गया। बाल श्रम कराना दंडनीय प्रावधान है। पकड़े जाने पर नियोजक (कार्य करवाने वाले को) को 20,000 रुपये से रु० 50,000 रुपये तक का जुमार्ना एवं 6 माह से 2 वर्ष तक की सजा अथवा दोनों हो सकता है। अपराध पुनरावृत्ति करने पर एक वर्ष से तीन वर्षों तक का कारावास हो सकता है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार दोषी नियोजकों के द्वारा 20,000 रुपये बाल पुनर्वास सह कल्याण कोष में देय होगा, अन्यथा सर्टिफिकेट केस दायर कर यह रकम वसूली जायेगी। बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम 1986 के अंतर्गत विमुक्त किशोर श्रमिकों को मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से 25000 रुपये का आर्थिक पुनर्वास किया जाएगा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में बताया कि किसी भी प्रतिष्ठान पर बाल श्रमिक पाए जाते हैं, तो दोषी नियोजकों पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। कार्यक्रम में जिले के सभी पंचायतों के श्रमिक उपस्थित थे। इसके साथ साथ सभी श्रमिकों को श्रम विभाग अंतर्गत संचालित सरकार की महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी योजनाओं यथा बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। श्रम संसाधन विभाग एवं जिला पदाधिकारी महोदय के निर्देश पर समय समय पर बाल श्रम नियोजकों के विरुद्ध छापेमारी कर नियोजकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाती है।

सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के लिए भूमिहीनों को मिला बासगीत पर्चा, खुशी से झूमे लाभुक

राजपुर। प्रखंड के विभिन्न गांवों में वर्षों से रैयत की जमीन पर बसे भूमिहीन परिवारों को सरकार द्वारा बासगीत परचा प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को अंचलाधिकारी (सीओ) डॉ. शोभा कुमारी ने चयनित लाभुकों को बासगीत परचा सौंपा। डॉ. शोभा कुमारी ने बताया कि लाभुकों का भौतिक सत्यापन करने के बाद उन्हें यह पर्चा दिया गया है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य भूमिहीनों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना है ताकि वे बिना किसी भय के अपने घरों में रह सकें। इस बार जिन लोगों को परचा दिया गया, उनमें समहुता गांव के संतोष राम, रिंकू देवी, गुड्डू कुमार सहित चार लाभुक शामिल हैं। परचा प्राप्त करने के बाद सभी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब वे बिना डर के अपनी जमीन पर रह सकेंगे। उन्होंने सरकार के इस कदम की सराहना की। सीओ ने बताया कि यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। राजस्व विभाग की टीम गांव-गांव जाकर भूमिहीनों की पहचान कर रही है ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल सके। इस अवसर पर राजस्व पदाधिकारी रूपा कुमारी, शिवशंकर प्रसाद समेत कई अन्य अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

अमृत भारत योजना के तहत निर्माणधीन डुमरांव स्टेशन का डीआरएम ने किया निरीक्षण

डुमरांव। दानापुर रेलमंडल के डीआरएम जयंत चौधरी ने गुरुवार को डुमरांव रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन प्रबंधक अविनाश चंद्रा से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी ली। मौके पर स्टेशन मास्टर अविनाश कुमार ने विभिन्न तकनीकी और जानकारियों से डीआरएम को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि डुमरांव स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए 17.1 करोड़ रुपये की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना का कार्य प्रगति पर है। इस योजना के तहत स्टेशन को न केवल आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है, बल्कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। डीआरएम जयंत चौधरी ने प्लेटफॉर्म, पैनल रूम, वेटिंग रूम, टिकट काउंटर, सकुर्लेटिंग एरिया समेत अन्य महत्वपूर्ण हिस्सों का भी बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। योजना की लेट लतीफी पर उन्होंने ध्यान देते हुए जल्द से जल्द कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही डीआरएम ने स्टेशन परिसर में पीने के पानी की व्यवस्था, शौचालयों की सफाई प्रतीक्षालय की स्थिति और अन्य व्यवस्थाओं की भी पड़ताल की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्टेशन को स्वच्छ, सुरक्षित और यात्री अनुकूल बनाने में कोई कोताही न बरती जाए। डीआरएम ने स्टेशन पर मौजूद कर्मचारियों का हौसला भी बढ़ाया और यात्रियों की सुविधा से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने की बात कही।

विवाद पर लगा विराम: दो नालियों को बनाने का मिला एनओसी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद द्वारा नगर के दो प्रमुख मार्गों पर बिना पथ निर्माण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिए नाला निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था। इनमें पूर्वी रेलवे गुमटी से डीके कॉलेज होते हुए फोर लेन सड़क तक और पश्चिम गुमटी से एसडीएम आवास होते हुए मुख्य सड़क तक नाली निर्माण शामिल था। इस पर पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता ने आपत्ति जताते हुए नगर परिषद के ईओ को पत्र लिखकर निर्माण कार्य के लिए पहले एनओसी लेने का निर्देश दिया।

निर्देश के आलोक में नगर परिषद द्वारा पथ निर्माण विभाग को अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए औपचारिक पत्र प्रेषित किया गया। विभागीय प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता ने दोनों परियोजनाओं के लिए विधिवत एनओसी जारी कर दिया है। अब दोनों नाली निर्माण कार्यों को विभागीय अनुमति मिलने के बाद बिना किसी अड़चन के पूरा कराया जा सकेगा। वहीं दूसरी ओर, पुराना भोजपुर-सिमरी मार्ग पर बन रहे नाले के निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है।

इसका कारण यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने प्रगति यात्रा के दौरान भोजपुर-सिमरी मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण की योजना को स्वीकृति दे दी थी। इस योजना का टेंडर प्रक्रिया फिलहाल अंतिम चरण में है और कार्य जल्द शुरू होने की संभावना है। इस कारण पथ निर्माण विभाग ने निर्देश जारी कर उक्त मार्ग पर किसी प्रकार का अन्य निर्माण कार्य न करने को कहा है, ताकि प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण योजना में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। अधिकारियों के अनुसार, चौड़ीकरण कार्य पूरा होने के बाद आवश्यकतानुसार नाला निर्माण की योजना बनाई जाएगी।

स्वच्छता को बढ़ावा: सामुदायिक शौचलयों पर रखे जाएंगे कर्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर परिषद भी अपनी सक्रीयता काफी निभा रहा है। इस मिशन को नगर में लागू करने के लिये साफ-सफाई के मामले में 90 लाख प्रतिमाह खर्च करते हुए एनजीओ को बहाल किया गया है। हलांकि एनजीओ के कार्य प्रणाली से नगरवासी काफी नाराज हैं। फिर 27 सामुदायिक व सार्वजनिक सुलभ शौचालयों का निर्माण कराया गया है। इन शौचालयों की स्थिति यह है कि बहुतों में ताले लटके हुए हैं और जो चालू हैं, उसकी समुचित सफाई व्यवस्था नहीं होने से लोग उसका उपयोग करने से कतराते हैं। इन सभी कारणों को देखते हुए नए ईओ ने हर शौचालय पर कर्मी तैनात करने का फैसला लिया है।

मालूम हो कि नगर में जो दो तहर के सुलभ शौचालयों का निर्माण किया गया है, उसमें 19 सार्वजनिक शौचालय और 8 सामुदायिक शौचालय हैं। नागरिकों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर परिषद ने अब एक नई रणनीति बनाई है। ईओ मनीष कुमार ने बताया कि सभी सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों पर एक-एक जिम्मेदार कर्मी की तैनाती की जाएगी। यह कर्मचारी शौचालयों की नियमित सफाई, पानी की उपलब्धता, सैनिटेशन, बिजली एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की निगरानी करेंगे।

ईओ ने कहा कि पूर्व में शौचालयों की खराब स्थिति स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर की रैंकिंग को प्रभावित करती थी। कई बार लोगों ने गंदगी, दुर्गंध, पानी की कमी तथा साफ-सफाई के अभाव को लेकर शिकायतें भी की थीं। लेकिन अब इस योजना के तहत शौचालयों की नियमित मॉनिटरिंग होगी और किसी भी प्रकार की समस्या की जानकारी तत्काल नगर परिषद को दी जाएगी। नगर परिषद की यह पहल केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों की गरिमा एवं स्वास्थ्य से भी जुड़ी हुई है। सामुदायिक शौचालय गरीब एवं झुग्गी बस्तियों में रहने वाले उन परिवारों के लिए महत्वपूर्ण हैं जिनके पास अपने घर में शौचालय की सुविधा नहीं है। ऐसे में नगर परिषद द्वारा उनकी देखरेख की जिम्मेदारी तय करना एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। ईओ मनीष कुमार ने अपील की कि शहरवासी भी इस मुहिम में सहयोग करें और शौचालयों की सफाई बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं। नगर परिषद द्वारा जल्द ही इस कार्य योजना को लागू किया जाएगा।

अंचल कर्मियों को चार माह से नहीं मिला वेतन

बक्सर। चौसा अंचल के पदाधिकारी व कर्मचारी बीते चार महीनों से वेतन से वंचित हैं, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण कर्मियों को अपने घर चलाने, बच्चों की पढ़ाई, इलाज एवं अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में दिक्कत हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार चौसा अंचल कार्यालय में कार्यरत राजस्व कर्मचारी, लिपिक, अनुसेवक, कम्प्यूटर कर्मी सहित कई पदाधिकारी मार्च माह से वेतन की बाट जोह रहे हैं। इस संबंध में वरीय अधिकारियों से लिखित और मौखिक शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

प्रदेश टीम के दो लोग राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट टीम में शामिल

केटी न्यूज/डुमरांव

राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के जिलाध्यक्ष संतोष दुबे ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के नवगठित प्रदेश टीम बक्सर जिला से दो लोगों को राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के प्रदेश टीम में पदाधिकारी बनाया गया है। बक्सर जिला भाजपा की पूर्व जिला अध्यक्ष अधिवक्ता माधुरी कुंवर को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी मिला है, वहीं संतोष दुबे को प्रदेश संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

नव मनोनीत प्रदेश उपाध्यक्ष माधुरी कुंवर प्रदेश संगठन मंत्री संतोष दुबे ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के प्रदेश पदाधिकारी के रूप में हमें जिम्मेवारी दी गई है। राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के राष्ट्रीय संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. इंद्रेश, राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी, राष्ट्रीय संयोजक ममता सहगल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री कृष्ण मुरारी, प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा व प्रदेश संयोजक संजय राय के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, विश्वास दिलाया कि राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के संगठन आत्मक कार्यों को गांव-गांव ले जाने का कार्य करेंगे। संगठन की मजबूती के लिए हर संभव निरंतर प्रयास परिश्रम करते रहेंगे। राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट को प्रदेश से लेकर पंचायत स्तर तक मजबूत करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर आयोजित हुआ शपथ कार्यक्रम

बाल श्रम उन्मूलन का पुलिसकर्मियों ने लिया संकल्प

- डुमरांव एसडीपीओ ने पुलिस कर्मियों को दिलाई शपथ

केटी न्यूज/डुमरांव

अब पुलिस बाल श्रम उल्लंघन के मामलों को रोकेगी, इसके लिए गुरूवार को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में अनुमंडल के सभी थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा पुलिसकर्मियों को बाल श्रम रोकने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दिलवाया गया।

इसके तहत पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि वे समाज से बाल श्रम जैसी अमानवीय और शोषणकारी प्रथा को समाप्त करने के लिए सतत प्रयासरत रहेंगे। पुलिसकर्मियों ने यह भी कहा कि वे समाज के विभिन्न वर्गों को इस गंभीर समस्या के प्रति जागरूक करेंगे और बच्चों को शिक्षित एवं सुरक्षित भविष्य देने में हरसंभव सहयोग करेंगे। यह संकल्प उन्हें एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने दिलवाया।

देश के भविष्य के साथ अन्याय है बाल श्रम: एसडीपीओ ने अपने संबोधन में कहा कि आज समाज में बाल श्रम धड़ल्ले से जारी है। इसके लिए समाज के लोगों को भी आगे आकर पुलिस प्रशासन का सहयोग करना होगा, तभी इस सामाजिक बुराई पर को समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एक तरफ आरटीई के तहत 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा देने का प्रावधान किया गया है तो दूसरी तरफ गरीबी व कई अन्य कारणों से बचपन में ही कई बच्चे पढ़ाई छोड़ मजदूरी व काम धंधे में लग जा रहे है, जो देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

एसडीपीओ ने पुलिसकर्मियों से कहा कि यदि उन्हें गश्ती या निरीक्षण के दौरान यदि किसी भी प्रतिष्ठान या अन्य जगहों पर नाबालिग बच्चे काम करते हुए दिखे तो उन्हे रेस्क्यू करें तथा संबंधित विभाग को इसकी सूचना दी। एसडीपीओ ने पुलिसकर्मियों को चाइल्ड लाइन व सीडब्लूसी के कार्यों से अवगत कराया तथा कहा कि बाल श्रम उन्मूलन के लिए प्रशासनिक स्तर पर धावा दल का गठन किया गया है, लेकिन सामाजिक सहयोग के बिना लक्ष्यों को पूरा करना आसान नहीं है।

गर्भवती महिलाओं में एचआईवी के साथ हेपेटाइटिस की अनिवार्य रूप से हो जांच : ज्वाइंट डायरेक्टर

♦ राष्ट्रीय स्तर से आई एनसीवीबीडीसी की पांच सदस्यीय टीम ने जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में की सेवाओं और सुविधाओं की हुई जांच

केटी न्यूज/आरा

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए गुरुवार को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) व राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) की छह सदस्यीय टीम ने जिले के स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण किया। इस क्रम में टीम के सदस्यों ने सर्वप्रथम कोईलवर प्रखंड अंतर्गत मेंटल हॉस्पिटल व धनडीहा पंचायत के स्थानीय गांव स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निरीक्षण किया। तत्पश्चात सदर अस्पताल और बिहिया सीएचसी का टीम ने दौरा किया।

टीम में एनवीएचसीपी के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. गोविंद बंसल व डॉ. प्रीति मदन, एनसीवीबीडीसी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. मनप्रीत सिंह, एनसीवीबीडीसी की रिसर्च अस्सिटेंट शैफाली शर्मा, एनसीवीबीडीसी के मलेरिया इंस्पेक्टर जुगल किशोर, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिरक्षा विभाग

के राज्य प्रोग्राम पदाधिकारी डॉ राम रतन कुमार व बिहार राज्य आशा के टीम लीडर प्रणय कुमार शामिल रहे इस क्रम में बिहार राज्य मानसिक स्वास्थ्य और संबद्ध विज्ञान संस्थान के निरीक्षण के दौरान टीम के सदस्यों ने अस्पताल में मिलने सुविधाओं व सेवाओं की बारीकियों से जांच की। साथ ही, इलाज के लिए अस्पताल में आए मरीजों के परिजनों से भी बातचीत की। इसके बाद टीम के सदस्यों ने धनडीहा पंचायत स्थित एचडब्ल्यूसी का निरीक्षण किया। जहां पर एनवीएचसीपी के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. प्रीति मदन व एनसीवीबीडीसी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. मनप्रीत सिंह के नेतृत्व में टीम ने एचडब्ल्यूसी पर मिलने वाली सेवाओं, सुविधाओं और दवाओं के साथ साथ अन्य कार्यक्रमों के संचालन की गहनता से जायजा लिया।

हर गर्भवती महिलाओं को जरूरी टीका लगाएं : ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. प्रीति मदन ने एचडब्ल्यूसी की सीएचओ प्रियंका कुमारी से कार्यक्रमों व अन्य सेवाओं के संबंध में विस्तृत पूछताछ की। इस क्रम में ज्वाइंट डायरेक्टर ने सीएचओ से कहा कि एएनसी के लिए आने वाली सभी गर्भवती महिलाओं में एचआईवी के साथ साथ अनिवार्य रूप से हेपेटाइटिस की भी जांच करें। जांच के साथ साथ पंचायत की हर गर्भवती महिला को हेपेटाइटिस का वैक्सीन भी अनिवार्य रूप से लगाया जाए। ताकि, उनके बच्चों को भविष्य में इसके खतरे से बचाया जा सके। साथ ही, हमेशा इस बात का ख्याल रखें कि यदि आज हर गर्भवती महिलाओं को जरूरी टीका लगाएं। इससे न हम आने वाली पीढ़ियों को बीमारियों के खतरों से बचा सकते है, बल्कि हम स्वास्थ्य विभाग पर आने वाले दबाव को भी कम कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने एचडब्ल्यूसी पर आए उच्च रक्तचाप व फाइलेरिया के मरीजों से वार्ता कर मिलने वाली सुविधाओं का फीड बैक लिया। वहीं, उन्होंने मरीज बनकर स्वास्थ्य केंद्र पर अपनी आभा आई-डी बनवाते हुए मरीज के इलाज व परीक्षण की प्रक्रिया का जायजा लिया।

आशा कार्यकताओं को नियमित दें प्रशिक्षण

धनडीहा एचडब्ल्यूसी में निरीक्षण के दौरान एनसीवीबीडीसी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. मनप्रीत सिंह ने मरीजों को दी जाने वाली दवाओं और अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस क्रम में उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की ओर से एचडब्ल्यूसी को उपलब्ध कराई जाने वाली दवाओं के लिस्ट के अनुसार वहां उपलब्ध दवाओं का स्टॉक भी देखा। उन्होंने कहा कि जिन दवाओं की एक्सपायरी डेट नजदीक हो उनको अन्य दवाओं से अलग रखें। इसके लिए एक अलग रेक बनवा लें। ताकि, एक्सपायरी दवाओं की मॉनिटरिंग आसान हो सके। वहीं, आशा कार्यकताओं से पूछताछ के बाद उनके कार्यों की जानकारी ली। इस क्रम में उन्होंने वहां मौजूद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. उमेश कुमार सिंह को नियमित रूप से आशा कार्यकताओं को प्रशिक्षित करने पर जोर दिया। साथ ही, डॉ. मनप्रीत ने पंचायत में मलेरिया, फाइलेरिया व अन्य वेक्टर जनित रोगों के संबंध में भी पूछताछ की। इसमें सीएचओ ने बताया कि एचडब्ल्यूसी स्तर पर रोगी हितधारक मंच का गठन किया गया है। इसके माध्यम से फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के साथ साथ अन्य कार्यक्रमों के तहत लोगों को जागरूक करते हुए मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती है।

रोहतास जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र के मौना मदरसा के समीप हुआ घटना

शादी के एक सप्ताह बाद सड़क हादसे में युवक की मौत, घर में पसरा मातम

♦ घटना से गुस्साएं ग्रामीणों ने किया सड़क जाम, पुलिस के बीच-बचाव के बाद शांत हुए लोग

केटी न्यूज/नासरीगंज

रोहतास जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र के मौना मदरसा के समीप तेज रफ्तार में मौना बाजार की तरफ से आ रहे बालू लदे हाइवा के चकमा से बाइक और स्कूटी की आपस में जोरदार टक्कर हो गई। इसमें स्कूटी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक राजपुर थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव निवासी राम दारोगा तिवारी के 22 वर्षीय पुत्र दीपक तिवारी उर्फ दीपू बताया जाता है। दीपक अपने माता पिता का इकलौता पुत्र था। विगत 5 जून को जिसकी शादी हुई थी। वहीं, स्कूटी पर सवार दीपक का 10 वर्षीय भगिना था, जो सुरक्षित है। जबकि बाइक चालक नासरीगंज थाना क्षेत्र के पडुरी गांव निवासी लक्ष्मण साह का करीब 28 वर्षीय पुत्र टिंसु कुमार बताया जाता है। उसका पैर टूट गया है। उसे बनारस रेफर किया गया है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि धुस की तरफ से तेज रफ्तार में अनियंत्रित हाइवा के चकमा से बाइक और स्कूटी में जोरदार टक्कर हो गई। दोनों का टकराव इतना भयावह था कि स्कूटी और बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रामीणों व पुलिस की मदद से निजी वाहन से स्कूटी सवार गंभीर रूप घायल युवक को सासाराम अस्पताल भेजा गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दीपू पिपरडीह गांव अपने मौसी को पहुंचाने आया था। मौसी को पहुंचाकर वह वापस अपने भगिना के साथ स्कूटी से घर लौट रहा था। घटना से गुस्साये ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी। सूचना पर पहुंचे राजपुर थानाध्यक्ष शशिभूषण कुमार, नासरीगंज थाना के एसआइ सुबोध कुमार व एएसआइ अंजय कुमार सिंह ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक और स्कूटी को थाना परिसर में लगा दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, मृतक की शादी काराकाट थाना क्षेत्र के भोपतपुर गांव निवासी अनिल पांडेय की पुत्री खुशी कुमारी के साथ पांच जून को हुई थी। घटना के बाद मृतक के परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है।

सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौत

डेहरी। गुरुवार की सुबह जक्खी बिगहा पुल पर तेज रफ्तार से जा रहे अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल चालक को रौंद डाला। जिससे व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ओपी प्रभारी अंजनी कुमार ने बताया कि डेहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गोडईला गांव निवासी मदन दूबे के बड़े पुत्र परशुराम दुबे उर्फ मेजर दुबे 53 वर्ष राष्ट्रीय राजमार्ग के रास्ते अपने बाइक से डेहरी से बारुण की तरफ जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार से पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया जिससे परशुराम दुबे गाड़ी के नीचे आ गए और उनकी मौत हो गई। वहीं अज्ञात वाहन भागने में सफल रहा। घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि मृतक के आक्रोशित परिजनों ने मुआवजे की मांग को ले राजमार्ग को लगभग 2 घंटे तक जाम रखा। इसके बाद घटनास्थल पर पहुंचे अंचलाधिकारी संजय कुमार महतो के आश्वासन के बाद मृतक के परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम कराने को तैयार हुए। वही राजमार्ग पर जाम के कारण 6 किलोमीटर से अधिक ट्रैकों की लंबी कतार लग गई। बता दे कि मृतक परशुराम दुबे एलआईसी एजेंट थे।

मानिक परासी : पैक्स चुनाव में मतदाताओं में दिखा वोट देने का उत्साह

काराकाट। काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मानिक परासी पंचायत में गुरुवार को हुए पैक्स चुनाव के दौरान मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ हुई,जो शांतिपूर्ण ढंग से शाम 4:30 बजे तक चली। मतदान केंद्र राजकीय मध्य विद्यालय मानिक परासी में चार बूथ बनाए गए थे, जहां कुल 2263 मतदाताओं में 1640 पुरुष व 623 महिला मतदाता शामिल हैं । इस चुनावी मैदान में दो बार पैक्स अध्यक्ष रह चुके अनिल प्रसाद एक बार फिर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं उनके प्रतिद्वंदी अरविंद कुमार तिवारी जो पूर्व में दो बार चुनाव हार चुके हैं,तीसरी बार मैदान में डटे हुए हैं। चुनावी मुकाबला रोचक होने के कारण मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया । गर्मी और चिलचिलाती धूप के बावजूद मतदाताओं का जोश कम नहीं हुआ। जो 90 वर्षीय वृद्ध बुधन राम ऑटो से अपने बेटे के साथ मतदान केंद्र पहुंचे। उन्होंने कहा कि मतदान करना हमारा परम कर्तव्य है और उन्होंने अपने मत का प्रयोग विकास व किसानों के हित में किया है।

श्रीसीता राम ज्ञान महायज्ञ पर निकली भव्य जलभरी शोभायात्रा

केटी न्यूज/सासाराम

काराकाट प्रखंड क्षेत्र के तेनुआ में आयोजित श्रीसीताराम नाम नौ दिवसीय ज्ञान महायज्ञ की जलभरी शोभायात्रा गुरुवार को निकाली गई । गाजे बाजे के साथ तेनुआ स्थित यज्ञ मंडप से परम तपस्वी पवन दास महाराज के सानिध्य में निकली जलभरी शोभायात्रा बहुआरा काली मंदिर, गोड़ारी, बुढवल हनुमान मंदिर होते हुए देनरी काली स्थान छठ घाट पर पहुंची । जहां विधि विधान और मंत्रोचारण के साथ श्रद्धालु कलश में जलभर कर पुनः यज्ञ मंडप में पहुंचे । जलभरी शोभायात्रा में शामिल सैकड़ो महिला व पुरुष श्रद्धालु जयघोष करते चल रहे थे । कड़ी धूप में नंगे पाव चल रहे श्रद्धालुओं ने साबित कर दिया कि आस्था के सामने सभी कठिनाई छोटी हो जाती है। यज्ञ मंडप पहुचने पर यज्ञ समिति के लोगों ने लोगों को जल पीला कर सेवा किया । यज्ञ समिति के लोगों ने बताया कि जलभरी अनुष्ठान के बाद महाराज द्वारा कलश स्थापना कराया गया । शुक्रवार को पंचांग पूजन के साथ यज्ञ प्रारम्भ हो जाएगा। गुरुवार को पूर्णहुति के साथ यज्ञ संपन्न हो जाएगा। उसी दिन भव्य भंडारा का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें तेनुआ सहित आसपास के गांव के हजारों लोग शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करेंगे। वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक सुरक्षा के इंतजाम किए गए है। जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

करनामेपुर में जमीन के विवाद में बाप व बेटा समेत चार को पीटा

केटी न्यूज/आरा

बड़हरा प्रखंड के करनामेपुर थाना क्षेत्र के मरचइया के डेरा गांव में जमीन के विवाद में बाप-बेटा समेत चार लोगों की जमकर पिटाई कर दी गयी, जिससे सभी गंभीर रूप से जख्मी हो गये। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल से सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार घायलों में कारनामेपुर थाना क्षेत्र के मरचइया के डेरा गांव निवासी श्रीयादव व उनके तीन पुत्र कृष्णा यादव, रामजी यादव एवं सरोज यादव शामिल हैं। इधर, रामजी यादव ने बताया कि 10 वर्ष पूर्व ही उनके पट्टीदार शिवाजीत यादव के बीच जमीन का बंटवारा पंच के द्वारा किया जा चुका है। इसी वर्ष जनवरी माह में शिवाजीत यादव उन लोगों के घर में घुसकर मारपीट की थी। इस मामले में शिवाजीत यादव के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज करायी गयी थी, जिसको लेकर उन लोगों के बीच विवाद चला आ रहा है। उक्त पट्टीदार द्वारा अपने हिस्से की जमीन पर घर बना बनवा दिया गया है, लेकिन जब रामजी यादव अपने हिस्से की जमीन पर घर बना रहा था, तभी उक्त पट्टीदार कहने लगा कि इतना जमीन छोड़कर घर बनाना। क्योंकि यहां तक मेरी जमीन है। इसे लेकर उन लोगों द्वारा गुरुवार की पंचायत बुलाया गया। तभी शिवाजीत यादव पंचायत जे लोगो पर ही भड़क उठा और हाथापाई शुरू कर दी। वे लोग बचाव करने गये थे. शिवाजीत यादव और उसके परिवार के अन्य लोगों ने मिलकर सभी लोगों की लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी। वहीं दोनों पक्ष ने पुलिस को आवेदन दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बातया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। उसके आलोक में जांच की जा रही है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

बेरोजगारी के विरुद्ध भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी ने किया विरोध प्रदर्शन

केटी न्यूज/आरा

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेशानुसार भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम की अध्यक्षता में नियोजनालय केंद्र, कृषि भवन, आरा पर देश में बढ़ती बेरोजगारी, पलायन, प्रशासनिक विफलता एवं तानाशाही को लेकर डबल इंजन की सरकार के खिलाफ एक जोरदार विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। संचालन जिले के वरिष्ठ नेता सत्यप्रकाश राय एवं धन्यवाद ज्ञापन पूर्व भोजपुर जिला एनएसयूआई के अध्यक्ष अभिषेक द्विवेदी ने किया। विरोध प्रदर्शन को भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम ने संबोधित करते हुए बताया कि आज देश का युवा हताश और निराश है। बेरोजगारी की यह सुनामी मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों का सीधा परिणाम है। हम भोजपुर की धरती से ऐलान करते हैं कि जब तक देश के हर हाथ को काम और हर घर को सम्मान नहीं मिलेगा, तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। यह लड़ाई सिर्फ रोजगार की नहीं, यह लड़ाई देश के संविधान, लोकतंत्र और नौजवानों के भविष्य की है। कांग्रेस पार्टी अब और चुप नहीं बैठ सकती है, अब हम सड़कों पर उतरेंगे, और इस निकम्मी और झूठी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे।पूर्व विधान पार्षद डॉ. अजय कुमार सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के युवाओं के सपनों को बेरोजगारी की आग में झोंका जा रहा है। हर साल लाखों डिग्रियां राबड़ी की तरह बांटी जा रही हैं।

प्रधानमंत्री जो सोचते हैं और जो कहते हैं, उसे पूरा कर ही दम लेते हैं : विधायक

मोदी सरकार : 11 वर्ष का कार्यकाल रहा बेमिसाल

♦ देश के इतिहास में मोदी सरकार का यह कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जाएगा

केटी न्यूज/आरा

भाजपा ने स्थानीय आरा परिसदन सभागार में केन्द्र मे मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरा होने पर संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेस वार्ता का आयोजन हुआ। प्रेस वार्ता के विषय और अतिथियों का परिचय कराते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने 11 साल के काल को स्वर्णिम काल बताया। मुख्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक ने कहा कि देश के इतिहास में मोदी सरकार का यह कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरो से लिखा जाएगा।यह कार्यकाल विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का स्वर्णिम काल बन रहा है। इन 11 सालों में किसान, महिला, युवा और गरीब सहित सभी वर्गो के आर्थिक सुधार हुआ है। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवर करने वाला देश है। किसानों के किसान निधि, गरीबों के राशन, आवास, महिलाओं को सशक्तिकरण के विभिन्न योजना और युवाओं के लिए मुद्रा योजना, स्टार्टअप, रोजगार योजना आदि बहुत सारी योजनाएं चल रही है, जो भारत की आर्थिक मजबूती प्रदान कर रहा है।वर्ष 2004-05 का बिहार का बजट 23.885 करोड़ था, जबकि एनडीए सरकार का अभी का बजट 3.17 लाख करोड़ रुपए है। यह दर्शाता है कि एनडीए काल मे बिहार के हर क्षेत्र में समृद्धि और प्रगति की नई दिशा प्रदान हो रही है। बिहार में रोजगार का सृजन हो रहा है। यहाँ सरकारी नौकरी के साथ उद्योग स्थापित भी हो रहा है। देश के साथ बिहार में भी शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य आदि सभी मे विकास हो रहा है। विकसित भारत के संकल्प को विकसित बिहार से ही पूरा किया जाएगा।

बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मैं अपने संपूर्ण जीवन में देश मे ऐसा नेतृत्व नहीं देखा। देश का प्रधानमंत्री जो सोचता है और जो कहता है,उसे पूरा कर ही दम लेता है। नरेन्द्र मोदी ने पूरे विश्व में अपना लोहा मनवाया है। अभी आंपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी आतंकवादियों को तहस नहस कर दिया। पहले हमारा देश जितना विख्यात था,उससे बहुत आगे ले जाने की सोंच नरेन्द्र मोदी को है। आज चौथी अर्थव्यवस्था बनने पर पूरा विश्व स्तब्ध है।

आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि 11 साल पहले देश का विकास का पैमाना जीडीपी होता था और आज विकास का पैमाना आत्मनिर्भर, सम्मान और अंतिम पायदान वाले व्यक्ति का विकास है। देश के प्रति व्यक्ति आय बढा है। आज देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व मे चार स्तम्भ को आधार बनाकर विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने मे लगा है। इंफ्रास्ट्रक्चर, विकास, सरकारी कामकाज को आसान बनाना और मैन्युफैक्चरिंग चार स्तम्भों के बल पर ही हम विकसित बनने की राह पर है। धन्यवाद ज्ञापन विधी प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश संयोजक तारकेश्वर ठाकुर ने किया।

सीएम ने आचार्य किशोर कुणाल की प्रतिमा का किया अनावरण

- बाल कैंसर अस्पताल का भी होगा शुभारंभ
- मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन की शुरूआत की जाएगी

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज गुरुवार को पटना के महावीर कैंसर संस्थान परिसर में स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल की 75वीं जयंती के मौके पर उनकी आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ ही महावीर कैंसर संस्थान परिसर में प्रस्तावित किशोर कुणाल धर्मशाला का भी शिलान्यास किया गया। लेकिन इसी बीच अहमदाबाद में हुए विमान दुर्घटना की खबर मिलते ही कार्यक्रम को संक्षिप्त कर दिया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल गरीबों के लिए मसीहा थे।

उनके प्रयास से गरीब कैंसर मरीजों को बेहतर और सस्ती चिकित्सा सेवा उपलब्ध हो रही है। बिहार सरकार का भी महावीर कैंसर संस्थान को लगातार सहयोग मिलता रहा है। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल एक देवदूत के रूप में दिन-रात गरीबों और धर्म के लिए कार्य करते थे। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिमा का अनावरण करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस अवसर पर ट्रस्टी सायन कुणाल ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता स्वर्गीय किशोर कुणाल का सपना गरीबों को सम्मानजनक इलाज दिलाना था। उन्होंने महावीर मंदिर, अयोध्या के राम मंदिर, पश्चिम चंपारण का विराट रामायण मंदिर, राम रसोई, सीता रसोई जैसे कई धार्मिक और सेवा कार्यों की जानकारी दी।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ एल. बी. सिंह ने बताया कि आचार्य किशोर कुणाल के विजन और प्रयास से महावीर कैंसर संस्थान गरीब मरीजों के लिए जीवनदायिनी संस्था बन चुकी है। यहां विश्वस्तरीय कैंसर इलाज न्यूनतम खर्च में उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि 25 जून से रोटरी इंटरनेशनल के सहयोग से एक मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन की शुरूआत की जाएगी, जो पूरे बिहार में जाकर कैंसर की निशुल्क जांच करेगी। साथ ही 12 दिसंबर 2026 को किशोर कुणाल बाल कैंसर अस्पताल का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान बताया गया कि इस अस्पताल में आधुनिक मशीने लगेगी। जिससे मरीजों का बेहतर इलाज हो सकेगा। उन्हें दूसरे जगह जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस समारोह में न्यायमूर्ति एस. एन. झा, अस्पताल के निदेशकगण, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, डॉक्टर, कर्मचारी और हजारों लोग उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ मनीषा सिंह ने किया।

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष बने रणवीर नंदन

पटना। रणवीर नंदन को बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद का अध्यक्ष बनाया गया है। वही हरीभूषण ठाकुर बचोल सहित कुल 10 लोगों को सदस्य बनाया गया है। विधि विभाग ने इसे लेकर अधिसूचना जारी की है। राज्यपाल के आदेश से विधि विभाग के सचिव अंजनी कुमार सिंह ने 12 जून को पत्र जारी किया है। बता दें कि दिवंगत किशोर कुणाल बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष थे। 29 दिसंबर 2024 को हार्ट अटैक से महावीर वात्सल्य अस्पताल में उनका निधन हो गया था। तब से यह पद रिक्त था। अब रणवीर नंदन को बड़ी जिम्मेदारी दी गयी है। उन्हें बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। वही 10 लोगों को न्यास बोर्ड का सदस्य बनाया गया है। बता दें कि किशोर कुणाल आईपीएस अधिकारी थे। सन 2000 में उन्हें आईपीएस अधिकारी के पद से रिटायर होने के बाद दरभंगा के केएसडी संस्कृत विश्वविद्यालय में उन्हें कुलपति नियुक्ति किया गया था। चार साल तक वो कुलपति के पद पर बने रहे लेकिन इसके बाद वो बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के प्रशासन बने। उन्हें न्यास बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था।

वाहन चेकिंग के दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने पटना अटल पथ पर दिया घटना को अंजाम

स्कॉर्पियो ने तीन पुलिसकर्मियों को रौंदा, महिला सिपाही शहीद

- धक्के से एसआई दीपक कुमार, एएसआई अवधेश और महिला सिपाही कोमल गंभीर रूप से जख्मी हो गए

केटी न्यूज/पटना

बुधवार की रात को बिहार की राजधानी पटना में रफ्तार का कहर देखने को मिला। जिसमें एक तेज रफ्तार स्कार्पियों चालक ने तीन पुलिस वालों रौंद दिया। दुघर्टना एसकेपुरी थाना क्षेत्र में अटल पथ पर वाहन चेकिंग के रात लगभग साढ़े बारह बजे के करीब हुई। पुलिस के अनुसार स्कार्पियों दीघा की तरफ से 90 किलोमीटर की रफ्तार से आ रही थी। स्कॉर्पियो के धक्के से एसआई दीपक कुमार, एएसआई अवधेश और महिला सिपाही कोमल हवा में गेंद की तरह उछलते हुए दूर गिर गए। घटना में घायल चार लोग घायल हुए। जिन्हें पास के ही अस्पताल ले जाया गया। जहां महिला सिपाही कोमल की डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कोमल कुमारी मूल रूप से बिहार के नालंदा जिला की रहने वाली थी। वहीं एसआई व एएसआई की हालत गंभीर बनी हुई है।घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि पुलिस चेकिंग कर रही है। जहानाबाद के घोषी भखरा के रहने वाले प्रिंस कुमार की स्कॉर्पियो की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार दूसरी स्कॉर्पियो ने खड़ी स्कॉर्पियो और पुलिस वालों को टक्कर मार दी। शहीद महिला सिपाही डायल 112 में तैनात थीं। रोज की तरह बुधवार को भी वे डायल 112 की टीम के साथ पुलिस चेकिंग कर रही थीं। इसी दौरान स्कॉर्पियो ने उन्हें उड़ा दिया। घटना में एक कार सवार प्रिंस कुमार पटना से अपने घर जहानाबाद के घोषी भखरा उसी दौरान पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। सूचना के बाद पटना एसएसपी अवकाश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि दो को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ करने में जुटी है। अटल पथ पर एसकेपुरी थाने के द्वारा बैरिकेडिंग कर चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार ने स्कॉर्पियो ने चेकिंग हो रहे कार में टक्कर मारी। इसके कारण कार की चेकिंग कर रहे 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके साथ जहानाबाद के प्रिंस भी घायल है। सभी का इलाज जारी है। ड्राइवर फरार है। कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की गश्ती वाहन ने दो छात्राओं को रौंदा, एक की मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के जजुआर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में पुलिस की डायल 112 की गश्ती वाहन ने दो छात्राओं को रौंद दिया। इस घटना में एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिसका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया और जमकर बवाल काटा। दोनों छात्राएं स्कूल से पढ़ाई कर लौट रही थीं और सड़क किनारे एक दुकान के पास खड़ी थीं, तभी तेज रफ्तार में आई डायल 112 की पुलिस वैन ने उन्हें कुचल दिया। मृत छात्रा की पहचान 13 वर्षीय किरण कुमारी के रूप में हुई है, जबकि घायल छात्रा 13 वर्षीय मोहजबी बानो है, जो मोहम्मद असगर की पुत्री बताई जा रही है।हादसे के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

पूर्णिया में दो लोगों की हत्या से हड़कंप

पूर्णिया। जमीन विवाद को लेकर दो गुटों के बीच खूनी झड़प हो गई। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। मृतकों की पहचान भरैली गांव निवासी पेशकार अली के पुत्र सैफउद्दीन (35 वर्ष) और शहरअली (60 वर्ष) के रूप में की गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, सैफउद्दीन ने घर के पास 15 डिसमिल जमीन खरीदी थी, जिस पर मो. मुर्सलिम ने आपत्ति जताई थी। मो. मुर्सलिम का कहना था कि घर और खेत के पास जमीन वे ही खरीद सकते हैं, और किसी को भी जमीन खरीदने की अनुमति नहीं है।

नालंदा में तेज रफ्तार का कहर: साइकिल व बाइक की टक्कर में दो किशोरों की मौत

- नगरनौसा थाना क्षेत्र के कोरारी गांव में हुआ हादसा

केटी न्यूज/नालंदा

नगरनौसा थाना क्षेत्र के कोरारी गांव में गुरुवार को तेज रफ्तार बाइक ने साइकिल सवार किशोर को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में साइकिल सवार किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दो किशोरों में से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, दूसरा किशोर गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज निजी क्लिनिक में चल रहा है।मृत साइकिल सवार की पहचान फौजदारी बिगहा गांव निवासी मनोज यादव के 15 वर्षीय पुत्र रवीश कुमार के रूप में की गई है। वह करायापशुराय से पढ़ाई कर साइकिल से घर लौट रहा था।

दूसरी ओर, मृत बाइक सवार किशोर की पहचान कोरारी गांव निवासी छोटे पासवान के बेटे विनंत कुमार के रूप में हुई है। घायल किशोर का नाम सन्नी कुमार है, जो कोरारी गांव निवासी कमलेश पासवान का पुत्र है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, विनंत कुमार तेज रफ्तार में बाइक चला रहा था। जैसे ही वह कोरारी गांव के हरेंद्र पासवान के घर के पास पहुंचा, सामने से आ रहे रवीश कुमार को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक अनियंत्रित होकर हरेंद्र पासवान के घर के शटर को तोड़ते हुए सीधे कमरे के अंदर घुस गई।हादसे में रवीश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक सवार दोनों किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को अनुमंडलीय अस्पताल हिलसा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने रवीश को मृत घोषित कर दिया। इलाज के दौरान विनंत कुमार ने भी दम तोड़ दिया। सन्नी कुमार का इलाज एक निजी क्लिनिक में चल रहा है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। नगरनौसा थाना अध्यक्ष पंकज कुमार पवन ने बताया कि हादसे में दो किशोरों की मौत हो गई है।

कोसी व पूर्णिया का कुख्यात 50 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

सहरसा। जिले की पुलिस ने कोसी और सीमांचल क्षेत्र के कुख्यात अपराधी नील सागर यादव उर्फ लील सागर यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को यह सफलता गुप्त सूचना के आधार पर मिली। जिला आसूचना इकाई और सोनवर्षा राज थाना की पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर बैजनाथपुर थाना क्षेत्र से उसे पकड़ा। उसके ऊपर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था।गिरफ्तार अपराधी सहरसा जिले के सोनवर्षा राज थाना क्षेत्र के जमहारा गांव का रहने वाला है। एसपी हिमांशु ने बताया कि नील सागर यादव पर सहरसा, पूर्णिया व मधेपुरा जिलों में कुल 37 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों में हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, विधि व्यवस्था भंग करने जैसी संगीन धाराएं शामिल हैं।

भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां कोई भी अवैध रूप से आकर बस जाए

सीमा सुरक्षा के साथ-साथ देश की सभ्यता व संस्कृति की रक्षा भी जरूरी है : राज्यपाल

- देश के प्रति नागरिकों की उदासीनता सबसे बड़ा खतरा
- घुसपैठ देश की सुरक्षा, संस्कृति और व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा

केटी न्यूज/दरभंगा

सीमा सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और छत्तीसगढ़ के राज्यपाल को दरभंगा पहुंचे। जिला मुख्यालय स्थित लहेरियासराय प्रेक्षागृह में आयोजित इस सेमिनार में दोनों राज्यपालों ने देश की सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस दौरान छत्तीसगढ़ के राज्यपाल ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि कोई भी कहीं से आए और यहाँ बस जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि घुसपैठ देश की सुरक्षा, संस्कृति और व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। डेका ने कहा कि जो लोग अवैध रूप से भारत आते हैं, वे आधार कार्ड और वोटर कार्ड बनवा कर देश के नागरिक बन जाते हैं, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा पर खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पहचान पत्र बनने से पहले प्रत्येक व्यक्ति की पूरी जांच होनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश किसी के लिए दरवाजा बंद नहीं करता, लेकिन यहां रहना है तो कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करना होगा। अन्य देशों में जब हम जाते हैं तो कई प्रकार की जांच और औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ती हैं, लेकिन हमारे देश में कई बार इस प्रक्रिया में ढिलाई हो जाती है। यह सुधार की जरूरत है।वहीं बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भी संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि सीमा की सुरक्षा के साथ-साथ देश की संस्कृति और सभ्यता की सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को भी सैनिक की तरह सजग रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब सैनिक रात भर जागते हैं, तब हम चैन की नींद सोते हैं। नागरिकों को भी अपने स्तर पर चौकसी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रति नागरिकों की उदासीनता सबसे बड़ा खतरा है।

घुसपैठ सिर्फ सीमा की चुनौती नहीं है, यह हमारी सभ्यता, संस्कृति और सामाजिक ताने-बाने के लिए भी बड़ा खतरा बन सकता है। हमें सजग रहकर न सिर्फ ऐसे लोगों पर नजर रखनी चाहिए बल्कि उनकी जानकारी प्रशासन को भी देनी चाहिए। राज्यपाल खान ने कहा कि भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं, बुद्ध दिया है। आज भी जब कुछ देश ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं, तब भारत ज्ञान और बुद्धिमत्ता से उसका उत्तर दे रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में देश के प्रधानमंत्री ने पहलगाम की आतंकी घटना का प्रभावी जवाब दिया है, जिससे यह संदेश गया है कि भारत अब किसी भी चुनौती का जवाब देने में सक्षम है। सेमिनार में यह प्रमुख बातें सामने आईं है जिनमें भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां कोई भी अवैध रूप से आकर बस जाए।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने दिए जामताड़ा कारा की सुरक्षा कड़ी करने के निर्देश

जामताड़ा, एजेंसी। जिले में मंडल कारा की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने को लेकर कारा सुरक्षा समिति की बैठक बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त रवि आनंद ने की। बैठक में उपायुक्त ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए कारा सुरक्षा से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार–विमर्श किया। बैठक में विशेष रूप से पाथरचपड़ा में प्रस्तावित नए मंडल कारा के जलापूर्ति की व्यवस्था पर चर्चा हुई। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल द्वारा प्रस्तुत किए गए प्राक्कलन में तकनीकी स्वीकृति का अभाव पाया गया, जिस पर उपायुक्त ने पेयजल स्वच्छता विभाग कार्यपालक अभियंता को आवश्यक सुधार कर संशोधित डीपीआर शीघ्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों से कहा कि कारा की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की चूक नहीं होनी चाहिए, और सभी सुरक्षा उपायों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाए। मंडल कारा की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बताया कि संसीमित बीमार बंदियों के इलाज के लिए सदर अस्पताल स्थित कैदी वार्ड का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके अलावा उन्होंने कारा परिसर में साफ–सफाई की नियमित व्यवस्था, डंप कचरे के नियमित उठाव (हर दो दिन पर) और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था को सुनिश्चित करने का निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिया। कारा की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा करते हुए सीसीटीवी कैमरा की कार्यशीलता, ड्रैगन लाइट, जैमर, टेलीफोन बूथ, वॉकी–टॉकी, सायरन, जालीनुमा बैरिकेडिंग, इलेक्ट्रिक फेंसिंग, तथा रिक्त पदों पर कक्षपालों की नियुक्ति जैसे मुद्दों पर विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कारा परिसर में सुरक्षा ऑडिट एवं औचक छापेमारी को नियमित रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

पीएम आवास योजना में धांधली, घर में बना दिया चर्च, मतांतरण के लगे आरोप

जैंतगढ़, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने घर को चर्च में बदल देने का मामला प्रकाश में आया है। घर बनने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना का सूचना पट्ट हटाकर उसमें चर्च लिख दिया गया है। घर से प्रार्थना सभा का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर चांपुआ थाना में शिकायत भी किया गया है। यह मामला क्योंझर जिला के चांपुआ प्रखंड के बलभद्रपुर गांव का है। ओडिशा व झारखंड की सीमा पर स्थित बलभद्रपुर गांव में मकरु मुंडा नामक एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर का निर्माण कराया है। उसका यह घर सरकारी जमीन पर बना है। घर बनने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना का सूचना पट्ट हटाकर उसमें चर्च लिख दिया गया है। घर से प्रार्थना सभा का आयोजन किया जा रहा है तथा भोले भाले लोगों को धर्मांतरण कराने का प्रयास किया जा रहा है। बाहर से ईसाई मिशनरी पहुंचने के कारण स्थानीय लोगों में गुस्सा और विरोध किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले तो सरकारी जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर बनाया गया। इसके बाद उसे चर्च में बदल कर अवैध मतांतरण की गतिविधि संचालित किया गया। बाहर से लोग आते हैं और गांव के सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के विरोध के बाद घटना स्थल पर पुलिस पहुंची तथा लोगों को शांत किया। स्थानीय लोगों ने कहा कि प्रशासन इस मामले में किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर रहा है। यही कारण है कि इस तरह की अवैध गतिविधि करने वाले लोगों का उत्साह दिन प्रतिदिन बढता जा रहा है। हिंदू जागरण मंच के ओडिशा के संगठन मंत्री तन्मय दास ने कहा कि ईसाई मिशनरियों की इस तरह की गतिविधि हाल में बढ़ी है। बलभद्रपुर में तो सरकारी पैसे से सरकारी जमीन पर बने भवन का ही उपयोग धर्मांतरण के लिए किया जा रहा है। प्रशासन इस मामले में कार्रवाई नहीं कर रही है।ईसाई मिशनरियों के इस गैर कानूनी कार्य से समाज में वैमनस्य का भाव उत्पन्न हो रहा है। समाज को अशांत किये जाने का प्रयास किया जा रहा है।

रिम्स में इलाज के अभाव में बच्चे की मौत, जमशेदपुर से किया गया था रेफर

रांची, एजेंसी। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल की स्थिति दिन-ब-दिन सुधरने के बजाय बिगड़ रही है। इमरजेंसी में पहुंचे मरीजों को जहां तुरंत इलाज मिलना चाहिए, वहां उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। नतीजा अनहोनी के रूप में सामने आ रहा है। बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे 4 दिन का एक बिरहोर बच्चा बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर से रिम्स रेफर किया गया। बच्चा जन्म के समय रोया नहीं था और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही थी।

सेंट्रल इमरजेंसी में लाने के बाद कर्मियों ने बताया कि पीडियाट्रिक वार्ड जाकर पूछिए कि बेड खाली है या नहीं, उसके बाद वहीं एडमिट किया जाएगा। परिजन बेड का पता कर लौटे और बच्चे को एंबुलेंस से पीडियाट्रिक वार्ड ले गए। डॉक्टरों ने बच्चे की जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। बताते चलें कि चार दिन पहले रीता सोबोर नाम की महिला ने एमजीएम जमशेदपुर में बच्चे को जन्म दिया था। नॉर्मल डिलीवरी थी, लेकिन बच्चे को सांस लेने में परेशानी थी।

एंबुलेंस पर लड़ते रहते हैं जिंदगी की जंग : यह महज एक मामला है... लेकिन ऐसे दर्जनों मरीज हर दिन सिर्फ अस्पताल में भर्ती होने के लिए घंटों एंबुलेंस पर ही किसी तरह जिंदगी से जंग लड़ते हैं। इसमें कई जंग जीत जाते हैं, लेकिन कई जिंदगी की जंग हार भी जाते हैं, चार दिन के बिरहोर नवजात की तरह। बुधवार को रिम्स पहुंचे चार दिन के बच्चे को अगर समय पर इलाज मिल जाता, तो हो सकता था कि उसकी जान बच जाती। पर ऐसा हो न सका। यह देखते हुए कि चार दिन का बच्चा एंबुलेंस में ऑक्सीजन सपोर्ट पर है, किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और एक मां की गोद सूनी हो गई।

जमशेदपुर से रिम्स के इमरजेंसी में लाए गए एमके गौतम को हार्ट के साथ-साथ किडनी, लीवर की भी समस्या थी। मरीज पहले से वेंटिलेटर सपोर्ट में था। रिम्स पहुंचने के बाद उसे डॉक्टरों ने बताया कि वेंटिलेटर खाली नही है।

कार्डियोलॉजी इमरजेंसी में 4 बेड, हमेशा रहते हैं फुल...: रिम्स के कार्डियोलॉजी इमरजेंसी की हालत इतनी बुरी है कि यहां केवल 4 बेड ही हैं। 4 बेड का यह इमरजेंसी हमेशा फुल रहता है। जबतक इन्हें ऊपर वार्ड में शिफ्ट न किया जाए, तब तक ये बेड खाली नही होते।

3 घंटे तक एंबुलेंस में रहा, फिर निजी अस्पताल में भर्ती : गुमला के एक मरीज का इलाज रिम्स के समीप निजी अस्पताल में चल रहा है। मरीज के परिजन ने बताया कि पहले मरीज को सीने में दर्द होने पर रिम्स का हार्ट विभाग पहुंचा था। लेकिन वहां बेड खाली नही था। डॉक्टरों ने कुछ देर एंबुलेंस में रखने को कहा। लेकिन जब 3 घंटे बीत गए और उसके बाद भी बेड नही मिला, तो परिजन उसे लेकर निजी अस्पताल आ गए। अब वह ठीक है।

रात 10 : 05 बजे पहुंचा, नहीं मिला बेड, सुबह मौत : हजारीबाग से चार दिन पहले एक महिला को लेकर उनके परिजन रात 10 : 05 बजे कार्डियोलॉजी इमरजेंसी पहुंचे थे। एक जूनियर डॉक्टर ने मरीज को देखा। लेकिन बेड खाली नही होने के कारण सेंट्रल इमरजेंसी ले जाने को कहा। वहां से वापस कार्डियोलॉजी विभाग भेजा गया। 3 घंटें एंबुलेंस में रहने के बाद परिजन निजी अस्पताल ले गए। अगले दिन सुबह 11 बजे उसकी मौत हो गई।

डीजीएमएस व हाई पावर कमेटी के नियमों का अनुपालन करें आउटसोर्सिंग कंपनियां

कथारा, एजेंसी। कथारा ऑफिसर्स क्लब में बुधवार को सीसीएल कथारा क्षेत्र द्वारा वार्षिक क्षेत्रीय द्विपक्षीय खान सुरक्षा समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय कुमार, संचालन खान प्रबंधक कृष्ण मुरारी एवं धन्यवाद ज्ञापन पीओ एके तिवारी ने किया। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। वहीं एक मिनट का मौन रखकर मृत कामगारों को श्रद्धांजलि दी गई। यहां यूनियन नेताओं ने मुख्य रूप से कोलियरियों एवं वाशरियों में सुरक्षा नियमों एवं मानकों को लेकर हो रही अनदेखी की तरफ ध्यान आकृष्ट कराते हुए प्रबंधन से समाधान की मांगें रखी। यूनियन नेताओं ने पूरे क्षेत्र के विभिन्न परियोजनाओं में संचालित आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा सुरक्षा नियमों एवं मापदंडों की जा रही अनदेखी व लापरवाही पर विशेष चर्चा की। यहां यूनियन नेताओं ने कई मामलों को रखते हुए समाधान की बात कही।

यहां महाप्रबंधक ने यूनियन नेताओं को भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा दिए सुझावों को पूरी तरह से अमल में लाने का प्रयास किया जाएगा। प्रबंधन सुरक्षा और शून्य दुर्घटना के साथ उत्पादन कार्य करने के लिए काफी गंभीर है। मौके पर प्रबंधन की ओर से एसओ एसएंडआर आर.के बरनवाल जीएम ऑपरेशन चंद्रभानु तिवारी, विपिन कुमार, पीओ वी आदि मौजूद थे।

आउटसोर्सिंग कंपनी कर रही है मनमानी : यूनियन यूनियन नेता इकबाल अहमद ने कहा कि जारंगडीह कोलियरी में संचालित एनईपीएल आउटसोर्सिंग कंपनी डीजीएमएस सहित अन्य सुरक्षा नियमों को धत्ता बताते हुए कार्य कर रही है।

झारखंड शराब घोटाला-सुधीर दास सहित 3 आरोपितों को दो दिन के रिमांड पर लेगी ACB, 14 जून को फिर होगी पेशी

रांची, एजेंसी। शराब घोटाला मामले की जांच कर रही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) आज से विभाग के गिरफ्तार दो पूर्व अधिकारियों सहित तीन आरोपितों को रिमांड पर लेगी।

इन आरोपितों में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार दास, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सह अभियान सुधीर कुमार व प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन के स्थानीय प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह शामिल हैं।

दो दिनों की पूछताछ के बाद 14 जून को फिर से न्यायालय में पेश करना होगा। एसीबी ने रांची स्थित एसीबी की विशेष अदालत से तीनों ही आरोपितों से चार दिनों तक पूछताछ के लिए रिमांड का आग्रह किया था।

रिमांड आवेदन पर सुनवाई के बाद अदालत ने सिर्फ दो दिनों तक ही पूछताछ की अनुमति दी है। इन आरोपितों से फर्जी बैंक गारंटी के आधार पर दो प्लेसमेंट एजेंसियों को ठेका देने के मामले में भी पूछताछ होगी।

इसके अलावा राज्य में छत्तीसगढ़ माडल से शराब बेचे जाने, एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब की बिक्री से अवैध वसूली कराने, राजस्व वसूली के प्रति गंभीरता नहीं बरतने, जिसके चलते प्लेसमेंट एजेंसियों ने 50 करोड़ से अधिक का राजस्व बकाया जमा नहीं किया, संबंधित आरोपों पर भी एसीबी पूछताछ करेगी।

लातेहार के मैंगो मैन बने अनुपम, बंजर जमीन पर उगा रहे हैं 26 वेराइटी के आम

लातेहार, एजेंसी। सदर प्रखंड के पोचरा पंचायत अंतर्गत बारीडीह गांव निवासी अनुपम मिश्रा, पंकज मिश्रा, अभिनव मिश्रा समेत पूरे परिवार को आम की बागवानी ने खास बना दिया है. लगभग 13 एकड़ बंजर भूमि में मिश्रा परिवार के द्वारा 6 वर्ष पहले बागवानी आरंभ की गई थी. इस बागवानी ने पूरे परिवार को मालामाल कर दिया है. परिवार के सदस्य भी अब आर्थिक चिंता से पूरी तरह मुक्त हो गए हैं. इस वर्ष सीजन के शुरुआत में ही सिर्फ अनुपम मिश्रा ने लगभग 40 हजार रुपए की आम बिक्री की है. अभी भी कम से कम 25 क्विंटल से अधिक आम उनके बागान में लगे हुए हैं।

सोशल मीडिया से सीखा: दरअसल, अनुपम मिश्रा और उनके परिवार के लोगों के द्वारा बागवानी के कार्य में उतरने की कहानी भी काफी दिलचस्प है. अनुपम बताते हैं कि उनके परिवार के पास अच्छी खासी जमीन थी. लेकिन 13 एकड़ से अधिक भूमि ऐसी थी, जहां खेती करना काफी मुश्किल था. इस स्थिति में सिर्फ मक्का और अरहर की खेती करते थे, जिसमें उन्हें फायदे के बदले नुकसान मिलता था. धीरे-धीरे खेती से उन लोगों का मन उचटने लगा था. इसलिए अनुपम पूरे परिवार के साथ गांव छोड़कर लातेहार आ गए और यही रहने लगे. उन्हें खेती और वृक्षारोपण से काफी लगाव था. लगभग 8 साल पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा, जिसमें बताया गया कि आम की बागवानी कर अच्छी आमदनी की जा सकती है। इसके बाद अनुपम और उनके परिवार के लोगों ने प्रायोगिक तौर पर कुछ आम के पौधे लगाए. लगभग 6 वर्ष पहले उन्होंने अपनी बंजर पड़े जमीन में बड़े पैमाने पर आम की बागवानी शुरू की. शुरुआत के दो साल तक तो उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ, लेकिन तीसरे साल से पूंजी भरपाई भर फायदा होने लगा था. चौथे साल से अच्छी आमदनी भी होने लगी. उन्होंने बताया कि इस वर्ष 40 हजार से अधिक के आम की बिक्री हो चुकी है. जबकि अभी भी 25 क्विंटल से अधिक आम बागान में लगे हुए हैं।अनुपम मिश्रा बताते हैं कि उनके बागान में वर्तमान समय में लगभग 26 वैरायटी के आम के पेड़ लगे हैं. इनमें कुछ ऐसे भी हैं, जिनकी कीमत बाजार में काफी अधिक है. इटूआरटू आम की एक ऐसी वैरायटी है, जिसकी कीमत पिछले वर्ष बाजार में 1200 से लेकर 1500 रुपये प्रति किलो थी. इसके अलावा मियाजाकी, बोंसाई बनाना, रेड पाल्मर आदि आम की क्वालिटी भी काफी बेहतर है. इसकी भी कीमत बाजार में काफी अधिक होती है. इतना ही नहीं गुलाब खास, मालदह, दूधिया मालदा, हिम सागर, ब्लैक करंट, जर्दालु, दशहरी, मल्लिका, कृष्णभोग, आम्रपाली, बनाना मैंगो, फजली वैरायटी के भी आम लगे हुए हैं।

कोडरमा में दो मंजिला मकान से बच्ची गिरी, मौत

पिता ने कहा- मकान मालिक की बेटी जिम्मेदार, आरोपी ने कहा- हमने बचाने की कोशिश की

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत जेपी नगर में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक डेढ़ साल की मासूम बच्ची की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। यह घटना 8 जून की बताई जा रही है। मृतक बच्ची की पहचान अंशिका उर्फ लड्डू के रूप में हुई है। बच्ची के पिता सौरव कुमार ने तिलैया थाना में आवेदन देकर पूरे मामले को हत्या बताते हुए मकान मालिक की बेटी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि बच्ची खेलते-खेलते मकान मालिक अशोक चौरसिया के दूसरे मंजिल स्थित फ्लैट में गई थी, लेकिन काफी देर बाद जब वह नहीं लौटी तो पत्नी उसे ढूंढने गई।

निजी क्लिनिक में पहुंचने पर डॉक्टर ने बताया मृत : सौरव के मुताबिक जब उनकी पत्नी ऊपर पहुंचीं तो उन्हें बताया गया कि बच्ची मकान मालिक के कमरे की खिड़की से नीचे गिर गई है और उसे इलाज के लिए निजी क्लिनिक ले जाया गया है। इसके बाद परिजन जब उस क्लिनिक पहुंचे तो डॉक्टरों ने बच्ची की हालत नाजुक बताई। वहीं कुछ देर बाद उसकी मौत की पुष्टि कर दी। इस घटना के बाद माता-पिता बदहवास हो गए। बच्ची के पिता का आरोप है कि मकान मालिक की 17 वर्षीय नाबालिग बेटी ने अंशिका को खीज में आकर खिड़की से धक्का दे दिया, जिससे उसकी जान चली गई। वहीं मामले को लेकर मकान मालकिन सीमा देवी ने बताया कि उनकी बेटी के ऊपर लगाया गया आरोप गलत है। हमने बच्ची को बचाने का प्रयास किया, लेकिन बच्ची नहीं बच पाई।

बुधवार को परिजनों ने थाने में दिया आवेदन : बच्ची की मौत की सूचना मिलने के बाद उसके अन्य परिजन भी झुमरीतिलैया पहुंचे और बुधवार की शाम तिलैया थाना में आवेदन देकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। आवेदन में परिजनों ने पूरे घटनाक्रम को सुनियोजित हत्या बताया है। मृतक के पिता सौरव कुमार स्थानीय एक होटल में काम करते हैं, जबकि मां गृहिणी हैं। दोनों ही घटना के बाद से गहरे सदमे में हैं और बार-बार बेसुध हो जा रहे हैं।

थाना प्रभारी बोले- मामले की जांच जारी, बयान लिए जा रहे : घटना की गंभीरता को देखते हुए तिलैया थाना पुलिस ने दिए गए आवेदन के बाद मकान मालिक अशोक चौरसिया के पूरे परिवार और बच्ची के परिवार को थाने बुलाया गया है। जांच की जा रही है कि घटना कैसे हुई। पुलिस ने कहा कि अगर जांच में हत्या की पुष्टि होती है तो दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई में जुटी है।

झारखंड को केंद्र सरकार का तोहफा, इस काम के लिए मिलेगी 65 करोड़ की मदद

रांची, एजेंसी। बारिश के बाद जमा पानी को स्वच्छ रखने, सप्लाई वाले वाटर टैंकर की सफाई और मरम्मत के लिए केंद्र सरकार से पेयजल स्वच्छता विभाग को 65 करोड़ की सहायता राशि मिल रही है। जल जमाव होने से कई तरह की बीमारियां आसपास फैलती हैं। पेयजल स्वच्छता विभाग ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव से इनपर नियंत्रण करता है।

इस मद में केंद्र सरकार राज्यों को राशि उपलब्ध कराती है। जून के आखिरी सप्ताह तक यह राशि जिलों को आवंटित कर दी जाएगी। पेयजल स्वच्छता विभाग स्थानीय निकायों की मदद से जिलों में इसे खर्च करेगा।

पिछले साल इस मद में 53 करोड़ रुपए दिए गए थे। इसबार इसमें 12 करोड़ की बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के मौसम में कई तरह की समस्याएं होती हैं।

इसके लिए राज्य सरकार स्वास्थ्य विभाग को राशि उपलब्ध कराती है। लेकिन पेयजल स्वच्छता विभाग को मिली यह राशि टैंकरों की मरम्मत और स्वच्छता के लिए खर्च होनी है।

राज्य में करीब 35 हजार खराब हैंडपंप की मरम्मत हो चुकी है। बता दें कि पेयजल स्वच्छता विभाग के आंकड़ों के मुताबिक कुल 70 हजार हैंडपंप खराब पड़े थे। वित्त एवं योजना विभाग से राशि मिलने के बाद इनमें से आधे की मरम्मत कर दी गई है।इससे संबंधित रिपोर्ट भी विभाग को जिलों से मिल गई है। बाकी के खराब जल स्रोतों की मरम्मत जून के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

झारखंड में कोरोना के 16 एक्टिव केस : 24 घंटे में 27 सैंपल की जांच, 7 संक्रमित मिले, रिम्स और सदर अस्पताल में 40 बेड रिजर्व

रांची, एजेंसी। रांची में बीते 24 घंटे में कुल 27 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें से 7 सैंपल पॉजिटिव पाए गए। इसी के साथ फिलहाल कोविड संक्रमित मरीजों की संख्या 16 हो गई है। मंगलवार को 20 सैंपलों की जांच की गई थी, इसमें भी 4 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। सोमवार को हुए 16 सैंपलों की जांच में 3 की रिपोर्टर पॉजिटिव आई थी। सिविल सर्जन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, रांची में अबतक कुल 432 लोगों की कोविड टेस्ट की जा चुकी है, जिसमें से 31 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार निगरानी और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में जुटी हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें, भीड़-भाड़ से बचें, मास्क पहनें और नियमित रूप से हाथ धोते रहें।

भीड़भाड़ वाले स्थानों में मास्क का प्रयोग करें झारखंड सरकार राज्यवासियों को कोरोना को जागरूक करना शुरू कर दिया है। बुधवार से लोगों के मोबाइल पर जागरूकता मैसेज पहुंचना शुरू है। सरकार ने कोरोना संक्रमण की बढ़ती संख्या को देखते हुए सावधान रहने को कहा है। मैसेज में कहा गया कि हाल के दिनों में देश के कई हिस्सों में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में लापरवाही नहीं, सजगता जरूरी है। इधर सदर अस्पताल में जिला अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक के दौरान रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने कोविड की गाइडलाइन का सतर्कता से पालन करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि कोविड को लेकर सतर्कता बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, इसका हर किसी को पालन करना चाहिए। सार्वजनिक स्थान पर मास्क पहनें। सामाजिक दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है।

रिम्स और सदर अस्पताल पूरी तरह तैयार

कोरोना के मामले को देखते हुए किसी भी आपातस्थिति से निपटने के लिए राज्य का सबसे बड़ा अस्पताल रिम्स और रांची सदर अस्पताल पूरी तरह से तैयार है। रिम्स के क्रिटिकल केयर विंग के दो फ्लोर में 10-10 बेड अलग से रखे गए हैं। इसके अलावा आइसोलेशन वार्ड में एक अलग विंग भी बनाया गया है। वहीं सदर अस्पताल में 20 बेड आरक्षित रखे गए हैं। जीवन रक्षक दवाओं का स्टॉक बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा रिम्स के ओपीडी में परामर्श लेने आए मरीजों में कोरोना से मिलते-जुलते लक्षण दिखते ही उन्हें जांच के लिए कहा जा रहा है।फिलहाल रांची रिम्स में कोरोना के तीन संक्रमित मरीज इलाज करा रहे हैं। इसमें से एक रांची के लालपुर का है। दूसरा सिमडेगा का है। वहीं तीसरा मरीज उत्तर प्रदेश के गोरखपुर का रहने वाला है। सभी की उम्र 40 से अधिक है। रांची लालपुर के संक्रमित 55 वर्ष, सिमडेगा के 65 वर्ष और गोरखपुर के संक्रमित की उम्र 43 वर्ष की है। दो संक्रमितों को आइसोलेशन वार्ड में और एक को क्रिटिकल केयर के स्पेशल विंग में रखा गया है।

अंधविश्वास में हुई महिला की हत्या! किलर्स को मिली थी 80 हजार की सुपारी, पड़ोसी समेत दो गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के बाघामाड़ा में 16 मई को हुए विमला देवी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा किया है. विमला देवी की गोली मारकर हत्या की गई थी. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए विमला देवी के पड़ोसी गौतम कुमार और उसके एक रिश्तेदार विनोद भुईयां को गिरफ्तार किया है. जबकि हत्याकांड के दो अन्य आरोपी पहले से जेल में बंद है. यह दोनों हाईवा जलाने के आरोप में गिरफ्तार हुए थे।

पुलिस के अनुसार गौतम कुमार की भाभी और बच्चे लंबे समय से बीमार चल रहे थे. गौतम को अंधविश्वास में आकर यह आशंका थी कि विमला देवी झाड़ फूंक कर रही है, जिस कारण उसके भाभी और बच्चे बीमार हैं. गौतम ने पूरी बात को अपने एक रिश्तेदार विनोद के साथ साझा किया था.पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि विनोद ने गौतम का संपर्क सकेंद्र उरांव नामक अपराधी से करवाया था. हत्या के लिए सकेंद्र ने 80 हजार रुपए की सुपारी मांगी थी.

सुभाषितम्

हमे भूत के बारे में पछतावा नही करना चाहिए, ना ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए, विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते है। - चाणक्य

अकूत खनिज संपदा के बाद भी अफ्रीकी देश सबसे गरीब?

अफ्रीकी देश बुर्किना फासो के युवा सैन्य नेता इब्राहिम त्रारे ने एक ऐसा भाषण दिया है। जिसमे वैश्विक मीडिया और औपनिवेशिक सोच पर तीखा हमला किया गया है। 34 वर्षीय त्रारे ने पश्चिमी देशों पर आरोप लगाया है, उन्होंने अफ्रीका की गरीबी, संघर्ष और पिछड़ेपन की झूठी तस्वीर दुनिया के देशों में सालों तक प्रचारित की हैं। उन्होंने कहा कि अफ्रीका कोई भिखारी महाद्वीप नहीं है, बल्कि दुनिया को दुर्लभ खनिज, ऊर्जा संसाधनों को उपलब्ध कराने वाला विशाल आफ्रिकी महाद्वीप है। अफ्रीका सारी दुनिया को पोषित और विकसित करने वाला महाद्वीप है। सारी दुनिया अफ्रीका के खनिज संसाधनों का दोहन और उपयोग करती है। इसके बदले बड़े-बड़े पूंजीवादी देश अफ्रीका को गरीबी, भ्रष्टाचार और अशांति की ओर ले जाते हैं। त्रारे ने कहा अफ्रीका को मस्जिद नहीं, स्कूल चाहिये। उल्लेखनीय है अफ्रीका की 65 फीसदी मुस्लिम धर्म को मानती है। अफ्रीका को अब धार्मिक कट्टरता नहीं, शिक्षा और विकास चाहिए है। 200 मस्जिदे बनाए जाने के सऊदी अरब के प्रस्ताव को उन्होंने ठुकरा दिया। उन्होंने फ्रांस, ब्रिटेन, अमेरिका और चीन जैसी ताकतों की उन शोषण की रणनीतियों को उजागर किया।जिनसे अफ्रीका को आर्थिक रूप से लूटा जा रहा है। उन्होंने कोबाल्ट, प्लेटिनम, सोना, यूरेनियम जैसे खनिजों के उत्पादन में अफ्रीका के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा, जिन क्षेत्रों से यह बहुमूल्य संपदा निकली जा रही है, उन क्षेत्रों में आज भी बिजली, शिक्षा और बुनियादी सुविधाएं नदारद हैं। उन स्थानों पर सबसे ज्यादा बदहाली और भुखमरी देखने को मिलती है। त्रारे के यह तेवर केवल एक क्रांतिकारी नेता की आवाज नहीं, बल्कि उस पूरे महाद्वीप की पीड़ा है। जिसे दशकों से जानबूझकर आर्थिक रूप से कमजोर और पश्चिमी देशों ने अपने ऊपर निर्भर बनाकर रखा है। उनका कहना है कि पश्चिमी मीडिया अफ्रीका की सफलताओं और वास्तिवक्ता को कवर नहीं करता। पश्चिमी देशों और पूंजीपतियों के इशारे पर शोषणकारी एजेंडा मीडिया चलाता है। अब इसको बेनकाब करने का समय आ गया है। इब्राहिम त्रारे की यह गर्जना सिर्फ अफ्रीका नहीं, पूरे ग्लोबल साउथ के लिए चेतावनी के रूप में है। त्रारे के यह तेवर उपनिवेशवाद के नए रूपों, मीडिया के दोहरे मानदंडों और वैश्विक आर्थिक अन्याय के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई की शुरूआत है। पश्चिमी देशों की इस लूट में अब चीन भी शामिल हो गया है। सबसे बहुमूल्य खनिज संपदा अफ्रीका महाद्वीप में है। अफ्रीकी देशों के नेताओं के साथ मिलकर अफ्रीका महाद्वीप की जनता का जो शोषण कई दशकों से स्थानीय नेताओं की मदद से हो रहा है। उसके खिलाफ इसे एक बगावत के रूप में देखा जा रहा है। अफ्रीकी देश बुर्किना फासो सैन्य अधिकारी है। उनकी यह बगावत ठीक वैसी ही है, जैसी महात्मा गांधी ने अफ्रीका मैं रहते हुए अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का बिगुल बजाया था। वही बिगुल अब त्रारे ने अफ्रीकी महाद्वीप में बजा दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सहायता को ठुकराते हुए यहां तक कह दिया है। जब हम दुनिया की सबसे महंगी खनिज संपदा सारी दुनिया के देशों को देते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपनी बहुमूल्य संपदा का भुगतान चाहिए, वैश्विक कर्ज और दया की हमें आवश्यकता नहीं है। निश्चित रूप से अफ्रीका की जनता ने अब अपनी सोच को बदलना शुरू कर दिया है। अफ्रीकी देशों के नेताओं के भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के खिलाफ भी वहां की जनता ने एक जंग शुरू कर दी है। सारी दुनिया में इसे पूंजीवादी व्यवस्था के खिलाफ एक नई लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है। भविष्य में इसका व्यापक असर पड़ना तय है। इस लड़ाई में भारत की सहभागिता महत्वपूर्ण है। महात्मा गांधी के कारण अफ्रीकी देशों की जनता में भारत के प्रति बेहतर छबि है। इसका लाभ उठाने भारत को आगे आना होगा।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

आज का राशिफल

- **मेष** – हर काम बहुत ही सावधानी से करने की सलाह है। आपकी सहनशीलता की परीक्षा हो सकती है।
- **तुला** – आज दिन आय और व्यय दोनों दृष्टि से सक्रिय रहेगा। किसी पुराने निवेश से लाभ मिल सकता है।
- **वृषभ** – आज दिन करियर के मामले में लाभ से भरा होगा और दिन प्रफेशनल रूप से व्यस्त रहेगा।
- **वृश्चिक** – काफी व्यस्तता से भरा होगा और आपको दिन की शुरुआत में थकान महसूस हो सकती है।
- **मिथुन** – आज भाग्य साथ देगा और आपके अंदर कुछ नया करने की इच्छा प्रबल होगी।
- **धनु** – आज लाभ होगा और आपका मन काफी सकारात्मकता से भरा होगा।
- **कर्क** – दिन समझदारी से काम करने का है। दिन मानसिक रूप से हल्का असंतुलन वाला हो सकता है।
- **मकर** – आज भाग्य साथ देगा। आपको अपने कार्यों में स्पष्टता और संतुलन की आवश्यकता है।
- **सिंह** – नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी, जिसका लाभ ऑफिस या व्यवसाय दोनों जगह मिलेगा।
- **कुंभ** – आज काफी व्यस्त रहेंगे, लेकिन उसी व्यस्तता में सफलता छिपी है।
- **कन्या** – आपका आपका ध्यान कामकाज में ज्यादा लगेगा और मेहनत का फल भी जल्द मिलेगा।
- **मीन** – कार्यक्षेत्र में पुराने अधूरे कार्यों को पूरा करने का दिन है, अचानक कोई अवसर मिल सकता है।

भारत की सुरक्षा एवं मोदी सरकार

- शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है। संपूर्ण देश में मोदी सरकार की सफलता पर प्रेस वाताएं, प्रदर्शनी, विचार संगोष्ठी, जनसभाएं एवं ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। सोशल मीडिया द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हो रहा है। गरीब कल्याण, ढांचागत विकास,अन्तर्वाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह है। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक है।

चाणक्यनीति में कहा कि शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते शास्त्रों की चर्चा भी तभी संभव है जब राष्ट्र सभी प्रकार से सुरक्षित हो। सिद्धांत कितना भी श्रेष्ठ हो उसकी सफलता उस सिद्धांत का अनुसरण करने वालों की शक्ति पर ही निर्भर करती है। इसी कारण विद्वानों ने शक्ति को ही शांति का आधार बताया है राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर अपनी कविता क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो इस सिद्धांत को ही प्रतिपादित करते हैं।

भारतीय जनसंघ ने अपने 1964 के पटना अधिवेशन में प्रस्ताव पारित करते हुए मांग की थी कि भारत को परमाणु बम बनाने के सभी प्रयत्न करने चाहिएँ। सिद्धांत एवं नीतियां नामक दस्तावेज में भी परमाणु अस्त्रों का निर्माण करने की बात की थी। प्रस्ताव प्रतिपादन करते समय कहा गया था कि हमारे आराध्य सभी देवी-देवता धर्म संस्थापना के लिये शस्त्रधारी है। इसलिए भारत माता भीपरमाणु बम धारी होनी चाहिए। इसी नीति का अनुसरण करते हुए श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 1999 में पोखरण परमाणु विस्फोट कर विश्व में भारत के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया थो 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद देश अपने हितों की सुरक्षा करने में समर्थ बने इस प्रकार की नीति पर चला। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीतिइसी का उदाहरण है। जहाँ कांग्रेस सरकार में आतंकियों के लिए जी जैसे सम्मानपूर्वक शब्दों का उपयोग एवं बिरयानी खिलाना जैसे उपक्रम चल रहे थे वहीं मोदी सरकार में सेना और सुरक्षा बलों को आतंक से लड़ने के लिए छूट एवं सुरक्षा बलों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाये गए।

रक्षा क्षेत्र का बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ था अब 2025-26 के लिए वह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ अर्थात तीन गुना से अधिक हो गया है। 2015 कैग रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के पास केवल 20 दिन का गोलाबारूद उपलब्ध था। व्यक्तिगत सैनिक स्तर पर, सैनिकों को अब स्वदेशी रूप से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाली बुलेटप्रूफ जैकेट, उन्नत हेलमेट, नई बैटल ड्रेस यूनिफॉर्म, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल इमेजर उपलब्ध करायी गई। मोदी सरकार के आने के बाद सेना के समन्वय के लिएलंबित मांग सीडीएस की नियुक्ति का निर्णय हुआ। ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं के समन्वय में हमने इस निर्णय की भूमिका को अनुभव किया है। शस्त्रों की खरीद के लंबे समय से लंबित निर्णयों का भी शीघ्र निस्तारण होते हुए हम देख चुकेहैं। फ्रांस से आने वाले राफेल की खरीद इसी प्रक्रिया का परिणाम है। एस - 400 , सुखोई -30, इजराईल से ड्रोन, हैमर मिसाईल, चिनूक हेलिकॉप्टर, एलसीएच प्रचंड (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर), तेजस फाइटर जेट (पूर्ण स्वदेशी विमान), पिनाका राकेट सिस्टम, वरुणास्त्र आदि की उपलब्धता के कारण भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाती है। ऑपरेशन सिन्दूर में निर्धारित लक्ष्य पर मार एवं शत्रु के ड्रोन एवं मिसाईल को मार गिराने में हम सक्षम हुए है।

11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेशों से शस्त्र खरीद ही नहीं हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है। अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शस्त्रों का निर्माण भी कर रहे हैं। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रुस्तम यूएवी ड्रोनस का डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल,टाटा -डसाल्ट के साथ राफेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण करने वाले हैं। रक्षा उत्पादन में पिछले 10 वर्षों में 174 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रक्षा उत्पादन 2014-15 में 46529 करोड़ की तुलना में 2023-24 में 127265करोड़ हुआ है

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह - 17 नवंबर 2021 (राष्ट्र रक्षा समर्पण पव, झांसी में) के अपने संबोधन में कहाँ कि :- भारत अपनी रणनीतिक व सुरक्षा आवश्यकताएँ अन्य देशों पर निर्भर होकर पूरा नहीं कर सकता ... सरकार निरंतर ह्यआत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रयासरत है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नीति के कारण अब हम खरीदने अर्थात आयात करने वाले देश नहीं हम बेचने वाले अर्थात निर्यात करने वाले देश बन गए हैं। 2004 से 2014 अर्थात 10 वर्षों में हमने 4312 करोड़ का निर्यात किया था। 2014 से 24 में 88,319 करोड़ का हुआ है। 2024 - 25 में केवल एक वर्ष में ही हमने 23622 करोड़ का निर्यात किया है। आयात में 21% की कमी करके 11 वर्षों में निर्यात में 34 प्रतिशत की वृद्धि करने में देर सक्षम हुआ है आज हम लगभग 80 से अधिक देशों में रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे स्वदेशी शस्त्रों की सफलता को देखकर विश्व में हमारे शस्त्रों की मांग भी बढ़ गयी है।

देश को नक्सल मुक्त करने के मोदी सरकार के संकल्प ने देश के सामान्य नागरिको में सरकार के प्रति विश्वास जगाया है। नक्सली हिंसा में लिप्त आतंकी अपनी अंतिम सांस गिन रहे हैं। 2014 में नक्सल आतंकवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी। 11 वर्षों बाद 2025 में वह संख्या मात्र 6 रह गई है। बड़े-बड़े इनामी नक्सली आतंकी मुठभेड़ में मारे गए हैं। सरकार के नक्सलमुक्त देश के संकल्प से लगता है कि भावी पीढ़ी नक्सलवाद नाम ही भूल जाएगी।

पेसा से लागू होगा सरना धर्म कोड

- सुधीर पाल

झारखंड की राजनीति इन दिनों एक ऐसे विषय के इर्द-गिर्द घूम रही है, जिसे अगर ठीक से समझा जाए तो यह न केवल राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता का प्रश्न है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक आत्मा के लिए भी एक कसौटी-परीक्षण है। हम बात कर रहे हैं सरना धर्म कोड की—एक मांग जो आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान, परंपरा और आत्मनिर्णय से जुड़ा है। बिडम्बना है कि यह गंभीर मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में भावनात्मक शस्त्र के रूप में इस्तेमाल हो रहा है।

सरकार हो या विपक्ष, दोनों ही सरना धर्म कोड विषय पर मौकापरस्त रवैया अख्तियार किए हुए हैं। राज्य सरकार केंद्र सरकार को दोष देती है, और केंद्र सरकार इसे तकनीकी प्रक्रिया बता कर टालती रही है। यह विषय केवल जनगणना के एक कॉलम भर की बात नहीं है, बल्कि आदिवासी अस्मिता, धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान द्वारा प्रदत्त आत्म-निर्णय के अधिकार से गहराई से जुड़ा है। लेकिन बड़ा सवाल है—क्या इस पूरे विमर्श में कहीं पेसा 1996 को देखा गया है? क्या पेसा कानून, जिसे आदिवासी स्वशासन की आत्मा माना जाता है, इस मुद्दे का वैकल्पिक समाधान प्रस्तुत नहीं करता?

झारखंड के आदिवासी समुदाय लंबे समय से एक अलग धर्म पहचान की मांग करते आ रहे हैं जिसे वे सरना धर्म के नाम से जानते हैं। यह धर्म प्रकृति पूजक है, जिसकी मान्यताएँ जंगल, पहाड़, नदी और पुरखों की आत्मा से जुड़ी हैं। सरना धर्म कोड की मांग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनगणना प्रपत्र में एक स्वतंत्र धर्म कॉलम हो, जहाँ आदिवासी समुदाय खुद को हिंदू, ईसाई या किसी अन्य धर्म की श्रेणी में जबरन फिट करने के बजाय, अपनी वास्तविक धार्मिक पहचान के साथ अंकित कर सकें।

भारत की जनगणना प्रणाली में आदिवासियों को स्पष्ट रूप से धार्मिक रूप से पहचानने की कोई स्वतंत्र व्यवस्था नहीं रही है। इसका परिणाम यह होता है कि उन्हें आमतौर पर हिंदू या ईसाई मान लिया जाता है, जिससे उनके धार्मिक अस्तित्व को अनदेखा किया जाता है। आदिवासियों का यह दावा रहा है कि उनकी धार्मिक पहचान किसी स्थापित धर्म से मेल नहीं खाती। सरना धर्म वास्तव में एक प्राकृतिक धर्म है जो प्रकृति के साथ सहअस्तित्व और पूर्वजों की आत्मा की उपासना पर आधारित है।

केंद्र सरकार की विचारधारा

भारत सरकार विशेष रूप से वर्तमान शासन के दौरान आदिवासी आस्था पद्धतियों को सनातन धर्म की उप-धारा मानती रही है। उनके अनुसार, चूंकि आदिवासी भी हिंदुओं की तरह पेड़-पौधों, पत्थर, नदी, झरने, देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, इसलिए वे हिंदू धर्म के ही अंग हैं। यह मान्यता आदिवासी धार्मिक स्वतंत्रता और पहचान की स्वायत्तता के बिलकुल खिलाफ है।

सरना धर्म न तो मूर्तिपूजक है, न ही वह वेदों या शास्त्रों पर आधारित है। उसकी पहचान स्थानीय परंपराओं, प्रकृति और सामुदायिक पूजा में है। इसलिए जब सरकार यह मानती है कि सरना, सनातन का ही रूप है, तो वह आदिवासी समाज की धार्मिक स्वायत्तता का हनन करती है।

सरना अनुयायियों का तर्क है कि उनकी पूजा-पद्धति में कोई संगठित मंदिर, पुरोहित व्यवस्था या धार्मिक ग्रंथ नहीं होते, जो कि ब्राह्मणवादी ढांचे से अलग है। यह भिन्नता केवल सांस्कृतिक नहीं बल्कि धार्मिक और वैधानिक रूप से भी विशिष्ट है। इसी पृष्ठभूमि में पेसा अधिनियम 1996 एक वैधानिक विकल्प और संभावित मार्ग के रूप में उभरता है। पेसा, संविधान के 73वें संशोधन के बाद अनुसूचित क्षेत्रों में समुदायों को विशेष अधिकार देने के लिए लाया गया था। इस कानून की धारा 4(डी) की मान्यता हैः

हर ग्रामसभा को यह अधिकार होगा कि वह अपने क्षेत्र की परंपरा, रिवाज, उपासना पद्धति और धार्मिक विश्वासों का संरक्षण, संवर्धन और दस्तावेजीकरण कर सके। यहां तीन शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैः

संरक्षण, संवर्धन, और दस्तावेजीकरण। यानी ग्रामसभा न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रख सकती है, बल्कि उन्हें आधिकारिक रूप से दर्ज भी कर सकती है। यानी ग्रामसभा न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रख सकती है, बल्कि उन्हें आधिकारिक रूप से दर्ज भी कर सकती है।

इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि अगर राज्य सरकार ईमानदारी से चाहे तो वह पेसा को प्रभावी रूप से लागू करके ग्रामसभाओं को यह अधिकार दे सकती है कि वे सरना को अपनी मान्य उपासना पद्धति के रूप में दस्तावेजीकृत करें। एक बार जब यह दस्तावेजीकरण ग्रामसभा के स्तर पर हो गया और उसे राज्य मान्यता दे दे, तो यह कानूनी रूप से मान्य दस्तावेज बन सकता है, जिससे जनगणना या सरकारी पहचान में सरना धर्म की वैधानिकता को बल मिलेगा।

यह एक क्रांतिकारी प्रावधान है। यह पहली बार भारतीय कानून में यह स्वीकार किया गया कि परंपरा, रिवाज और उपासना पद्धति केवल संस्कृति नहीं, बल्कि वैधानिक अधिकार हैं। यह वह कानूनी आधार है जो सरना धर्म जैसी आस्था को स्थानीय स्वीकृति से लेकर राज्यस्तरीय मान्यता तक पहुंचा सकता है। जब हजारों ग्रामसभाएं कहें कि हम सरना धर्म के अनुयायी हैं, तो यह न केवल सांस्कृतिक शक्ति बनेगा, बल्कि वैधानिक बल भी होगा। यदि झारखंड सरकार पेसा को पूर्णतः लागू करे और ग्रामसभाओं को उनके परंपरागत धर्म, पूजा विधियों और विश्वासों को औपचारिक रूप से दर्ज करने का अधिकार दे दे, तो ग्रामसभा द्वारा मान्य सरना धर्म एक कानूनी दस्तावेज में बदल सकता है। जब हजारों ग्रामसभाएं कहें कि हम सरना धर्म के अनुयायी हैं, तो यह न केवल सांस्कृतिक शक्ति बनेगा, बल्कि वैधानिक बल भी होगा। अब प्रश्न उठता है कि जब पेसा यह कहता है कि ग्रामसभा अपने उपासना पद्धति को मान्यता दे सकती है, तो क्या यह रास्ता सरना धर्म कोड को भी वैधानिक वैधता दे सकता है? हाँ, यदि राज्य सरकार इच्छा शक्ति दिखाए।

यह विधिक वैधता जनगणना में धर्म कॉलम में एक स्वतंत्र स्थान की मांग को और भी अधिक मजबूत बना सकती है। इससे यह स्पष्ट संकेत जाएगा कि सरना कोई व्यक्तिगत आस्था नहीं बल्कि सामुदायिक और परंपरागत धार्मिक संरचना है।

झारखंड में पेसा-1996 के नियमावली को अधिनियमित करने की प्रक्रिया चल रही है। नियमावली के लागू होने के बाद ग्रामसभा अपने नियम, परंपराएं और निर्णय प्रक्रिया खुद तय कारण के लिए कानूनी तौर पर अधिकृत हो जाएंगी। पेसा के तहत ग्रामसभा अपने धर्म की पहचान दर्ज कर सकती है और यह सरना धर्म को एक व्यवस्थित और विधिसम्मत रूपरेखा के तौर पर स्थापित कर सकती है। यहाँ राज्य सरकार को एक साहसिक और दूरदर्शी निर्णय लेना होगा – केंद्र सरकार की अनुमति की प्रतीक्षा करने के बजाय राज्य के स्तर पर ही पेसा की शक्तियों को क्रियान्वित करना होगा। यह निर्णय झारखंड के लिए एक संवैधानिक प्रयोग बन सकता है जो पूरे भारत में अनुसूचित क्षेत्रों के लिए एक उदाहरण होगा।

धर्म के आवरण में दरिंदगी

- निर्मल रानी

हमारे देश में जितना अधिक धर्म का ढिंढोरा पीटा जा रहा है अधर्म भी उतनी ही तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। खासतौर से जब से आसाराम,स्वामी चिन्मयानंद, गुरमीत राम रहीम,स्वामी नित्यानंद, दाती महाराज, रामपाल, आसाराम के कुपुत्र नारायण साईं,भीमानंद महाराज उर्फ शिवमूरत द्विवेदी, राम शंकर तिवारी उर्फ स्वामी परमानंद व आशु भाई महाराज जैसे स्वयंभू संतों व डेरा संचालकों से जुड़े मामले सामने आये व इनमें से कई को बलात्कार व यौन शोषण के मामले में जेल जाना पड़ा तब से तो धर्म क्षेत्र में इसतरह के कुकर्मों की गोया झड़ी सी लग गयी। देश में न जाने कितने साधु वेश धारी मंदिर के पुजारी या किसी न किसी रूप में धर्म क्षेत्र से जुड़े लोग यौन हिंसा के शर्मनाक मामलों में पकड़े जा चुके हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीपक वर्मा नामक एक बलात्कारी को थाना आलमबाग के अंतर्गत पुलिस ने सूर्योदय से पूर्व ही सुबह सवेरे मुठभेड़ में मार गिराया, यह व्यक्ति भी धर्म का चोला ओढ़े रहता था। स्वयं को माता का भक्त प्रदर्शित करने वाला यह कुकर्मी माता रानी के जागरण समारोहों में झांकियां सजाने व झांकियां निकालने का काम किया करता था। इस ने चंद्रनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे से ढाई-तीन साल की बच्ची को, जो अपने पिता के साथ लेटी हुई थी, चुपके से उसका अपहरण कर उसे उठा लगाया। बाद में इस व्यक्ति ने उस बच्ची के साथ बड़ी ही बेरहमी के साथ दुष्कर्म किया था। मासूम बच्ची अभी भी गंभीर अवस्था में इलाज करा रही है। पुलिस ने माता भक्त इस आरोपी पर एक लाख का इनाम भी घोषित कर दिया था। उसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और गत वीरवार को देर रात थाना आलमबाग क्षेत्र के मवैया के निकट एनकाउंटर में ढेर कर दिया। भारत जैसे धर्म प्रधान देश में में यौन शोषण के मामलों का तेजी से बढ़ना अत्यंत चिंता का विषय है। हालाँकि देश में यौन शोषण को लेकर काफी कड़े कानून भी बने हुये हैं फिर भी यह एक प्रमुख सामाजिक समस्या बनी हुई है। खासकर धर्म क्षेत्र में कुकर्मियों व अधर्मियों का प्रवेश कर जाना धार्मिक सीख व शिक्षाओं पर भी सवाल खड़े करता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक 22 मिनट में एक बलात्कार का मामला दर्ज होता है। इसमें वह मामले शामिल नहीं हैं जो भयवश या लाज वाश अथवा सुलह सफाई के बाद या फिर सामाजिक कलंक या कमजोर कानूनी व्यवस्था के कारण दर्ज नहीं होते और वह सरकारी रिकार्ड में नहीं आ पाते। अन्यथा यह आंकड़े और भी चौंकाने वाले हो सकते हैं। वैसे तो दक्षिण अफ्रीका,स्वीडन,संयुक्त राज्य अमेरिका,इंग्लैंड,मिस्र,फ्रांस व इथियोपिया जैसे देश भी महिला शोषण व बलात्कार जैसे मामलों में बदनाम देशों की सूची में शामिल हैं। परन्तु इनमें से कोई भी देश धर्म का उस स्तर पर ढिंढोरा नहीं पीटता जितना भारत में देखने को मिलता है। स्वयं को धर्म प्रधान प्रदर्शित करने वाले भारत जैसे देश में बेशक यह एक अत्यंत गंभीर व संवेदनशील मुद्दा है। कहीं आश्रमों,मंदिरों व चर्चों में यौन शोषण के मामले सामने आते हैं जहाँ महंत, पुजारी,पादरी जैसे धर्म के आवरण में छुपे लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगता है। जैसे कुछ समय पूर्व कानपुर में एक पीड़िता को पहले नशीला लड्डू खिलाया गया फिर उसका यौन शोषण कर घटना का वीडियो बनाकर उसे धमकाया गया।

विशेष

मुंबई महानगर पालिका पर कब्जा करेगा ठाकरे परिवार

उद्धव ठाकरे की शिवसेना इन दिनों मुंबई में काफी कमजोर स्थिति में है। ठाकरे परिवार हमेशा मुंबई महानगरपालिका में पूरी ताकत के साथ राज करता आया है। एकनाथ शिंदे ने शिवसेना की इस ताकत को तोड़ दिया है।एनसीपी इस बार भाजपा के साथ जाती हुई दिख रही है। अकेली शिवसेना उद्धव ठाकरे कमजोर है। ऐसी स्थिति में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को एक साथ एक मंच में लाने की कोशिश मुंबई में तेज हो गई है। मुंबई महानगर पालिका के चुनाव में दोनों ठाकरे बंधु मिलकर चुनाव लड़ेंगे? ठाकरे परिवार मुंबई मैं अपनी ताकत बनाए रखना चाहता है।सही मायने में महानगर पालिका के पार्षद ठाकरे परिवार की ताकत हैं। दोनों भाई इस बात को समझते हैं। एक बार फिर दोनों भाई साथ-साथ दिखेंगे।

राहुल गांधी, चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार ?

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों चुनाव आयोग को निशाने पर रखे हुए हैं। महाराष्ट्र के चुनाव में हुई गड़बड़ी राहुल गांधी की प्राथमिकता में है।जिसके कारण महाराष्ट्र सरकार संशय में है। हाई कोर्ट के जो आदेश हो रहे हैं। एक-एक करके चुनाव आयोग की जो कलई खुल रही है। उसने भाजपा और महाराष्ट्र सरकार की चिंता को बढ़ा दिया है। महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग को लेकर यदि हाईकोर्ट से कोई आदेश हो जाएंगे। चुनाव आयोग की गड़बड़ी पकड़ ली जाएगी। ऐसी स्थिति में महाराष्ट्र में बड़ा भूचाल आना तय है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1731 स्वीडिश ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन हुआ. 1757 राबर्ट क्वाइव ने सिराजुद्दौला को सबक सिखाने के लिए अपना मुर्शिदाबाद अभियान शुरू किया. 1893 महिलाओं का पहला गोल्फ टूनामेंट रायल लीथम, इंग्लैंड में हुआ था. 1917 जर्मनी के चौदह विमानों ने लंदन पर बमबारी की जिसमें 162 व्यक्ति मारे गए. 1940 उधम सिंह को फांसी दी गयी. 1951 आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री जोसेफ बेनेडिकर चिफ्ले का निधन.1956 ब्रिटेन की आखिरी सैन्य टुकड़ी स्वेज नहर क्षेत्र में वापस गयी. 1967 अमरीकी सुप्रीम कोर्ट में पहले अश्वेत न्यायाधीश के. रूप थुर्गड मार्शल की नियुक्ति हुई थी. 1982 फ्रैंक के अवमूल्यन के बाद फ्रांस सरकार मूल्यों और लोगों की आय वृद्धि पर रोक लगाने की घोषणा. 1990 पूर्व जर्मनी ने बर्लिन की दीवार पूरी तरह से गिराने का काम शुरू किया.

दैनिक पंचांग

13 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.26 बजे से
चंद्र	धनु में	कर्क	07.39 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.56 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.07 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.18 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.33 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.49 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.54 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.41 बजे से
राहुकाल		मीन	00.13 बजे से
10.30 से		मेष	01.44 बजे से
12.00 बजे तक		वृष	03.24 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 164 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 15.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 23.21 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 13.48 बजे को समाप्त।
करण गर 15.19 बजे तदनन्तर वणिज 03.36 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 13'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872374
जूलियन दिन 2460839.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

ज्यादा देर सोने से घेर सकती हैं मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां

छुट्टी के दिन देर तक सोने का मन ज्यादातर हर व्यक्ति का करता है। लेकिन समस्या तब हो जाती है जब ऐसा करना आपकी आदत में शामिल हो जाए और धीरे-धीरे आपको स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करने लगे। जी हां ज्यादा देर सोने से आपको मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां घेर सकती हैं। आइए जानते हैं ज्यादा देर सोने से होते हैं कौन से बड़े नुकसान।

डायबिटीज

ज्यादा देर सोने से व्यक्ति की फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर हो जाती है और उसका शुगर लेवल बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक 9 घंटे से ज्यादा नींद लेने से व्यक्ति के शरीर में शुगर का खतरा बढ़ जाता है।

दिल के रोग

अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन में छपी स्टडी की मानें तो अधिक नींद लेने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस स्टडी के मुताबिक जो महिलाएं 9 से 11 घंटे की नींद लेती हैं उनमें दिल के रोग होने की संभावना 38 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

डिप्रेशन की संभावना

आपको जानकर हैरानी होगी कि जरूरत से ज्यादा सोना भी डिप्रेशन का कारण बन सकता है। हाल ही में पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा सोना डिप्रेशन का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं अधिक देर सोने से व्यक्ति के भीतर सुस्ती बनी रहती है और उसका मन रोजाना के काम में भी नहीं लगता है।

मोटापा

ज्यादा देर सोने की वजह से फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर हो जाती है। व्यक्ति अधिकतर समय अपना खाकर, बैठकर या फिर सोकर गुजार देता है। जो आगे चलकर वजन और मोटापा बढ़ने का कारण बनता है। इतना ही नहीं इसकी वजह से पाचन क्रिया धीमी होने लगती है और व्यक्ति को कब्ज की समस्या भी परेशान करने लगती है।

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाएं

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है।
नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

आपको इन बीमारियों का शिकार बना सकते हैं घर के बर्तन

क्या आप अपने घर में प्लास्टिक के प्लेट या बर्तनों में भोजन करते हैं, अगर हां तो जल्दी ही आप डायबिटीज और हृदय रोगों का शिकार हो जाएंगे। यकीन नहीं आता है तो यहां पढ़ें कैसे घर के बर्तन आपको इन बीमारियों का शिकार बना सकते हैं।

भारत में हमेशा से ही जितना भोजन पर ध्यान दिया जाता है, उससे कहीं ज्यादा आप किस बर्तन में भोजन कर रहे हैं, इस पर ध्यान दिया जाता है। आज के समय में लोग ज्यादातर प्लास्टिक की डिजाइनर प्लेटों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। यही नहीं, रेस्टोरेंट में भी देखा गया है कि स्टील की थाली और कटोरी कम ही उपयोग में लाई जाती हो। लेकिन यह सेहत के लिए कतई अच्छी नहीं है। बहुत कम लोग इस बात की जानकारी रखते हैं कि हर तरह के बर्तन के अपने ही गुण और अवगुण होते हैं। शायद आपने सुना भी होगा कि तांबे के गिलास में पानी पीना बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। लेकिन इनमें अगर प्लास्टिक के बर्तनों की बात करें, तो इनमें कोई गुण नहीं होता। बल्कि यह आपको हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों से संक्रमित कर सकती हैं। ऐसे में आपके लिए यह जानना बेहद जरूर है कि सेहतमंद रहने के लिए आपको किस चीज के बने हुए बर्तन में भोजन करना चाहिए। भारत के गरीब और मध्यवर्गीय घरों में सबसे ज्यादा स्टील के बर्तनों का ही उपयोग किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह बर्तन लंबे समय तक चलते हैं। जबकि बहुत कम लोग जानते हैं कि स्टील तेल और एसिड और ग्रीस पर रिएक्ट नहीं करता। यही नहीं स्टील के बर्तनों में आयरन मौजूद होता है जो आपके शरीर में रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर किसी को एनीमिया की शिकायत है तो उसे स्टील की प्लेट में भोजन करने से लाभ हो सकता है। इसके अलावा स्टील के बर्तनों को रिसाइकिल करना भी बेहद आसान होता है। कुल मिलाकर स्टील एक टिकाऊ और स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद बर्तन है जिसका उपयोग भोजन करने के लिए किया जा सकता है।

सिरेमिक के बर्तन होते हैं केमिकल फ्री

आज के समय में सिरेमिक के बर्तन सबसे ज्यादा चलन में हैं। यह बर्तन चीनी मिट्टी के नाम से भी जाने जाते हैं। चीनी मिट्टी के बर्तनों को तैयार करने के लिए, मिट्टी को अधिक तापमान पर गर्म किया जाता है। बहुत से लोगों ने सिरेमिक के बर्तनों के अंदर भोजन पकाना भी शुरू कर दिया है। आप भी इन बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके भोजन को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई भी रसायन मौजूद नहीं होता।

आयुर्वेद देता है चांदी में भोजन करने की सलाह

चांदी का उपयोग यूं तो लोग आमतौर पर गहनो के तौर पर करते हैं। लेकिन आयुर्वेद लंबे समय से चांदी के बर्तनों में भोजन करने की पैरवी करता आ रहा है। आयुर्वेद के मुताबिक चांदी के बर्तनों में ऐसे गुण होते हैं, जो आपको बदलते मौसम के साथ होने वाली बीमारियों से बचाता है। कुल मिलाकर अगर आप चांदी के बर्तन में भोजन करते हैं या पानी पीते हैं, तो यह आपको पूरी तरह स्वस्थ रखता है।

चांदी के बर्तन में खाना खाने के फायदे

- चांदी के बर्तनों में अर्क होता है जो आपके मस्तिष्क की शक्ति में बढ़ोतरी करता है।
- अगर नन्हे शिशुओं को चांदी के बर्तन में दूध पिलाया जाए तो अधिक स्वस्थ रहते हैं।
- चांदी के गिलास में पानी पीना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। दरअसल चांदी के अंदर ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पानी के अंदर मौजूद किसी भी तरह की अशुद्धियों से लड़ने का कार्य करते हैं।

मेटाबॉलिज्म तेज करता है तांबे का बर्तन

तांबे के बर्तनों का उपयोग पहले के समय में बहुत अधिक किया जाता था। बताया जाता है कि तांबे का संबंध सूर्य और आग से होता है। तांबे की थाली में भोजन करने से अग्नि में वृद्धि होती है। जिसके कारण आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है इसके अलावा भी तांबे की थाली या बर्तन में भोजन करने के कई फायदे हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

तांबे के बर्तन में खाने के फायदे

- वजन घटाने में
- बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने में
- हीमोग्लोबिन बढ़ाने में
- पाचन शक्ति बढ़ाने में
- हृदय रोग से बचाने में
- ब्लड प्रेशर को संतुलित करें
- स्किन को बेहतर करें और बढ़ती उम्र के असर को कम करें
- जोड़ों के दर्द और मस्कुलर दर्द से राहत

याददाश्त तेज करता है सोने का बर्तन

सोने का उपयोग आज भारतीय महिलाएं गहनों के तौर पर ही करती हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब लोग सोने के बर्तनों में ही खाना खाया करते थे। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो आज भी सोने के बर्तनों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। आपको बता दें कि सोने के बर्तन में भोजन करने से आपकी याददाश्त तेज होती है। ऐसे में सोने के बर्तन का उपयोग अल्जाइमर की बीमारी में भी फायदेमंद होता है। यही नहीं आयुर्वेद के अनुसार सोने के बर्तनों में भोजन करने से वात पित्त और कफ दोषों को भी संतुलित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं पौधों पर आधारित आहार

पौधों पर आधारित आहार स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इनमें पशु कल्याण शामिल है। जो लोग इस आहार का पालन करते हैं, वे अक्सर पर्याप्त प्रोटीन प्राप्त करने की चिंता करते हैं, खासकर क्योंकि कई प्रकार के मांस और डेयरी उत्पाद हैं जो प्रोटीन में उच्च होते हैं। दाल, बादाम, और बाजरा सभी पौधों के प्रोटीन में उच्च होते हैं और स्वस्थ, संतुलित आहार के हिस्से के रूप में नियमित रूप से खाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, बादाम न केवल पोषण में उच्च होते हैं, बल्कि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में एक अनूठी बनावट भी जोड़ते हैं, चाहे वह मीठा हो या नमकीन। वे पौधे आधारित प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत हैं और बादाम दूध, बादाम का आटा, कच्चा, भुना हुआ, हल्का नमकीन, आदि सहित विभिन्न तरीकों से खाया जा सकता है।

यह एक मिथक है कि पौधे आधारित आहार में पर्याप्त प्रोटीन नहीं होता है। दिलचस्प बात यह है कि मैंने सुना है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 21 ग्राम प्रोटीन होता है। और विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक जैसे 15 से अधिक पोषक तत्वों से भी भरपूर हैं। मैं लंबे समय में विश्वास करता हूं, संतुलित आहार खाना अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है और मैं हमेशा स्वस्थ पौधे-आधारित प्रोटीन शामिल करता हूं जैसे कि बादाम, छोले और टोफू को अपने भोजन में अधिक पौष्टिक और स्वस्थ बनाने के लिए।
न्यूट्रिशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णा ने कहा, प्रोटीन ऊतकों, मांसपेशियों, हार्मोन और एंजाइम के निर्माण के लिए और शरीर में कोशिकाओं और ऊतकों की मरम्मत के लिए भी आवश्यक है। एक बार पौधे आधारित आहार का पालन करने का निर्णय लेने के बाद अपने आहार की सावधानीपूर्वक योजना बनाना महत्वपूर्ण है। फिटनेस एक्सपर्ट और सेलिब्रिटी मास्टर इंस्ट्रक्टर, यास्मीन ने खाने के पैटर्न और पौधों पर आधारित जीवन शैली में बदलाव पर जोर देते हुए कहा, एक फिटनेस प्रशिक्षक के रूप में, मेरे पास लोग लगातार मुझसे एक आहार या किसी अन्य पर पूछताछ कर रहे हैं। रुझान आते हैं और जाते हैं, कुंजी संतुलित भोजन खाने और नियमित कसरत दिनचर्या का पालन करने के लिए है।

हाई कोलेस्ट्रॉल में फायदेमंद है हरा धनिया

हाई कोलेस्ट्रॉल की शिकायत अनुवांशिक कारको के वजह से भी हो सकती है। लेकिन यह अक्सर अस्वास्थ्यकर जीवनशैली का परिणाम होता है। कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है। दवाईयों बजाय आप इसे कुछ प्राकृतिक चीजों की मदद से भी ठीक कर सकते हैं।

क्या होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल आपके रक्त में पाया जाने वाला एक मोम जैसा पदार्थ है। स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण के लिए आपके शरीर को कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, लेकिन कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है।

कैसे पता करें बढ़ रहा है कोलेस्ट्रॉल

रक्त में कोलेस्ट्रॉल के उच्च स्तर के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं। लेकिन यह उन स्थितियों के लिए आपके जोखिम को बढ़ा सकता है जिनमें लक्षण होते हैं, जैसे-एनजाइना (हृदय रोग के कारण सीने में दर्द), उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक आदि।

कोलेस्ट्रॉल में हरा धनिया है फायदेमंद

एक स्टडी के अनुसार, कुछ जानवरों और टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों से पता चलता है कि धनिया हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों को कम कर सकता है, जैसे उच्च रक्तचाप और एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल का स्तर। एक्सपर्ट बताते हैं कि अन्य मसालों के साथ बड़ी मात्रा में धनिया का सेवन करने वाली आबादी में हृदय रोग की दर कम होती है।

हरे धनिया के औषधीय गुण

इसमें एंटी-माइक्रोबियल व एंटीऑक्सीडेंट समेत एंटी इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाला), एंटी-डिस्लिपिडेमिक (रक्त में लिपिड्स कम करने वाला), एंटी-हाइपरटेंसिव (रक्तचाप कम करने वाला), न्यूरोप्रोटेक्टिव (तंत्रिका को सुरक्षा देने वाला) और मूत्रवर्धक जैसे गुण होते हैं। साथ ही, यह मधुमेह, मिर्गी, चिंता और अवसाद दूर करने और शरीर से टॉक्सिक पदार्थों की सफाई करने का काम भी करते हैं।

कैसे करें धनिया का सेवन

एक अध्ययन के दौरान चूहों को धनिये के बीज दिए गए जिसे खाने के बाद। खून में जमा एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल में कमी और एचडीएल (अच्छे) कोलेस्ट्रॉल में वृद्धि हुई को देखा गया। ऐसे में कहा जा सकता है कि धनिया को अपने खाने में शामिल करने से आप कोलेस्ट्रॉल की समस्या का समाधान कर सकते हैं। लोग अक्सर धनिया के पत्तों का सेवन शरबत, चटनी, सलाद के रूप में करते हैं। वहीं, इसके बीजों को भी आप पानी में फूलाकर और छानकर पी सकते हैं।

धनिया का सेवन करते समय रखें इस बात का ध्यान

धनिया को नियमित पर थोड़े मात्रा में खाएं। एक स्टडी के अनुसार ज्यादा धनिया खाने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। यह लीवर, एलर्जी, दाने, खुजली से लेकर त्वचा कैंसर तक का खतरा बढ़ा सकती है। इसेक अलावा धनिया ब्लड प्रेशर को कम करने का काम करती है जिससे निम्न ब्लड प्रेशर को लोगों को परेशानी हो सकती है।

टाटा के शेयर पर एनालिस्ट चिंतित, दे दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयर में आज गुरुवार को गिरावट देखी गई। कंपनी के शेयर आज 1.5 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ 726.50 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए। शेयरों में इस गिरावट के पीछे कुछ निगेटिव खबर है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने पैसेंजर और कमर्शियल वाहन निर्माताओं पर अपने लेटेस्ट नोट में चेतावनी दी है कि टाटा मोटर्स लिमिटेड को चार निगेटिव जोखिमों का सामना

करना पड़ सकता है, जिसमें स्थानीय मुद्रा में मजबूती से लेकर अधिक छूट तक शामिल है।

क्या है डिटेल– एचएसबीसी ने टाटा मोटर्स पर 770 के टारगेट प्राइस के साथ होल्ड करने की सिफारिश की है, जो सोमवार के समापन स्तर से 5 प्रतिशत की संभावित बढ़त दिखाता है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ब्रिटिश पाउंड में तेजी। स्टर्लिंग में हर 1 प्रतिशत की तेजी के लिए, जगुआर लैंड रोवर के मार्जिन में 20 आधार अंकों की गिरावट आ सकती है। नए मॉडलों में अप्रत्याशित डिजाइन दोष ब्रांड की धारणा और बिक्री को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका, मेनलैंड चीन और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में उम्मीद से अधिक प्रोत्साहन भी छ्वरुक्र के मार्जिन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। टाटा मोटर्स की यूके इकाई, जगुआर लैंड रोवर, चालू वर्ष के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए 16 जून को अपना निवेशक दिवस आयोजित करेगी। अंत में, रेंज रोवर के भीतर आगामी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों की कम स्वीकृति, विशेष रूप से जगुआर ब्रांडों में, वॉल्यूम को नुकसान पहुंचा सकती है।

विजय केडिया ने लगाया अब इस कंपनी पर दांव, खरीद डाले 100000 शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी अद्वैत एनर्जी के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। अद्वैत एनर्जी के शेयर गुरुवार को ब्स्श्च में 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 1996 रुपये पर पहुंच गए हैं। दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने कंपनी पर बड़ा दांव लगाया है। केडिया ने 1725 रुपये प्रति शेयर के भाव पर अद्वैत एनर्जी के 100000 शेयर खरीदे हैं। विजय केडिया ने अद्वैत एनर्जी के शेयर अपनी इनवेस्टमेंट फर्म केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए खरीदे हैं और यह हिस्सेदारी 17.25 करोड़ रुपये में खरीदी है। अद्वैत एनर्जी के 1 लाख शेयर खरीदने के साथ ही कंपनी में केडिया की

हिस्सेदारी 0.92 पर्सेंट हो गई है।

7200 प्रतिशत से ज्यादा उछले अद्वैत एनर्जी के शेयर– स्मॉलकैप कंपनी अद्वैत एनर्जी के शेयर पिछले पांच साल से भी कम में 7200 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 1 अक्टूबर 2020 को 25.68 रुपये पर थे। अद्वैत एनर्जी के शेयर 12 जून 2025 को 1996 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले चार साल में कंपनी के शेयरों में 700 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 3 साल में 2000 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। अद्वैत एनर्जी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2260 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1020 रुपये है।

कंपनी का कारोबार– इलेक्ट्रिकल कंपनी अद्वैत एनर्जी का मार्केट कैप गुरुवार 12 जून 2025 को 2000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

मुकेश अंबानी से क्या टक्कर ले पाएंगे एलन मस्क?

स्टारलिंक की इंटरनेट सर्विस के दाम से लग जाएगा अंदाजा

नई दिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक भारत में जल्द ही अपनी सेवाएं शुरू करने वाली है। स्टारलिंक को भारत सरकार से लाइसेंस मिल गया है। अगले दो महीनों में कंपनी भारत में काम शुरू कर देगी। स्टारलिंक भारत के दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट पहुंचाएगी। कंपनी ग्राहकों को एक महीने का फ्री ट्रायल भी देगी। कंपनी का लक्ष्य उन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है जहां अभी तक इंटरनेट नहीं है। हालांकि, जिस कीमत पर मुकेश अंबानी की जियो भारत में अभी इंटरनेट सेवाएं दे रही है, उसके मुकाबले में मस्क की सिर्विसेज बहुत महंगी दिख रही हैं। दोनों के डिवाइस कॉस्ट और मंथली सब्सक्रिप्शन प्लान में भी जमीन आसमान का अंतर है।

स्टारलिंक तीसरी कंपनी है जिसे दूरसंचार विभाग से सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के लिए लाइसेंस मिला है। इससे पहले यूटेलसैट की वनवेब और रिलायंस जियो को भी भारत में सेवाएं देने की मंजूरी मिल चुकी है। मस्क की कंपनी ग्राहकों को लुभाने के लिए एक खास ऑफर लेकर आ रही है। कंपनी हर डिवाइस की खरीद पर एक महीने का फ्री ट्रायल देगी। इससे ग्राहक सेवा शुरू करने से पहले उसे इस्तेमाल करके देख सकेंगे। अगर ग्राहकों को सेवा पसंद आती है तो वे हर महीने का प्लान ले सकते हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्टारलिंक ने भारत में अपने प्लान की कीमत भी तय कर दी है। सैटेलाइट डिश डिवाइस की कीमत लगभग 33,000 रुपये होगी। ग्राहकों को हर महीने अनलिमिटेड डेटा के लिए 3,000 रुपये देने होंगे। स्टारलिंक का मुख्य उद्देश्य भारत के उन दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट पहुंचाना है जहां अभी तक पारंपरिक ब्रॉडबैंड नहीं पहुंच पाया है। स्टारलिंक के सैटेलाइट पृथ्वी की कक्षा में घूमते हैं। ये सैटेलाइट उन इलाकों में भी हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचा सकते हैं जहां अभी तक इंटरनेट नहीं है। स्टारलिंक की कीमत पड़ोसी देशों के बराबर ही है। बांग्लादेश और भूटान में भी स्टारलिंक डिवाइस की कीमत 33,000 रुपये है। एनल मस्क की कंपनी अभी 100 से ज्यादा देशों में काम कर रही है। यह घरों और घूमने वाले लोगों, दोनों के लिए प्लान पेश करती है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के अनुसार, ज्यादातर जगहों पर घरों के लिए दो तरह के प्लान हैं: रेजिडेंशियल लाइट और रेजिडेंशियल। रेजिडेंशियल लाइट उन लोगों के लिए है जो कम इंटरनेट इस्तेमाल करते हैं। रेजिडेंशियल उन लोगों के लिए है जो ज्यादा इंटरनेट इस्तेमाल करते हैं।

काफी महंगी दिख रही हैं मस्क की सर्विसेज

स्टारलिंक की 33,000 रुपये की डिवाइस और 3,000 रुपये का मासिक सब्सक्रिप्शन इसे जियो की मौजूदा इंटरनेट सर्विसेज से बहुत महंगा बनाता है। भारत में मौजूदा ब्रॉडबैंड और 5त्र नेटवर्क बहुत व्यापक और किफायती हैं। मुकेश अंबानी की जियो फाइबर–टू–द–होम (स्नञ्ज्ञ ॥) तकनीक घरों तक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाकर इंटरनेट पहुंचाती है। यह सबसे स्थिर और हाई–स्पीड इंटरनेट प्रदान करती है। जियोफाइबर के प्लान 399 रुपये से 1,499 रुपये प्रति माह तक शुरू होते हैं, जो स्टारलिंक से काफी सस्ते हैं। अक्सर इंस्टॉलेशन चार्ज सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर पर लिया जाता है या प्लान के साथ बंडल किया जाता है। यह स्टारलिंक की 33,000 रुपये के डिवाइस कॉस्ट से काफी कम है।

5 मिनट में अमेरिका का कर्ज खत्म!

वॉरेन बफे ने बनाया खास प्लान? एलन मस्क ने भी किया सपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की सरकार लगातार बजट घाटे से जूझ रही है। सरकार हर साल अपनी कमाई से ज्यादा खर्च कर रही है। दोनों पार्टियों की कोशिशों के बावजूद, जून 2025 तक अमेरिका पर कर्ज बढ़कर 33.8 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। और यह कर्ज कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस

आर्थिक संकट के बीच, मशहूर निवेशक वॉरेन बफे का एक सुझाव फिर से चर्चा में है। कई बड़े लोग इस सुझाव का समर्थन कर रहे हैं। बफे ने अमेरिका के घाटे को कम करने का एक आसान तरीका बताया था। उन्होंने कहा था, मैं 5 मिनट में घाटा खत्म कर सकता हूं। बस एक कानून पास कर दीजिए कि जब भी जीडीपी का 3 प्रतिशत से ज्यादा घाटा होगा, तो संसद के सभी सदस्य दोबारा चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। यह पुराना इंटरव्यू फिर से वायरल हो गया है। वॉशिंगटन में जवाबदेही को लेकर बहस छिड़ गई है। टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने भी इस पर अपनी सहमति जताई है।

क्यों बढ़ रहा कर्ज?

अर्थशास्त्रियों ने लंबे समय से घाटे और महंगाई के बीच के संबंध के बारे में चेतावनी दी है। नोबेल पुरस्कार विजेता मिल्टन फ्रीडमैन ने कहा था, महंगाई की वजह ज्यादा सरकारी खर्च और सरकार द्वारा ज्यादा पैसा छापना है, और कुछ नहीं। हाल के आंकड़े भी यही बताते हैं। साल 2024 में महंगाई 3.2 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो फेडरल रिजर्व के 2 प्रतिशत के लक्ष्य से ज्यादा है। इसकी एक वजह सरकार की खर्चीली नीतियां भी हैं।

बुरे दौर में अमेरिकी अर्थव्यवस्था

इस समय अमेरिकी अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही है। वित्तीय वर्ष 2024 में, अमेरिका की जीडीपी 28.83 ट्रिलियन डॉलर थी।

वहीं, सरकार का खर्च 6.75 ट्रिलियन डॉलर था, जबकि कमाई 4.92 ट्रिलियन डॉलर थी। इस वजह से 1.83 ट्रिलियन डॉलर का घाटा हुआ, जो त्नष्ठक्क का 6.3 प्रतिशत है। यह बफे के बताए गए 3 प्रतिशत के दोगुने से भी ज्यादा है।

सीनेटर ने शेयर किया वीडियो

यूटा के सीनेटर माइक ली ने इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए पूछा, क्या आप इस संशोधन का समर्थन करेंगे? इस पोस्ट पर बहुत से लोगों ने अपनी राय दी। एलन मस्क ने भी इसका समर्थन किया। उन्होंने लिखा, 100 प्रतिशत, यही सही तरीका है। अर्थशास्त्री पीटर शिफ ने भी इस पर अपनी राय दी। उन्होंने ट्वीट किया, बफे का प्लान सख्त है, लेकिन शानदार है। कांग्रेस को आखिरकार अपनी आर्थिक गलतियों का एहसास होगा। सीनेटर ली सिर्फ ऑनलाइन बातें नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे इस पर काम भी कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं एक संवैधानिक संशोधन का मसौदा तैयार कर रहा हूं। इसके तहत जब भी महंगाई 3 प्रतिशत से ज्यादा होगी तो कांग्रेस के सभी सदस्यों को हटा दिया जाएगा।

स्टर्लाइट टेक्नोलॉजीज को बीएसएनएल से मिला बहुत बड़ा ठेका

नई दिल्ली, एजेंसी। गिरावट भरे मार्केट में स्टर्लाइट टेक्नोलॉजीज के शेयर आज बहुत तेजी से चढ़े। गुरुवार, 12 जून को स्टर्लाइट के शेयरों में दिन के भीतर ही 15.2 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़त देखी गई। शेयर का भाव 88.70 प्रति शेयर तक पहुंच गया, जो पिछले 4 हफ्तों का सबसे ऊंचा स्तर है।

शेयर में तेजी की वजह– इसकी बड़ी वजह है कंपनी का एक बहुत बड़ा ठेका हासिल करना। कंपनी ने 11 जून को बताया कि उसने भारत संचार निगम लिमिटेड के साथ 2,631 करोड़ के एक टेलीकॉम प्रोजेक्ट का करार किया है। यह ठेका स्टर्लाइट ने दिलीप बिल्डकॉन के साथ मिलकर जीता है।

क्या काम करेगी कंपनी– यह प्रोजेक्ट भारतनेट के लिए है, और काम जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में होगा। स्टर्लाइट की अलग हुई कंपनी स्ञ्जरु नेटवर्क्स इस काम को संभालेगी। कंपनी को यहां पर एक मजबूत नेटवर्क बनाना है। इसे मिडिल-माइल नेटवर्क कहते हैं। इसमें डिजाइन करना, सामान पहुंचाना, निर्माण करना, लगाना, अपग्रेड करना और फिर उसे चलाना व मेनटेन करना शामिल है।

प्रोजेक्ट की अवधि

निर्माण काम पूरा होने में 3 साल लगेंगे। फिर उस नेटवर्क को 10 साल तक चलाने और देखभाल की ज़िम्मेदारी भी कंपनी की होगी। नए नेटवर्क के निर्माण पर लगभग 1,620 करोड़ खर्च होंगे। इस नए नेटवर्क को चलाने में 972 करोड़ का खर्च आएगा। पुराने मौजूदा नेटवर्क की देखभाल पर 38 करोड़ खर्च होंगे।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी तो क्यों उछलने लगे इन ऑयल कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। गिरावट भरे शेयर मार्केट में ओएनजीसी और आइल इंडिया के शेयरों में 4 प्रतिशत तक की तेजी आई। ऐसा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से हुआ। जब कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो ओएनजीसी और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों को तेल बेचकर होने वाली कमाई बेहतर होने की उम्मीद बढ़ जाती है। ओएनजीसी का शेयर आज ?251.05 पर खुला और सुबह में ही ?255.15 के उच्चस्तर तक पहुंच गया।

क्यों बढ़े कच्चे तेल के दाम– हाल ही में मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सुरक्षा खतरों के कारण कच्चे तेल के दाम उछले हैं। अप्रैल में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत लगभग 61 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अब बढ़कर 69 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। जियोजीत के एक्सपर्ट डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा,तेल की कीमतों में यह उछाल मध्य पूर्व में खतरों की वजह से आया है। ओएनजीसी और आइल इंडिया के शेयरों पर इसका सकारात्मक असर दिख सकता है।

कमाते हैं 50 लाख.. फिर भी गरीबों जैसी क्यों जिंदगी?

बेंगलुरु के रहन-सहन पर सोशल मीडिया पर खूब बहस

बेंगलुरु, एजेंसी। यूं तो देश भर में महंगाई बढ़ ही रही है। सब्जी लेने के लिए भी बाजार निकलिए तो 500 का नोट मिनटों में उड़ जाते हैं।भारत की सिलिकॉन वैली के नाम से विख्यात बेंगलुरु में इन दिनों रहने का खर्च कुछ ज्यादा ही हो गया है। इस बीच बेंगलुरु में रहने-खाने का बढ़ा खर्च सोशल मीडिया पर बहस का विषय बन गया है। कभी यहां के टेक इंडस्ट्री में 50 लाख रुपये सालाना की सैलरी को बहुत अच्छा माना जाता था। लेकिन बढ़ती खर्च की वजह से कई लोग सोचने लगे हैं कि क्या इस सैलरी की वैल्यू पहले जैसी है भी या नहीं। एक व्यक्ति तो कह रहे हैं कि 50 लाख का वेतन अभी 10 लाख रुपये के बराबर लग रहा है।

एक्स पर आया पोस्ट– नेटीजन सौरव दत्ता ने एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट किया। यह पोस्ट बहुत वायरल हो गया है। उन्होंने अपने पोस्ट में पूछा है कि क्या 50 एलपीए आज के समय में 25 एलपीए के बराबर है। उन्होंने लिखा, मैंने सुना है कि बेंगलुरु के आईटी सेक्टर में बहुत से लोग 50 एलपीए कमा रहे हैं। या तो वे अपनी सीटीसी को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं, या फिर 50 एलपीए अब 25 एलपीए के बराबर हो गया है। क्या कोई टेक एक्सपर्ट इसकी पुष्टि कर सकता है?

लोगों की राय जुदा-जुदा– इस पोस्ट पर बहुत से लोगों ने अपनी राय दी। कई लोगों ने कहा कि अब इस सैलरी की उतनी वैल्यू नहीं रही जितनी पहले थी। एक यूजर ने कमेंट किया, 50 लाख तो अब 10 लाख के बराबर है। ज्यादातर लोग 1 करोड़ से ज्यादा कमा रहे हैं। एक अन्य यूजर ने कहा, अगर आप बेंगलुरु में 1 करोड़ से ज्यादा नहीं कमा रहे हैं तो यह समय बर्बाद करना है। बेहतर है कि आप यहां से चले जाएं। कुछ लोगों ने इस पर अलग राय दी। उन्होंने कहा कि 50 एलपीए की सैलरी अब ज्यादा देखने को मिलती है। लेकिन यह ज्यादातर अनुभवी या टॉप लेवल के प्रोफेशनल्स को ही मिलती है। एक यूजर ने कहा, एक तरह से हां, लेकिन यह सिर्फ टॉप लेवल के प्रोफेशनल्स के लिए है। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि तुलना करते समय समय का ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने पूछा कि क्या हम 2005, 2015 या 2020 की बात कर रहे हैं।

इन-हैंड सैलरी बहत कम– कई लोगों ने सैलरी के अलग-अलग हिस्सों के बारे में बताया। एक यूजर ने कहा कि ज्यादा सैलरी में अक्सर स्टॉक ऑप्शंस या रेस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट्स शामिल होते हैं। ये कुछ समय बाद मिलते हैं। उन्होंने कहा, माइक्रोसॉफ्ट 50 एलपीए ऑफर करता है, लेकिन बेस सैलरी सिर्फ 16 लाख होती है। बाकी आरएसयू होते हैं जो 3-4 सालों में मिलते हैं।

भर्ती के तरीके भी बदले

भर्ती के तरीके में भी बदलाव आया है। एक यूजर ने कहा, इसे सामान्य नहीं माना जा सकता। इंफोसिस और टीसीएस जैसी कंपनियों में ज्यादातर एंट्री–लेवल सॉफ्टवेयर इंजीनियर 3–6 लाख रुपये सालाना से शुरुआत करते हैं। जीसीसी में यह नंबर 10–25 लाख रुपये सालाना तक जाती है। स्किल होने पर यह 30 लाख से 90 लाख तक पहुंच जाती है। अब इंडस्ट्री अनुभव के बजाय स्किल पर ज्यादा ध्यान दे रही है। जिसके पास एजेंटिक एआई का अनुभव है, वह इंडस्ट्री में 1 करोड़ से ज्यादा मांग सकता है।

पति-पत्नी की जोड़ी ने कर दिया कमाल

सिर्फ 2,000 रुपये से शुरू किया काम, अब करोड़ों का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई में एक दंपति ने मिलकर बड़ा काम किया है। उन्होंने सिर्फ 2,000 रुपये से शुरुआत करके बड़ा स्नैक का कारोबार खड़ा कर दिया है। इस कारोबार का नाम है स्वीट करम कॉफी। साल 2015 में नलिनी पार्थिबन और आनंद भारद्वाज ने अपने घर से ही पारंपरिक स्नैक्स बनाना शुरू किया था।

2022 तक उनकी कंपनी मिलियन-डॉलर की बन गई। हाल ही में उन्हें फायरसाइड वेंचर्स से 12.5 करोड़ रुपये (15 लाख डॉलर) की फंडिंग भी मिली है। नलिनी और आनंद की कहानी दिखाती है कि कैसे मेहनत और लगन से कोई भी बड़ा मुकाम हासिल कर सकता है। आइए, यहां नलिनी पार्थिबन और आनंद भारद्वाज की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

सिर्फ 2,000 रुपये से शुरुआत– नलिनी पार्थिबन और आनंद भारद्वाज को खाने का बहुत शौक था। एक बार चेन्नई में बारिश हो रही थी। तब उन्होंने महसूस किया कि बाजार में अच्छे स्नैक्स नहीं मिल रहे हैं। उन्हें ऐसे स्नैक्स की कमी महसूस हुई जो घर के बने हों और दादी-नानी के हाथों के स्वाद की याद दिलाएं। इसी सोच के साथ उन्होंने स्वीट करम कॉफी की शुरुआत की। साल 2015 में

दिवाली से ठीक पहले नलिनी और आनंद ने मिलकर स्वीट करम कॉफी शुरू की। बाद में उन्होंने इसे स्वीट करम कॉफी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से रजिस्टर कराया। इस काम में उनके साथ एस. सुंदररमन और वीरा राघवन भी शामिल थे। शुरुआत में उन्होंने सिर्फ 2,000 रुपये लगाए थे। लेकिन, 2022 तक उनकी कंपनी ने मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया।

पति-पत्नी ने छोड़ दी नौकरी

आनंद चेन्नई के रहने वाले हैं। उन्होंने हिंदुस्तान यूनिलीवर में काम किया है। उनके पास इंजीनियरिंग और एमबीए की डिग्री है। नलिनी पुणे और चेन्नई में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने अन्ना यूनिवर्सिटी से बीटेक और एमबीए किया है। एंटरप्रेन्योर बनने से पहले वह रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड और ढ्ढष्ठक्क एजुकेशन में काम कर चुकी हैं। नलिनी ने 2021 में और आनंद ने 2023 में नौकरी छोड़कर फुल टाइम बिजनेस शुरू किया। शुरुआत में नलिनी और आनंद दक्षिण भारतीय स्नैक्स बनाते थे। इनमें मद्रास मिक्सचर, अथिरासम और स्वीट मुरुकु जैसे 10 अलग-अलग आइटम शामिल थे। पहले वे खुद ही ऑर्डर लेते थे। मार्केटिंग और डिलीवरी भी अपने आप करते थे। उस समय उनकी टीम में सिर्फ चार लोग थे। लेकिन, अब उनकी टीम में 35 मेंबर हैं। पहले वे आसपास के ग्राहकों को ही सर्विस देते थे। लोग उन्हें फोन पर ऑर्डर देते थे। अखबारों में पर्चे बांटकर नलिनी और आनंद अपने बिजनेस का प्रचार करते थे।

लोन पर ब्याज में 0.5 प्रतिशत की बड़ी कटौती

एक साथ तीन बैंकों ने कर दिया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक ने कर्ज पर लगने वाले ब्याज दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती की है। भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो रेट में कटौती के बाद बैंकों ने यह कदम उठाया है। बता दें कि आरबीआई ने पिछले सप्ताह रेपो रेट को 0.5 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया था। इसके साथ ही नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) एक प्रतिशत कम कर तीन प्रतिशत करने की घोषणा की।

यूनियन बैंक ने कितनी की कटौती– यूनियन बैंक ने कहा कि बाह्य मानक आधारित ब्याज दर (ईबीएलआर) और रेपो आधारित ब्याज दर (आरएलएलआर) में 0.5 प्रतिशत की कटौती की गयी है। इस कटौती के साथ यूनियन बैंक ने हाल में आरबीआई के रेपो दर में कटौती के अनुरूप ईबीएलआर और आरएलएलआर से जुड़े कर्ज के लिए ब्याज दर में कमी कर दी है।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने कितनी की कटौती– इसी तरह, इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने कहा कि बैंक की संपत्ति देनदारी प्रबंधन समिति (एएलसीओ) की बैठक में रेपो आधारित कर्ज पर देय ब्याज में 0.5 प्रतिशत की कटौती का निर्णय किया गया है।

एयर इंडिया का प्लेन क्रैश होने से खिलाड़ी जगत स्तब्ध

इरफान पठान दुखी, लोगों की सलामती के लिए यूं मांगी दुआ

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में एक बड़ी विमानन त्रासदी घटित हुई। एयर इंडिया का एक बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान, जो फ्लाइट एआई171 के रूप में लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भर रहा था, सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास टेकऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में कुल 242 लोग सवार थे, इसमें 230 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य शामिल थे। इसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। विमान क्रैश खेल जगत स्तब्ध है। सभी की सलामती की दुआ की।घटनास्थल से सामने आए फोटो और वीडियो में देखा गया कि प्लेन का मलबा भयंकर आग की चपेट में था। गहरे काले धुएं के गुबार रनवे के पास उठते दिखाई दिए। आपातकालीन टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। प्लेन क्रैश अहमदाबाद के मेघानीनगर एरिया में हुआ है। इस दुर्घटना के बारे सोशल मीडिया पर सभी प्रार्थना कर रहे हैं। इसमें टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान भी शामिल हैं। पठान गुजरात के वडोदरा के ही रहने वाले हैं। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, आज अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना से बहुत दुःखी हूं। यात्रियों, चालक दल और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं अहमदाबाद में आज एक दुखद घटना घटी, लंदन जाने वाली एयर इंडिया की एक फ्लाइट उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 242 यात्री सवार थे। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हरभजन सिंह ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। हरभजन सिंह ने कहा, मुझे यह जानकर गहरा सदमा और दुख हुआ है कि अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं जो इस अकथनीय दर्द और क्षति से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में, शब्द अपर्याप्त लगते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि प्रभावित लोगों को शक्ति, साहस और समर्थन मिलेगा। इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है।

मारिया में को एनएक्सटी में कैसे मिला नया नाम, खुद किया इस बात खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मारिया मे, जिन्हें अब ब्लेक मोनरो के नाम से जाना जाता है, ने अपने नए डब्ल्यूडब्ल्यूई नाम के बारे में जानकारी दी है। कुछ हफ्तों पहले एनएक्सटी में डेब्यू करने के बाद से ही उनके नाम बदलने की उम्मीद थी। इस बात की पुष्टि इस हफ्ते के एपिसोड में एक वीडियो पैकेज के जरिए हुई। वीडियो में ब्लेक मोनरो को फीमेल स्टार के नए नाम के तौर पर दिखाया गया। उनके नाम का दूसरा भाग, मोनरो, मशहूर अभिनेत्री मर्लिन मोनरो से प्रेरित है। लेकिन फैंस को उनके पहले नाम के बारे में ठीक से पता नहीं था। कई लोगों का मानना था कि बेहतर पहचान के लिए उन्हें एईडब्ल्यू वाला नाम ही रखना चाहिए था। 26 साल की ब्लेक मोनरो ने बुधवार को अपनी भतीजी के साथ एक फोटो पोस्ट की। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में 'बी' लिखा। इससे पता चलता है कि उनके नाम का पहला भाग उनकी भतीजी से प्रेरित है। ब्लेक मोनरो ने 3 जून को एनएक्सटी में डेब्यू किया। उन्होंने एनएक्सटी विमेंस चैंपियन जेसी जेन का सामना किया। इससे साफ पता चलता है कि उनका लक्ष्य ब्लैक एंड सिल्वर ब्रांड में टाइटल जीतना है।

इंग्लैंड में 18वीं फिफ्टी लगाई, वेरियन ने एक हाथ से डाइविंग कैच लिया

स्टीव स्मिथ लॉर्ड्स स्टेडियम में टॉप विदेशी स्कोरर

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेला जा रहा है। बुधवार को मुकाबले के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया 212 रन बनाकर सिमट गई। साउथ अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 4 विकेट खोकर 43 रन बना लिए।

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने 66 रन बनाए, इसी के साथ वे इंग्लैंड में सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वाले विदेशी बैटर बने। वे लॉर्ड्स स्टेडियम में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी भी बने। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने अपने आखिरी 5 विकेट महज 22 रन बनाने में गंवा दिए।

इंग्लैंड में हाईएस्ट 50+ स्कोर वाले विदेशी बने स्मिथ

ऑस्ट्रेलिया के नंबर-4 बैटर स्टीव स्मिथ 66 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने इंग्लैंड में 10वीं फिफ्टी लगाई, वे यहां 8 सेंचुरी भी लगा चुके हैं। डब्ल्यूटीसी फाइनल में फिफ्टी लगाकर स्मिथ इंग्लैंड में सबसे ज्यादा 18 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले विदेशी बैटर बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ही एलन बॉर्डर और वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्ड्स का रिकॉर्ड तोड़ा। दोनों के नाम इंग्लैंड में 17-17 फिफ्टी प्लस स्कोर का रिकॉर्ड रहा।

लॉर्ड्स में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बने स्मिथ

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बैटर भी बन गए। उनके अब 6 मैच की 10 पारियों में 591 रन हो गए। इनमें उन्होंने 2 शतक और 3 फिफ्टी लगाई हैं। स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया के ही वारेन बार्डस्ले का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 5 मुकाबलों में 575 रन बनाए।

काइल वेरियन का डाइविंग कैच

साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर काइल वेरियन ने एक हाथ से बेहतरीन डाइविंग कैच पकड़ा। 24वें ओवर की दूसरी बॉल मार्को यानसन ने गुड लेंथ पर लेग स्टंप की ओर फेंकी। ट्रैविस हेड फ्लिक करने गए, लेकिन गेंद उनके बैट से लगकर विकेटकीपर की ओर चली गई। यहां वेरियन ने अपने दाईं ओर डाइव लगाई और एक हाथ से बेहतरीन कैच पकड़ लिया। हेड को 11 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा।

रिव्यू नहीं लेने के कारण नॉटआउट रहे वेबस्टर

29वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के ब्यू वेबस्टर साउथ अफ्रीका के रिव्यू नहीं लेने के कारण आउट होने से बच गए। ओवर की दूसरी बॉल कगिसो रबाडा ने गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी। बॉल वेबस्टर के पैड्स पर लगी, रबाडा ने एलपीडब्ल्यू की अपील की, लेकिन अंपायर ने नॉटआउट का इशारा दिया।

रबाडा ने रिव्यू लेने की सलाह दी, लेकिन कप्तान तेम्बा बावुमा ने मना कर दिया। उन्होंने इशारा किया कि बॉल बैट से लगी है। रिप्ले में पता चला कि अगर रिव्यू लिया जाता तो वेबस्टर को पवेलियन लौटना पड़ता। इस वक्त वेबस्टर महज 8 रन के स्कोर पर थे, उन्होंने 72 रन की पारी खेली।

मार्को यानसन का जगलिंग कैच

42वें ओवर में साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन ने फर्स्ट स्लिप में बेहतरीन जगलिंग कैच पकड़ा। ओवर की आखिरी बॉल ऐडन मार्करम ने ऑफ स्टंप के बाहर फुलर लेंथ फेंकी। स्टीव स्मिथ ड्राइव करने गए, लेकिन गेंद बाहरी किनारे से लगकर स्लिप की ओर चली गई। फर्स्ट स्लिप में यानसन ने अपने बाएं हाथ से बॉल पकड़ी, लेकिन गेंद उछलकर दाएं हाथ की ओर चली गई। यानसन ने तीसरी बार कोशिश की और बॉल पकड़ ली। स्मिथ 66 रन बनाकर आउट हुए।

रिवर्स स्वीप खेलने में बोल्ड हुए कैरी

ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बैटर एलेक्स कैरी रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में बोल्ड हो गए। 52वें ओवर की पहली बॉल केशव महाराज ने फुलर लेंथ फेंकी, कैरी रिवर्स स्वीप खेलने गए, लेकिन गेंद मिस कर गए और बोल्ड हो गए। कैरी ने 23 रन बनाए।

22 रन बनाने में ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट गंवाए

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे सेशन में 5 विकेट गंवा दिए। टीम के सभी विकेट 22 रन बनाने में ही गिर गए। टी सेशन के बाद केशव महाराज ने एलेक्स कैरी को बोल्ड किया। यहां से कगिसो रबाडा ने पैट कमिंस और ब्यू वेबस्टर को पवेलियन भेजा। मार्को यानसन ने नाथन लायन को बोल्ड किया। रबाडा ने फिर मिचेल स्टार्क को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया की पारी 212 रन पर समेट दी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल

साउथ अफ्रीका की आधी टीम 97 रन पर ही पैवेलियन लौटी

लॉर्ड्स (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच लंदन में खेला जा रहा है। बुधवार लॉर्ड्स स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। गुरुवार को मैच का दूसरा दिन है और पहला सेशन जारी है।

साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 5 विकेट खोकर 97 रन बना लिए हैं। डेविड बेडिंघम (26 रन) और काइल वेरियन (1 रन) पिच पर हैं। कप्तान टेम्बा बावुमा (36 रन) को पैट कमिंस ने मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच कराया।

पहले दिन कमिंस ने वियान मुल्डर (6 रन) को बोल्ड किया था। साउथ अफ्रीका ने 43/4 के स्कोर से दूसरे दिन की शुरुआत की। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया 212 रन पर ऑलआउट हो गई थी। ब्यू वेबस्टर ने 72 और स्टीव स्मिथ ने 66 रन की पारी खेली। कगिसो रबाडा ने 5 और मार्को यानसन ने 3 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका ने 5वां विकेट गंवा दिया है। यहां कप्तान टेम्बा बावुमा 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें पैट कमिंस ने मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच कराया। कमिंस को दूसरा विकेट मिला है। उन्होंने पहले दिन वियान मुल्डर को बोल्ड किया था।

बावुमा-बेडिंघम की फिफ्टी पार्टनरशिप

34वें ओवर में कप्तान टेम्बा बावुमा और डेविड बेडिंघम की जोड़ी ने फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली है। मिचेल स्टार्क के ओवर की दूसरी बॉल पर बावुमा ने चौका लगाकर 5वें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। टीम ने 30 रन पर चौथा विकेट गंवाया था।

हमारे पास शोएब बशीर, भारत को पाकिस्तानी के नाम से धमकाया, ब्रेंडन मैकुलम का दांव कहीं उल्टा न पड़ जाए!

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि भारत पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अच्छी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ यहां आया होगा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि 'एक टेस्ट टीम के रूप में हम कहां पहुंचना चाहते हैं।' भारत अपने नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के साथ करेगा। मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा, 'वह शानदार क्रिकेट खेलने वाला देश है, जो बड़ी उम्मीदों के साथ यहां आया होगा और हम उनकी चुनौती के लिए तैयार हैं।'

इंग्लैंड ने हाल ही में छह मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला में वेस्टइंडीज का सफाया किया। अब उनका ध्यान लाल गेंद के प्रारूप पर है क्योंकि वे भारत और इस साल के अंत में होने वाली एशेज की तैयारी कर रहे हैं। मैकुलम ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी तरोताजा रहें। हम जानते हैं कि टेस्ट टीम के रूप में हमें कहां पहुंचना है।' इंग्लैंड की टीम में तेज गेंदबाज मार्क वुड नहीं होंगे, जो चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शुरुआती टेस्ट से बाहर रहेंगे, जबकि गस एटकिंसन अब भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं। मैकुलम को हालांकि इंग्लैंड के गेंदबाजी विकल्पों पर पूरा भरोसा है।

भारतीय टीम की इंग्लैंड में प्रैक्टिस

कप्तान शुभमन गिल सहित टीम के अन्य खिलाड़ी फील्डिंग का अभ्यास किया

ओवल (एजेंसी)। भारतीय टीम के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल भी अन्य खिलाड़ियों के साथ कैच का प्रैक्टिस करते नजर आए। वहीं भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी थ्रो और फील्डिंग करते नजर आए।

भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ी और हेड कोच गौतम गंभीर 6 जून को मुंबई एयरपोर्ट से इंग्लैंड के लिए रवाना हुए।

रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद 25 साल के शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को उप-कप्तान बनाया गया है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद टीम का यह पहला दौरा होगा।

भारतीय टीम ने 8 जून को पहले प्रैक्टिस सेशन में भाग लिया था। इसमें कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया था। हालांकि, टीम में शामिल कई खिलाड़ी इंडिया ए के सदस्य होने की वजह से शामिल नहीं हो पाए थे।भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरू होगा, जबकि अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल में खेला जाएगा। भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका है। ऐसे में टीम की नजर सीरीज जीतने पर होगी।

भारतीय टीम में टैलेंट की कमी नहीं; विराट कोहली की चमक मिस करेंगे 16 साल से जीत का इंतजार

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड टेस्ट टीम के उपकप्तान ओली पोप का कहना है कि भारतीय क्रिकेट टीम में काफी टैलेंट है, लेकिन उसे विराट कोहली की कमी खलेगी। टीम इंडिया अभी इंग्लैंड दौरे पर है, उसे पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरू होगा, जबकि अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल में खेला जाएगा।भारत ने इस हाई-प्रोफाइल सीरीज के लिए युवा टीम का चयन किया है। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने आईपीएल के दौरान ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था।ओली पोप ने 'टॉकस्पोर्ट' क्रिकेट से कहा कि भारत की टीम युवा है, लेकिन इनके खिलाड़ियों में बहुत टैलेंट है। उनके पास बहुत से युवा और अच्छे खिलाड़ी हैं। कप्तान शुभमन गिल शानदार हैं। लेकिन उन्हें स्लिप में खड़े होकर चहकने वाले विराट कोहली की चमक की कमी खलेगी।पोप ने यह भी कहा, 'भारतीय टीम के पास कुछ अच्छी प्रतिभाएं हैं। वे आत्मविश्वास से भरे होंगे। हमारे खिलाड़ी भी इसके लिए तैयार हैं।'ओली पोप ने कहा कि एशेज ट्रॉफी से पहले भारत के साथ यह सीरीज हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है।

डब्ल्यूटीसी 2023-25 आईसीसी ने प्राइज मनी बढ़ाई, विजेता-उपविजेता पर होगी पैसों की बरसात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जा रहा है। आईसीसी ने इस साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए प्राइज मनी में बढ़ोतरी की थी। इस साल विजेता टीम तो मालामाल होगी ही, साथ ही उपविजेता टीम को भी साल 2023 में विजेता टीम को मिली राशि से ज्यादा रुपये मिलेंगे।

हालांकि, इस चक्र में तीसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम पर भी पैसों की बरसात होगी। उन्हें भी जितनी राशि मिलेगी, वह 2023 में डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम की राशि के करीब है। वहीं, इस चक्र में सबसे फिसड्डी रही पाकिस्तान की टीम को सबसे कम राशि मिलेगी। डब्ल्यूटीसी में नौ टीमें हिस्सा लेती हैं और अंक प्रतिशत के आधार पर शीर्ष दो पर रहने वाली टीम फाइनल खेलती है।

विजेता-उप-विजेता को कितनी राशि?

आईसीसी ने विजेता टीम के लिए जो राशि तय की है, वह पिछले संस्करण से दोगुनी है। इस बार विजेता टीम को बंपर पैसे मिलेंगे और आईपीएल विजेता से भी ज्यादा मिलेंगे। इस साल विजेता टीम को 3.6 मिलियन यूएस डॉलर यानी 30.79 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने जब 2023 में फाइनल जीता था तो उन्हें 1.6 मिलियन डॉलर यानी 13.69 करोड़ रुपये मिले थे। फाइनल में हारने वाली टीम यानी उप विजेता को 2.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (17.96 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जो कि पिछले दो बार की विजेता राशि से भी ज्यादा है। वहीं, पिछले दो संस्करणों के उपविजेता को 800,000 अमेरिकी डॉलर यानी 6.84 करोड़ रुपये मिले थे।

भारतीय टीम को इतने रुपये मिलेंगे

वहीं, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र में अंक तालिका में तीसरे स्थान पर टीम इंडिया रही थी। उन्हें इनाम के तौर 1.4 मिलियन डॉलर यानी 12.31 करोड़ रुपये मिलेंगे। चौथे स्थान पर न्यूजीलैंड की टीम रही और उन्हें 1.2 मिलियन डॉलर यानी 10.26 करोड़ रुपये मिलेंगे। पांचवें स्थान पर इंग्लैंड की टीम रही और उन्हें 0.96 मिलियन डॉलर यानी 8.20 करोड़ रुपये मिलेंगे। छठे स्थान पर श्रीलंका की टीम रही और उन्हें 0.84 मिलियन डॉलर यानी 7.18 करोड़ रुपये मिलेंगे।

पाकिस्तान को मिलेंगे इतने रुपये

सातवें स्थान पर रहने वाली बांग्लादेश की टीम को 0.72 मिलियन डॉलर यानी 6.15 करोड़ रुपये, आठवें स्थान पर रहने वाली वेस्टइंडीज टीम को 0.6 मिलियन डॉलर यानी 5.13 करोड़ रुपये और सबसे आखिरी यानी नौवें स्थान पर रहने वाली पाकिस्तान की टीम को 0.48 मिलियन डॉलर यानी 4.10 करोड़ रुपये मिलेंगे। भारत को पाकिस्तान को मिलने वाली राशि से तीन गुना ज्यादा रुपये मिलेंगे।

राशि बढ़ाने के पीछे आईसीसी का मकसद

आईसीसी के प्राइज मनी को बढ़ाने के पीछे का मकसद टेस्ट क्रिकेट को और रोमांचक बनाना है ताकि टीमें तालिका में ऊपर आने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा करें और बेहतर इनाम जीतने की कोशिश करें। इससे टीमें अंत अंत तक खुद को ऊपर लाने की कोशिश करेंगी। इस 2023-25 डब्ल्यूटीसी चक्र में दक्षिण अफ्रीका की टीम 69.44 अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रही थी, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम 67.54 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रही। भारत का अंक प्रतिशत इस चक्र में 50.00 रहा। भारतीय टीम अब अपने 2025-27 चक्र की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से करेगी।

करण जौहर ने बताया कैसे हुई कार्तिक आर्यन से सुलह

पॉपुलर फिल्ममेकर करण जौहर और कार्तिक आर्यन के बीच मतभेद दूर हो चुके हैं। हालांकि, एक समय ऐसा भी था जब करण जौहर ने कार्तिक को फिल्म दोस्ताना 2 से निकाल दिया था। साथ ही कहा था कि वो कभी साथ काम नहीं करेंगे। इस झगड़े के सालों बाद अब कार्तिक और करण जौहर फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी और नागजिला में साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में हर किसी का सवाल था कि एक बड़े झगड़े के बाद दोनों की सुलह कैसे हुई। ऐसे सभी सवालों पर करण जौहर ने पहली बार खुलकर बात की है। हाल ही में बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में करण जौहर से कहा गया कि उन्हें और कार्तिक को साथ काम करते देख सरप्राइज मिला। ये कैसे हुआ। जवाब में करण जौहर ने कहा, मुझे लगता है कि हमने इंटरनली चर्चा की और इसे सुलझाया। हमने जो बातें हुई उसे भुला दिया। कार्तिक बेहद हार्डवर्किंग है। आज के समय में वो बेहद कनेक्टिव स्टार है, जिसकी बड़ी ऑडियंस है और उसे स्क्रीनप्ले की अच्छी समझ है। हम मिले, कोलेबोरेट किया, साथ काम करने का फैसला किया। आगे करण जौहर ने कहा, सब ठीक है। उसके और मेरे, हमारे एक-दूसरे से कुछ इशू थे, लेकिन ये इंडस्ट्री बहुत छोटी है, जिसे मैं परिवार कहता हूं। और मुझे ऐसा लगता है कि परिवार में कभी-कभी गिले-शिकवे हो जाते हैं। आखिर में अच्छे लोग एक अच्छी फिल्म बनाना चाहते हैं और साथ मिलकर अच्छा कंटेंट बनाना चाहते हैं। जैसा मैंने कहा, ज्यादा बातों पर ध्यान मत दो। हमारे पास देखने के लिए बड़ा विजन है।

क्यों हुआ था झगड़ा?

दरअसल, कार्तिक आर्यन, करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2 का हिस्सा थे। फिल्म की 20 दिनों की शूटिंग भी हो चुकी थी, लेकिन फिर अचानक धर्मा प्रोडक्शन ने अनाउंस कर दिया कि कार्तिक को फिल्म से हटाया जा रहा है। करण ने कार्तिक को फिल्म से निकालने पर कहा था कि वो अनप्रोफेशनल हैं और मनमाने ढंग से फीस बढ़ा रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शंस की तरफ से सूत्रों ने बताया था कि कार्तिक आर्यन तारीखें नहीं दे रहे थे और स्क्रिप्?ट में कमियां भी निकाल रहे थे। विवादों के बीच करण के करीबी सूत्रों ने मीडिया इंटरव्यू में बताया था कि करण ने कार्तिक के साथ कभी काम न करने का फैसला किया है।

कार्तिक ने कहा था- मिस कम्युनिकेशन था

2024 में कार्तिक आर्यन ने पहली बार दोस्ताना 2 के अचानक बंद होने पर खुलकर बात की थी। लल्लनटॉप को दिए एक इंटरव्यू में कार्तिक ने कहा था, देखिए, वो बहुत पुरानी बात हो गई है। कई बार बहुत मिस कम्युनिकेशन हो जाता है और कई चीजें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जाती हैं। जब वो लिखा जाता है, तो कुछ और ही लगने लगता है। कार्तिक ने ये भी कहा था, मैं तब भी चुप था और अब भी चुप हूं उन बातों पर। मैं बस 100 प्रतिशत काम करता हूं। जब भी ऐसी कोई खबर आती है या कोई कॉन्ट्रोवर्सी होती है, तो मैं अपने शेल में चला जाता हूं। मैं शांत रहता हूं। मैं इन चीजों में ज्यादा घुसता नहीं हूं, और ना ही कुछ साबित करने की जरूरत महसूस करता हूं।

एसएस राजामौली की फिल्म में आर माधवन की एंट्री?

फेमस एक्टर आर माधवन एक हजार करोड़ की फिल्म में एंट्री करने जा रहे हैं! जी हां, वो एसएस राजामौली की SSMB29 में बड़ा रोल निभा सकते हैं। इसमें महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये एक जंगल-एक्शन एडवेंचर मूवी होगी।

बाहुबली और RRR जैसी सुपरहिट फिल्मों को देखने के बाद अब फैंस को एसएस राजामौली की अगली फिल्म का इंतजार है। वो महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ एक जंगल एडवेंचर बना रहे हैं। अब खबर आई है कि इसमें रहना है तेरे दिल में एक्टर आर माधवन की एंट्री हो गई है। एसएस राजामौली की आने वाली फिल्म SSMB29 के फैंस के लिए ये एक बड़ी खबर है। 3 इडियट्स जैसी हिट फिल्मों के लिए फेमस आर माधवन को इस 1,000 करोड़ रुपये की एपिक मूवी में दमदार रोल निभा सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये पहली बार होगा, जब राजामौली और माधवन साथ में काम करेंगे।

फिल्म के बारे में सबकुछ सीक्रेट

बात करें राजामौली की फिल्म की तो इसके बारे में सबकुछ काफी सीक्रेट रखा जा रहा है। इसमें एक्शन-एडवेंचर होगा। राजामौली ने 2024 में केन्या में एक लोकेशन भी देखा था, जहां फिल्म का कुछ हिस्सा फिल्माया जाएगा। इस फिल्म के संगीत की कमान एमएम कीरवानी के हाथों में है।

महेश को जापान लेकर जाएंगे राजामौली इससे पहले जापान में RRR की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान राजामौली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में एक छोटी लेकिन प्यारी सी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, उनका नाम महेश बाबू है, वे एक तेलुगु एक्टर हैं (लोग उन्हें खूब पसंद करते हैं)। ऐसा लगता है कि आप में से कई लोग उन्हें पहले से ही जानते हैं। वे बहुत हैंडसम हैं। उम्मीद है कि हम फिल्म को थोड़ा जल्दी खत्म कर लेंगे और रिलीज के दौरान मैं उन्हें यहां लाऊंगा और आपसे उनका परिचय करवाऊंगा। मुझे यकीन है कि आप भी उन्हें पसंद करेंगे।

कुटिंग्स यूनिवर्स में दर्शकों को पसंद आएगी मेरी कहानी

अभिनेत्री सना सुल्तान को एएलटीटी की नई वर्टिकल सीरीज कुटिंग्स के लिए चुना गया है। सना कुटिंग्स यूनिवर्स के एक एपिसोड 'आशिक अरबपति में नजर आएंगी। सीरीज के बारे में अपने विचार को व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि यह महिला के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं पर आधारित है। दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी।

सीरीज के बारे में सना ने बताया, कुटिंग्स एक वर्टिकल ड्रामा सीरीज है। यह एक खूबसूरत फॉर्मेट है, जिसमें रोमांच, रहस्य, भावनाएं, प्यार, नफरत सब कुछ छोटे-छोटे एपिसोड में समाहित हैं।

फॉर्मेट के बारे में अपनी पसंद को जाहिर करते हुए उन्होंने बताया, मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इतने कम समय में बहुत कुछ अनुभव करने या सीखने को मिला। यह एक बहुत ही रोमांचक कॉन्सेप्ट है और मुझे विश्वास है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इससे जुड़ाव महसूस करेंगे। सना ने आगे बताया, मेरी कहानी में आप सब कुछ देख सकेंगे। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसके दो पक्ष हैं। वह एक तरफ तो नरम है, वहीं दूसरी ओर सख्त भी है। मैं यह कह सकती हूं कि मेरी कहानी बहुत ही शानदार और दर्शकों को पसंद आने वाली है और एक महिला के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को छूती है।

सना ने खुलासा किया कि जब उन्हें यह ऑफर हुआ तो उन्होंने बिना देरी किए झट से हां कह दिया था। उन्होंने बताया, खुद एक कंटेंट क्रिएटर होने के नाते मैं रील और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो के क्रेज को समझती हूं। इसलिए, मुझे इसकी खूबियों के बारे में अच्छी तरह से पता था। सना ने कहा, लोग इसे देखेंगे तो पसंद करेंगे। क्योंकि, इसकी क्वालिटी और स्टोरी दोनों बेजोड़ हैं। यह घर पर शूट किया गया एक रील नहीं, यह एक अच्छी तरह से निर्मित शो है, जो एक छोटे, वर्टिकल फॉर्मेट में एक फिल्म देखने जैसा अनुभव देगा।

फिल्म भूल चूक माफ रिलीज के विवाद का वामिका पर नहीं पड़ा फर्क

23 मई को सिनेमाघरों में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म भूल चूक माफ रिलीज हुई। रिलीज के वक्त फिल्म विवादों में आ गई। फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म को इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने से पहले डिजिटल रिलीज करने का फैसला किया था। हालांकि, मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआरआईनोक्स ने निर्माताओं के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया था। इसके बाद फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

बातचीत में वामिका ने इस बारे में बात की कि क्या उन्हें इस पूरे मामले से कोई फर्क पड़ा? इस पर वामिका गब्बी ने कहा इससे मुझ पर कोई असर नहीं पड़ा। मैंने जिंदगी में इतना कुछ देखा है कि इससे प्रभावित नहीं हुई! यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल था। मैं टूट सकती थी। मैं कई तरह की भावनाओं से गुजर सकती थी। लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि मैंने बहुत कुछ देखा है। यह मेरे हाथ में नहीं था।

कई बार चीजें मेरे हाथ में नहीं होतीं

वामिका गब्बी ने आगे बताया कि मुझे कई बार अस्वीकार किया गया। मैंने देखा है कि वादे किए गए और फिर उन्हें पूरा नहीं किया गया। मैंने अपना पूरा भरोसा उन प्रोजेक्ट्स में लगाया, जिनके बारे में मुझे लगा कि यह मेरे करियर या मेरी जिंदगी को बदल देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे समझ में आया कि यह मेरे हाथ में नहीं है। इन सबके बावजूद, मेरी तरक्की हो रही थी।

मेरे लिए अपनी बेटी को बड़े होते देखना सबसे खूबसूरत सिनेमा है

एक्टर अली फजल अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो... इन दिनों की रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने अपने सबसे खास सिनेमाई पलों को लेकर खुलासा किया और कहा कि उनके लिए सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी बेटी को बड़े होते हुए देखना है। इंटरव्यू के दौरानजब अली से सवाल पूछा, जिज्ञासा और अवलोकन, क्या आप इन्हें किसी कलाकार की असली पूंजी मानते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए अली फजल ने कहा, हां, मैं ऐसा मानता हूं। मैं हाल ही में पिता बना हूं और मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी 10 महीने की बेटी को बड़ा होते देखना है। इसमें वही दो बातें हैं, जो कलाकार के लिए जरूरी होती हैं, जिज्ञासा और अवलोकन। एक छोटे बच्चे में जो मासूमियत और अनजानापन होता है, वही उसे खास बनाता है।

रणबीर और रणवीर के बीच में है ईगो क्लैश? करण जौहर ने बताई पूरी सच्चाई

रणबीर कपूर और रणवीर सिंह बॉलीवुड के दो नए सुपरस्टार हैं। दोनों ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फैंस दोनों की ही फिल्मों का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। हालांकि, दोनों को लेकर तरह-तरह की खबरें भी सामने आती रहती हैं। बीच में इन दोनों स्टार्स के बीच में ईगो क्लैश की खबरें भी सामने आई थीं। अब निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने इन खबरों और दोनों के बीच ईगो की लड़ाई को लेकर असलियत बताई है।

दोनों के बीच में कोई ईगो नहीं

बॉलीवुड हंगामा के साथ अपनी हालिया बातचीत में करण जौहर ने रणबीर कपूर और रणवीर सिंह के बीत ईगो क्लैश को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने इस बारे सच्चाई बताते हुए कहा, 'हर कोई एक-दूसरे को बहुत समझता है। दोनों के बीच में कोई अहंकार नहीं है। यह सब उस नजर या लेंस से देखने का बहुत पुराना तरीका है। मैं नहीं देखता और मुझे यकीन है कि वे भी नहीं देखते हैं। मुझे नहीं लगता दोनों के बीच में किसी तरह का कोई ईगो है।'

दोनों एक-दूसरे के काम पर फीडबैक देते हैं

करण जौहर ने दोनों एक्टर्स के बीच एक-दूसरे को कॉम्प्लीमेंट देने और सलाह देने के समय को भी याद किया। निर्माता ने बताया कि कैसे दोनों ने एक-दूसरे की फिल्म के बाद उन्हें फीडबैक दिया। करण ने कहा, मुझे याद है कि 'ऐ दिल है मुश्किल' देखने के बाद रणवीर सिंह मेरे घर आए और मुझे फिल्म को लेकर अपना व्यू बताया।जो कि वाकई में काफी कमाल था। फिर रणबीर ने मुझे 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' पर फीडबैक दिया। मुझे लगता है कि हम सभी किसी भी चीज से बढ़कर दोस्त हैं।

'रामायण' और 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे रणबीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों अपनी एपिक सागा फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चओं में हैं। फिल्म में रणबीर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा रणबीर कपूर आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ लव एंड वॉर में भी नज़र आएंगे। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं।

'धुरंधर' में नजर आएंगे रणवीर सिंह

इसके अलावा अगर रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह एक्शन थ्रिलर 'डॉन 3' में भी नजर आएंगे। फिल्म की घोषणा 2023 में की गई थी, लेकिन अभी तक फ्लोर पर नहीं आई है।